किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 3 अंकः 201 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 05 मई 2025 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

दुश्मनों को वही जवाब दिया जाएगा जो आप चाहते हैं,

पहलगाम हमले पर राजनाथ का बड़ा बयान, हर कोई मोदी को जानता है

दैनिक समाज जागरण

नई दिल्ली. पहलगाम आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को देश के दुश्मनों के खिलाफ कड़ा और उचित जवाब देने का वादा किया. नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'संस्कृति जागरण महोत्सव' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने देशवासियों को भरोसा दिया कि भारत दुश्मनों को देश की इच्छा के अनुसार जवाब देगा. केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, "एक रक्षा मंत्री के रूप में, यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं. यह मेरी जिम्मेदारी है कि जो हमारे देश पर हमला करने की

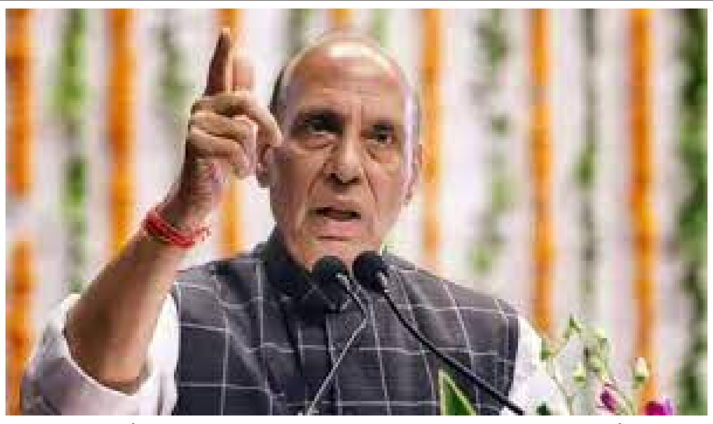

हिम्मत करते हैं, उन्हें मुंहतोड़ जवाब दूं." रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशलता, दृढ़ता और जोखिम लेने की क्षमता से लोग भली-भांति परिचित हैं. उन्होंने कहा, "आप सभी पीएम मोदी की कार्यशैली और उनकी मेहनत को जानते हैं. मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब चीजें आपकी इच्छानुसार होंगी." सिंह ने यह भी कहा कि जहां देश के वीर सैनिक हमेशा भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं, वहीं हमारे ऋषि और मनीषी इसकी आध्यात्मिकता की रक्षा करते हैं. उन्होंने कहा कि जहां एक ओर हमारे सैनिक 'रणभूमि' (युद्धक्षेत्र) में लड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे संत 'जीवनभूमि' में लड़ते हैं.

22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने दर्जनों पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक विदेशी सहित 26 लोग मारे गए, जो 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था.

रक्षा मंत्री राजनाश सिंह ने कहा कि हर कोई मोदी को जानता है. उन्होंने लोगों से कहा, "मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जैसा आप चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा. दुश्मनों को वही जवाब दिया जाएगा..जो आप चाहते हैं."

पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी ग्रुप, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को सभी मोर्चों पर कम कर दिया.

सप्ताह की शुरूआत में, पीएम मोदी ने भी आतंकवादियों और उनके समर्थकों को "सबसे कठोर" सजा देने का वादा किया. उन्होंने पीड़ितों के परिवारों को आश्वासन दिया कि "न्याय किया जाएगा." उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कश्मीर में पर्यटन और युवाओं के लिए अवसरों में वृद्धि के साथ भारी विकास देखा गया है, और कहा कि पहलगाम हमला क्षेत्र की प्रगति को पटरी से उतारने के लिए देश के दुश्मनों द्वारा एक हताश प्रयास था.

पाकिस्तान के पास सिर्फ. 96 घंटे के लिए तोपखाना गोला-बारूद बचा है।

पाकिस्तान की सेना कथित तौर पर तोपखाना गोला-बारूद की भारी कमी से जूझ रही है, जिससे उसकी अल्पकालिक संघर्ष को झेलने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव के बीच समाचार एजेंसी एएनआई की यह ताजा रिपोर्ट आई है।

रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान के पास अभी सिर्फ. 96 घंटे के लिए ही उच्च तीव्रता वाले युद्ध के लिए पर्याप्त तोपखाना गोला-बारूद है, जिससे देश के सैन्य प्रतिष्ठान में चिंता की लहर है। 2 मई को आयोजित विशेष कोर कमांडर सम्मेलन में कथित तौर पर इस मुद्दे पर चर्चा हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव में एक साथ लड़ेगी महागठबंधन

समाज जागरण पटना - वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इससे पहले राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति पर काम करना तेज कर दिया है। पटना में तीसरी बार रविवार को महागठबंधन में शामिल दलों के प्रमुख नेताओं की तीसरी अहम बैठक हुई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मनोझ झा ने कहा की महागठबंधन में कहीं कोई मतभेद नहीं है। हमारे प्रमुख सहयोगी खुद कह चुके हैं कि सब कुछ स्पष्ट है और किसी भी स्तर पर कोई भ्रम नहीं है। आप बस थोड़ा धैर्य रखें, सही वक्त आने दीजिए सब साफ हो जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम समन्वय के जरिए संवाद कर रहे हैं और सबसे अहम यह है कि हमने सरकार को झुकने पर मजबूर किया है। इसके लिए विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज एक व्यापक बैठक थी जिसमें सभी कमेटियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। हर कमेटी में हमारे साथी शामिल हैं और सब अपने-अपने स्तर पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। आज की बैठक का मकसद था संवाद को जमीनी स्तर तक, ब्लॉक स्तर तक ले जाना। यह प्रयास सफल रहा। जातीय जनगणना एक वर्तमान का मुद्दा है। हम अलर्ट मोड में हैं। हम चाहते

हैं कि आरक्षण का दायरा बढ़े, और गरीब परिवारों के लिए योजनाएं बनें। निजी क्षेत्र में भी समान अवसर सुनिश्चित करने होंगे। सरकार को अब संसद और विधानसभाओं में सीटों के आरक्षण पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। फारूक अब्दुल्ला की चिंता देशहित से जुड़ी है। उन्होंने जो कहा, वह सिक्योरिटी एजेंसियों के इनपुट पर आधारित था। मैं सीधी बात करता हूं इस बैठक की शुरूआत हमने पहलगाम के उन लोगों को श्रद्धांजलि देकर की, जिनकी जानें गईं। हम उन लोगों की तरह नहीं हैं जो शोक के समय में भी रैली करते हैं। पुलवामा हम नहीं भूले हैं। आज तक हम सदन में यह सवाल पूछते हैं कि पुलवामा कैसे हुआ? अगर पुलवामा की सही रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो शायद पहलगाम जैसी घटना टाली जा सकती थी। आज पूरा देश एकजुट है, और सरकार को चाहिए कि वो भी इस मुद्दे पर राजनीति छोड़ कर संवेदनशीलता दिखाए। वही सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर अभी कोई बात नहीं बनी है। साथ ही किस सीट पर कौन पार्टी लड़ेगी इसपर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

खूबसूरत महिलाओं को अमेरिकियों के पास भेजें...

भारत से बचने के लिए नवाज शरीफ के करीबी की अजीबोगरीब सलाह

नजम सेठी का विवादित वीडियो वायरल, जिसमें उन्होंने अमेरिका में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तानी महिलाओं को भेजने की सलाह दी. इस बयान की दुनियाभर में आलोचना हो रही है.

भारत के साथ तनाव के बीच जहां पाकिस्तान के नेता अजीबोगरीब बयान दे रहे हैं, तो वहीं पाकिस्तान के एक्सपर्ट भी पीछे नहीं हैं. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के करीबी सीनियर जर्नलिस्ट नजम सेठी का एक विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे अमेरिका में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए आकर्षक पाकिस्तानी महिलाओं को अमेरिकियों के पास भेजने की सलाह देते नजर आ रहे हैं.

वायरल हो रहे वीडियो में नजम सेठी ने कहा, अमेरिका में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए, अगर हमें अमेरिका में भारतीय लॉबी का असर कम करना है, तो हमें वहां ऐसी महिलाएं भेजनी होंगी जो 'पब जा सकें', थिंक टैंक में घुल-मिल

सकें और अपने आकर्षण का इस्तेमाल करें. अपने आकर्षण से अमेरिकी थिंक टैंक को प्रभावित कर सकें"... पाकिस्तान ही नहीं, पूरी दुनिया में उनके इस बयान की खूब आलोचना हो रही है.

महिलाएं बोलीं-दिमाग खराब हो गया

ट्विटर पर #ShameOnNajamSethi ट्रेंड कर रहा है. कई पाकिस्तानी महिलाओं ने लिखा, हम देश की छवि सुधारने के लिए दिमाग लेकर जाती हैं, न कि आकर्षण बेचने. कुछ ने लिखा, नजम सेठी का दिमाग खराब हो गया है. पाकिस्तानी पत्रकारों और सोशल वर्कर ने इसे शर्मनाक बताया. कहा, हम अभी भी ट्रेडिशनल थिंकिंग से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं.

दुनिया कूटनीति देखती है...

हिना जिलानी ने लिखा, यह बयान न सिर्फ महिलाओं का अपमान है, बल्कि पाकिस्तान की विदेश नीति की सोच को भी बदनाम करता है. पाकिस्तान के पूर्व डिप्लोमैट और भारत में राजदूत रह चुके अब्दुल बासित ने लिखा, कूटनीति में साख, विचार और संवाद मायने रखते हैं न कि आकर्षण. नजम सेठी का बयान पाकिस्तान की साख और महिलाओं की गरिमा दोनों को ठेस पहुंचाने वाला है. ऐसे वक्त में जब दुनिया कूटनीति को विचारों और रणनीतियों के आधार पर देखती है, इस तरह की बयानबाजी पाकिस्तान की कमजोरी और निराशा को ही उजागर करती है.

'जगदीश टाइटलर, कमल नाथ और सैम पित्रोदा को कांग्रेस से निष्कासित करें राहुल गांधी:भाजपा

समाज जागरण

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से वरिष्ठ नेताओं जगदीश टाइटलर, कमल नाथ और सैम पित्रोदा को पार्टी से निष्कासित करके 1984 के सिख विरोधी दंगों पर वास्तविक पश्चाताप प्रदर्शित करने का आह्वान किया।

यह मांग 21 अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका में ब्राउन विश्वविद्यालय के वाटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित एक संवादात्मक सत्र के दौरान राहुल द्वारा की गई टिप्पणी के बाद की गई। 1984

के दंगों और सिख समुदाय के साथ कांग्रेस के संबंधों पर एक सवाल का जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि पार्टी ने उस समय "बहुत सारी गलतियाँ" की थीं जब वह राजनीति में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह "हर उस चीज की ज़िम्मेदारी लेने में बहुत खुश हैं जो उसने गलत की है।" इन टिप्पणियों का हवाला देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, "अगर उन्होंने वास्तव में वही कहा जो उन्होंने कहा और 1984 के सिख विरोधी दंगों की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, तो उन्हें जगदीश टाइटलर, कमल नाथ को कांग्रेस से निकाल देना चाहिए। उन्हें सैम पित्रोदा को भी निकाल देना चाहिए, जिन्होंने दंगों के बारे में कहा था कि 'हुआ तो हुआ'।"

पहलगाम के बाद भारत के सामने चीन का सवाल

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चीन की प्रतिक्रिया उसके हितों के अनुरूप विकसित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने वैश्विक नेताओं को जानकारी देते हुए कूटनीतिक हमले शुरू कर दिए हैं। नई दिल्ली ने विश्व की राय को एकजुट करना शुरू कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि उसके पास पहलगाम के अपराधियों के इस्लामाबाद से जुड़े खुफिया जानकारी है।

बीजिंग-इस्लामाबाद गठजोड़ की धारणाओं को दूर करने के लिए, भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने हमले के एक दिन बाद

बिना किसी पक्ष का नाम लिए, शुरू में अपनी संवेदनाएं ट्वीट कीं और "आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करने" का आग्रह किया। लेकिन यह महसूस करते हुए कि पाकिस्तान अलग-थलग पड़ सकता है, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 27 अप्रैल को अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार से बात की और पाकिस्तान को "हर मौसम में" रणनीतिक सहयोगी साझेदार करार दिया।

इस्लामाबाद ने कहा है कि वह मामले की पारदर्शी जांच का स्वागत करता है, जिस पर बीजिंग ने भी सहमति जताई है। जब मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पास पहुंचा, तो पाकिस्तान को इस घटना को कमजोर करने के लिए चीन से मदद मिली। यूएनएससी के बयान में कहा गया कि हत्याओं के लिए ज़िम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, और सभी संबंधित अधिकारियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए दबाव डालने का संकल्प लिया गया। यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद यूएनएससी की स्थिति से एक महत्वपूर्ण विचलन है, जिसमें भारत सरकार और संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ सहयोग की मांग की गई थी।

'वे आतंकवादियों से कैसे अलग हैं?'

शिवसेना यूबीटी सांसद ने पहलगाम में मारे गए व्यक्ति की पत्नी को ट्रोल किए जाने की निंदा की, वैष्णव से सवाल किए

शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए नौसेना कर्मियों की पत्नी के साथ कथित ऑनलाइन दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने इस मामले पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की "चुप्पी" के लिए भी आलोचना की। हरियाणा के करनाल के रहने वाले भारतीय नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों में शामिल थे।

नोएडा। भूखा गौवंश प्लास्टिक कचरा खाने को मजबूर।

नोएडा समाज जागरण डेस्क

नोएडा 04 मई 2025। सरकार के लाख दावे और वादे के बावजूद गौवंश आज भी कचरा खाने को मजबूर है। न तो गौवंश के लिए कोई उचित व्यवस्था की गई नही तो लाख कोशिशों के बाद शहर से पॉलिथिन पर ही रोक लगाई गई है। कचरे मे शामिल पॉलिथिन सिर्फ गौवंश के लिए खतरना है बल्कि प्राकृतिक वातावरण के लिए भी हानिकारक है।

नोएडा सेक्टर 45 सदरपुर खजूर कॉलोनी की यह तस्वीर जिसमे साफ साफ देखा जा सकता है कि गौवंश कुड़े कचरे से पॉलिथिन

उठाकर खा रहे है। योगी सरकार के आदेश और समाज सेवियों गौ सेवकों के जागरुकता अभियानों के बाद भी गौवंश को अगर कचरे के ढेर से प्लास्टिक्स उठाकर खाना पड़ रहा है तो सवाल यही उठता है कि क्या योगी सरकार के आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित है।

ये कैसी विडंबना है देवताओं को भी मोक्ष प्रदान करने वाली गौ माता स्वयं नोएडा के विभिन्न सेक्टरों और गाँव के बाहर कचरे घरों मे पॉलिथिन खाने को मजबूर है। एक तरफ जहाँ पंचगव्यों की गुणवता के बारे मे समाजसेवी बखान करते है वही दूसरी तरफ गौवंशों की यह हालत देखकर दुख होता है। शहर मे कई संरक्षण केन्द्र बनाए जाने के बाद भी ऐसी तस्वीरों का आना विभाग के लापरवाही को दशार्ता है। या फिर उन गौवंश पालकों की लापरवाही

अगर अरशद मदनी को पाकिस्तान से इतना ही प्यार है, तो वो भारत में क्या कर रहे हैं? मौलाना साजिद रशिदी

दिल्लीः ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने अरशद मदनी के बयान मे कहा है "अगर अरशद मदनी को पाकिस्तान से इतना ही प्यार है, तो वो भारत में क्या कर रहे हैं? उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए...ऐसी स्थिति में जहां युद्ध जैसे हालात हैं, ऐसे बयान दुश्मन को मजबूत करते हैं..."

उन्होंने कहा है, "पाकिस्तान ने जो किया और जो वो हमारे साथ कर रहा था, सरकार ने जो कदम उठाए हैं, वो बहुत कम हैं। अगर हमने पानी रोक दिया तो हमने क्या गुनाह किया? अगर

पाकिस्तान हमारे लोगों को मारता है, तो हम उनका पानी क्यों नहीं रोक सकते?...मैं भी मुसलमान हूं, लेकिन कौन मुसलमान ऐसी बात का समर्थन करेगा जो कुरान के खिलाफ हो?...मैं इस बयान की निंदा करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वो अपना बयान वापस लेंगे।"

इसके साथ ही मौलाना साजिद रशीदी ने कहा है कि यह वही लोग है जिनके पूर्वजों ने मुसलमानों को पाकिस्तान जाने से रोका। इन्ही के पूर्वज मौलाना हुसैन अली मदनी और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने मुसलमानों को कहा था कि मुसलमानों तुम पाकिस्तान जाकर अच्छा नही कर रहे हो। आज ये किस मुंह से पाकिस्तान के हिमायत कर रहे है मै उसका निंदा करता हूँ। बताते चले कि जमियत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा है कि नदिया तो हजारों वर्षों से बह रही है पानी बंद करके क्या होगा।

कौन है ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री अल्बनीज, जीत के लिए थाम लिया भगवा

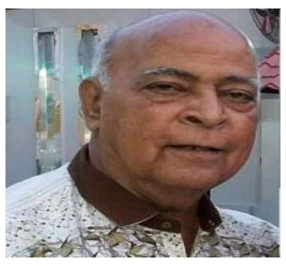

अशोक भाटिया

ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर एंथनी अल्बनीज का जादू चला है। उनकी लेबर पार्टी ने संघीय चुनाव जीत लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। कुछ समय पहले अल्बनीज ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ह्यदुनिया का बॉसह्ल बताया था। अब ऑस्ट्रेलिया की जनता ने उन्हें फिर से बॉस चुन लिया है। इसके साथ ही अल्बनीज 21 सालों में दोबारा चुनाव जीतने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को आम चुनाव में महंगाई और आवास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। इससे पहले डाक मतदान 22 अप्रैल को ही शुरू हो गया था। ऑस्ट्रेलिया उन गिने चुने देशों में शामिल है, जहां मतदान करना अनिवार्य है। साल 2022 में हुए पिछले आम चुनाव में 90 फीसदी मतदान हुआ था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज दूसरा कार्यकाल पाने की कोशिशों में जुटे थे। उनका मुकाबला कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पीटर डटन से था।

ऑस्ट्रेलिया संसद में दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) कहा जाता है। भारत की तरह ही निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसकी 150 सीटों के लिए अभी वोटिंग हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की अच्छी-खासी आबादी है। इस बार चुनाव में भारतीय मूल के 8 लाख मतदाता अपने वोट का इस्तेमाल कर रहे है । भारतीय मूल के वोटर्स को लुभाने के लिए सियासी दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनाई थी । प्रधानमंत्री की पार्टी ने भारतीय छात्रों के लिए वीजा की संख्या बढ़ाने का वादा किया है। इतना ही नहीं, वर्क वीजा बढ़ाने का भी मुद्दा चुनाव में छाया हुआ है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अल्बनीज भारत के साथ संबंधों को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं का वायदा किया था ।

विपक्ष के नेता पीटर डटन अपनी सीट भी नहीं बचा पाए। उन्हें लेबर पार्टी की उम्मीदवार अली फ्रांस ने हरा दिया। चुनाव के नतीजे आने के बाद डटन ने अपनी हार मान ली और अल्बनीज को फोन करके बधाई दी। अगर लेबर पार्टी को बहुमत मिलता है, तो अल्बनीज ही प्रधानमंत्री रहेंगे। वे अपनी पार्टी के नए सदस्यों में से मंत्रियों को चुनेंगे।

अब बात करते हैं एंथनी अल्बनीज की। उन्हें लोग प्यार से ह्यअल्बोह्ल भी कहते हैं। वे 2004 के बाद पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार दो चुनाव जीते हैं। 61 साल के अल्बनीज को कुत्तों से बहुत प्यार है। वे साधारण परिवार से आते हैं और उनका अंदाज काफी सहज रहता है। स्थानीय मीडिया ने भी मान लिया है कि अल्बनीज और उनकी लेबर पार्टी चुनाव जीत गई है। शुरूआती नतीजों से पता चलता है कि लोगों ने लेबर पार्टी को खूब वोट दिया है।

अल्बनीज का बचपन मुश्किलों भरा रहा। उनका जन्म मार्च 1963 में हुआ था। उनकी मां अकेली थीं और उन्हें पेंशन पर गुजारा करना पड़ता था। वे सिडनी में सरकारी घर में रहते थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें बचपन में बताया गया था कि उनके पिता मर चुके हैं। लेकिन किशोरावस्था में उन्हें पता चला कि उनकी मां शादीशुदा आदमी से गर्भवती हुई थीं जो शायद अभी भी जिंदा थे। तीस साल बाद उन्होंने अपने पिता कार्लो अल्बनीज को ढूंढा और उनसे मिलने इटली गए।

लेकिन अल्बनीज मानते हैं कि उनकी मां के साथ बिताए शुरूआती सालों ने उन्हें वह इंसान बनाया जो वे आज हैं। वे अपने परिवार में हाई स्कूल पास करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने सिडनी यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में डिग्री हासिल की। उनका राजनीति से पहला नाता यूनिवर्सिटी में जुड़ा जहां वे छात्र परिषद में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने लेबर पार्टी के मंत्री टॉम उरेन के साथ काम किया और फिर एनएसडब्ल्यू लेबर के सहायक महासचिव बने।

अल्बो को लोग ह्यछोटी-छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान न देने वालाह्ल मानते हैं, जो एक नेता के लिए अच्छी बात है। वे पार्टियों और चुनावी कार्यक्रमों में डीजे अल्बो के नाम से गाने भी बजाते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीवी पर भी वे अक्सर अपने प्यारे कुत्ते टोतो के साथ दिखाई दिए थे । 1996 में अपने 33वें जन्मदिन पर अल्बनीज पहली बार संसद के लिए चुने गए। तब से वे लगातार सांसद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सांसदों में से एक हैं। उन्होंने लगभग 30 साल तक सिडनी की सीट का प्रतिनिधित्व किया है।

2007 में जब लेबर पार्टी सत्ता में आई तो अल्बनीज बड़े मंत्री बने और पार्टी के नेताओं को बदलने में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने केविन रड को हटाकर जूलिया गिलार्ड को प्रधानमंत्री बनवाया और फिर वापस केविन रड को लाए। केविन रड के दूसरे छोटे कार्यकाल में वे उप-प्रधानमंत्री भी रहे। 2013 में उन्होंने विपक्ष के नेता के लिए चुनाव लड़ा।

2019 में जब लेबर पार्टी अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार गई तो उन्होंने निराश पार्टी का नेतृत्व किया। लेकिन अल्बनीज ने हार नहीं मानी और अपना काम जारी रखा। आखिरकार 2022 में उन्होंने देश का सबसे बड़ा पद जीत लिया और लिबरल-नेशनल गठबंधन के दस साल के शासन को खत्म कर दिया।

अल्बनीज जल्दी ही शादी भी करने जा रहे हैं। उनकी मंगेतर का नाम जोडी हेडन है। वह प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए शादी करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री होंगे। उन्होंने पिछले साल ही शादी करने का इरादा जाहिर किया था। बाद में उन्होंने शादी को टालने का ऐलान कर दिया। अल्बनीज ने कुछ समय पहले कहा था कि वे चुनाव के बाद और साल खत्म होने से पहले (2025 में ही) शादी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका फिर से चुना जाना ऑस्ट्रेलियाई जनता का उनके नेतृत्व पर "स्थायी विश्वास" को दशार्ता है। अल्बनीज ने उच्च-स्तरीय राष्ट्रीय चुनाव के बाद अपनी जीत का ऐलान किया है, जिसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अल्बानीज को टैग करते हुए अपने एक्स पोस्ट में कहा, "आपकी शानदार जीत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में पुनर्निर्वाचन के लिए बधाई एंथनी अल्बानीज यह जीत आपके नेतृत्व पर ऑस्ट्रेलियाई जनता के स्थायी विश्वास को दशार्ती है।" प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों इंडो-पैसिफिक लोकतंत्रों के बीच बढ़ती साझेदारी पर भी जोर दिया और अल्बनीज सरकार के साथ क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने कहा, "मैं भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने और इंडो-पैसिफिक में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए साझा रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं।"

मार्च 2023 में अल्बनीज ने भारत का दौरा किया था, जहां उन्होंने और प्रधानमंत्री मोदी ने रणनीतिक साझेदारी के तहत सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। ऑस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, और दोनों नेताओं ने नियमित रूप से लोगों के बीच संबंधों को द्विपक्षीय संबंधों की प्रमुख धुरी के रूप में उजागर किया है। ऑस्ट्रेलिया की राजनीति में 21 सालों में पहली बार है जब सिटिंग प्रधानमंत्री को लगातार दोबारा में सत्ता में आने का मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति में निरंतरता के लिए एक जनादेश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर इंडो-पैसिफिक के लिए इस जीत को भारत बेहतर मान रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी व ऑस्ट्रेलिया की नजदीकी के कारण ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों का सबसे पसंदीदा स्टडी डेस्टिनेशन बन गया है । एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया अब भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय स्टडी डेस्टिनेशन बन गया है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रदाता द्वारा मार्च 2025 में कराए गए सर्वे के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है।ऑस्ट्रेलिया की इस बढ़त का श्रेय उसकी मजबूत वैश्विक रैंकिंग और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते को दिया गया है, जिसने पोस्ट-स्टडी वर्क राइट्स को और आकर्षक बना दिया है। दर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2025 में ऑस्ट्रेलिया की 15 यूनिवर्सिटीज टॉप 200 में शामिल हैं।

सर्वे में शामिल लगभग 6,000 वैश्विक छात्रों में से 1,400 भारतीय छात्र थे। इनमें से 28% भारतीय छात्रों ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी पहली पसंद बताया, जबकि अमेरिका 22% के साथ दूसरे और यूके 21% के साथ तीसरे स्थान पर रहा। कनाडा की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है, जो पिछले वर्ष के 19% से घटकर अब मात्र 13% रह गई है। हालांकि अमेरिका अभी भी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, करियर अवसरों और वीजा नीतियों के चलते मजबूत विकल्प बना हुआ है, लेकिन भारतीय छात्र अब पढाई के खर्च और वित्तीय मदद जैसे कारकों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सर्वे में 66% छात्रों ने खर्च को सबसे बड़ी चिंता बताया, जबकि 47% ने वीजा चुनौतियों, 43% ने हाउसिंग खर्च और 39% ने पार्ट-टाइम नौकरी के साथ पढ़ाई को चुनौतीपूर्ण माना। इसके अलावा, 55% छात्रों ने कहा कि स्कॉलरशिप उपलब्धता से वे अपना डेस्टिनेशन बदल सकते हैं, जबकि 54% ने पार्ट-टाइम वर्क के विकल्प को अहम माना।रिपोर्ट के अनुसार, 77% भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई का मुख्य उद्देश्य बेहतर करियर और आय की संभावनाएं मानते हैं।इन रुझानों के बीच, ऑस्ट्रेलिया की स्टूडेंट-फ्रेंडली नीतियां और शैक्षणिक प्रतिष्ठा उसे भारतीय छात्रों के लिए नई पसंदीदा मंज़िल बना रही हैं। अब यदि प्रधानमंत्री अल्बनीज , जीत के लिए भगवा थाम लिया था तो उन्हें भारतीय वोटरों का महत्त्व भी समझ लिया होगा जो आगे चल कर भारतीय क्षात्रों के लिए लाभ दायी होगा ।

कविता

उठो धरा के वीर सपूतों
अब कुछ तुम आन करो।
शास्त्र ज्ञान को छोड़के
अब तुम शस्त्र अभ्यास आरम्भ
करो....
बन अर्जुन दुश्मन की पहचान करो....
और फिर उन पर वार करो.....
उठो धरा के......

धरती माँ भी चीत्कार करे,
हाय, कैसा दिन ये आया है।
आतंकवाद ने पहलगाम में,
फिर आतंक मचाया है।।
आतंकवाद ये जड़ से उखड़े,
ऐसा कोई तुम उपाय करो।
उठो धरा के.....

सरकार बहादुर है माना,
पर तुम भी फर्ज निभा जाना।
आतंकवाद को जड़ से उखाड़कर,
मिट्टी में मिला जाना...
उठो धरा के......

श्रद्धांजलि सच्ची यही होगी,
देशभक्ति भी यही होगी।
अहिंसा परम धर्म है,
पर धर्म हिंसा तथैव च का,
तुम पाठ सभी को पढ़ा जाना।
उठो धरा के.......

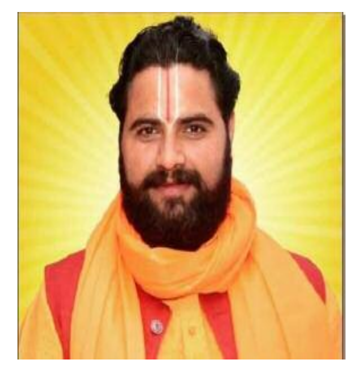

आचार्य ललितेश्वरानंद महाराज

आओ बाँसुरी...!

हमसे क्यों दूर हो आओ बाँसुरी,
अभी होंठों की प्यास हैं अधूरी।

तुम्हारे बगैर हरेक गीत अधूरा है,
गीत नहीं लिखा फिर भी पूरा हैं।

छूने दो सुर-ताल, लय साथ होंगे,
कृष्ण, राधा के आस-पास होंगे।

हमसे क्यों दूर हो आओ बाँसुरी,
अभी होंठों की प्यास हैं अधूरी।

मुझे आज कोई तो गीत गाना है,
सात सुरों से महफि ल सजाना है।

ऐसे न रूठा करो-बोलो मनाना है,
कन्हैया भी तो तुम्हारा दीवाना है।

संजय एम तराणेकर

भूल जाइए पहलगाम, आइए बद्रीधाम

घटनाएं, दुर्घटनाएं भूलने के लिए ज्यादा याद रखने के लिए कम होती हैं. आपको भी सरकार की तरह 22अप्रैल को हुए पहलगाम हत्याकांड को भूलकर अपने काम धंधे पर लग जाना चाहिए. किसी हादसे से दुनिया रुक नहीं जाती. हिरोशिमा नागासाकी से पहलगाम हत्याकाके बीच दुर्दिनों की लंबी फेहरिश्त है. किस किस को याद कीजिए, किस किस को रोइए,,,,

अब देखिए न चारधाम में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। पूरा मंदिर फूलों से सजाया गया है। इस मौके पर मंदिर पर फूलों की वर्षा की गई। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और भगवान बद्रीविशाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। बद्रीनाथ मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और इसे हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। बता दें कि गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ के कपाट पहले ही खुल चुके हैं। चार धाम की यात्रा शुरू हो चुकी है।किसी को फुर्सत नहीं सरकार से सवाल करने की?

राजनीतिक दल अपना काम कर रहे हैं, कारोबारी अपना कारोबार कर रहे हैं. रो सिर्फ वे लोग रहे हैं जिनके परिजन मारे गए हैं. हमारे बुंदेलखंड में कहावत हैकि जिसका मरता है वही रोता है. दूसरा तो रोने का दिखावा करता है. ध्रुवीकरण चालू आहे. महाराष्ट्र देश का सबसे महत्वपूर्ण सूबा है. यहाँ भी ध्रुवीकरण जारी है.उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने शनिवार को राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से गठबंधन के संकेत दिए है। पार्टी ने एक्स पर लिखा- मुंबई और महाराष्ट्र के हित के लिए एकजुट होने का समय आ गया है। पार्टी कार्यकर्ता मराठी गौरव की रक्षा के लिए तैयार हैं।

इससे पहले 19 अप्रैल को राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई उद्धव से गठबंधन पर कहा था कि, 'उद्धव से राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं। महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है।' राज ठाकरे ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर के यू-ट्यूब चैनल पर यह बात कही थी। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा था कि वह छोटी-मोटी लड़ाइयां छोड़कर आगे बढ़ने को तैयार हैं। बशर्ते महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को बर्दाश्त न किया जाए।

मैने कहा देश, दुनिया किसी के लिए रुकती नहीं है. कहाँ रुकती है? मप्र में सरकार नहीं रूक रही. एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार 5 हजखर करोड का ऋण लेने जा रही है. कर्ज का घी, कंबल ओढकर पी. कर्ज हर सरकार की मजबूरी है. केंद्र सरकार भी जनता के लिए बार बार कर्जदार बनती है और राज्य सरकार भी. दैनों जनता की साख पर कर्ज लेती है. हमारे यहाँ तो ऋण कहा जाता है. हम पितृ ऋण अदा करते हैं. सरकार का कोई पिता नही होता, जनता जनार्दन होती है.उसी के लिए सरकार को कर्जदार होना पडता है.

पहलगाम हत्याकांड का मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे की शादी पर कोई असर नहीं पडा. उनके अंगने में जैकलिन को नाचना था सो नाची. असली और खानदानी ज्योतिरादित्य सिंधिया के पापा भी ये सब इंतजाम नहीं कर पाए थे. तोमर ने कुछ वर्ष पहले अपने पिता के मृत्युभोज में मात्र एक बोरी शक्कर गलवाकर आदर्श प्रस्तुत किया था. तब मैने संपादकीय लिखकर उसे सराहा था. लेकिन आज मै मेला मैदान में शाही शादी की दावत पर गूंगा हूँ. कुछ नहीं लिख पा रहा. किसी की खुशियों पर टिप्पणी करना पत्रकारिता नहीं है. हालांकि मैने स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की बेटी चित्रांगदा और बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया की शाही शादी में फिजूलखर्ची और सरका संसाधनों के दुरुपयोग पर खूब लिखा था.दुरुपयोग आज भी हो रहा है, बल्कि ज्यादा हो रहा है. पूरा शहर हलकान है युवराज के लिए आयोजित दावत ए वलीमा में उमडने वाली आम और खास भीड की वजह से. सब जानते हैं कि मै बिना राग, द्वेष के लिखता रहा हूं. आगे भी लिखता रहूँगा, क्योंकि मुझे अपने सिवा किसी और से डर नहीं लगता. डरने वाली जमात अलग है. ये जमात भी पहलगाम को भूलकर नाज रही है, अभिनंदन कर रही है. पुलिस कप्तान से पिट रही है.पिट तो जनता भी रही है, लेकिन बचाने वाला कोई नहीं है.जागते रहो!

@राकेश अचल

जाति जनगणना एक खराब विचार है

जब सरकार के पास देने के लिए नौकरियां ही नहीं हैं तो आप बढ़े हुए आरक्षण का क्या करेंगे?

जाति जनगणना को बुरा करार देने की एक वजह यह भी है कि अब तक राहुल गांधी के सिवा कोई भी यह नहीं बता सका है कि जाति के आंकड़ों का क्या होगा। नरेंद्र मोदी सरकार की जाति जनगणना कराने की घोषणा के बारे में एक अच्छी बात हम यह कह सकते हैं कि आखिरकार, पांच साल की देरी के बाद 2021 में होने वाली जनगणना अब होगी। वर्ष 1881 में शुरूआत के बाद से दशकीय जनगणना कभी भी इतनी देरी से नहीं हुई और न ही उसे निरस्त किया गया। यहां तक कि 1941 में दूसरे विश्वयुद्ध के समय भी इसे रोका नहीं गया। इसके अलावा यह एक दिक्कतदेह कवायद है। यह चुनावों को ध्यान में रखकर की गई घोषणा है। बिहार चुनाव करीब हैं और जनगणना को उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों से ऐन पहले कराया जा सकता है। जाति के आंकड़े यकीनी तौर पर 2029 के राष्ट्रीय चुनाव में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। समस्या इसी बात में निहित है। यही इस तथ्य को भी रेखांकित करता है कि आखिर क्यों जाति जनगणना हमारे सामान्य ह्यकोई भी बुरे विचार को रोक नहीं सकताह्ल वाले क्षणों में से एक है।

हम इसे बुरा विचार क्यों कह रहे हैं? अधिकांश संपादकीयों में इसका स्वागत किया गया। मेरे संस्थान द प्रिंट ने भी इसका स्वागत किया बशर्ते कि यह केवल जनगणना और आंकड़े पेश करे। सत्ताधारी दल इसे विभाजनकारी, विनाशकारी और खतरनाक बताता रहा है। मोदी इसे अर्बन नक्सल्स का विचार करार दे चुके हैं लेकिन अब उनके समर्थकों को इसे मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक करार देना पड़ेगा। विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने भी यह कहते हुए इसका स्वागत किया है कि मोदी ने उसका विचार चुरा लिया है। तो आखिर दिक्कत क्या है? असली समस्या आंकड़ों में या इस बात में निहित है कि इनका क्या किया जाएगा? संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने देश की आबादी की जाति के आंकड़े एकत्रित किए लेकिन उनका कुछ किया नहीं। उसने इन्हें सार्वजनिक भी नहीं किया। भाजपा के पास ये आंकड़े 11 साल से हैं और उसने भी चुप्पी साधे रखी। उसने जस्टिस रोहिणी आयोग का गठन किया ताकि पता लगा सके कि इन आंकड़ों का क्या किया जा सकता है और ओबीसी को कैसे लाभ पहुंचाया जा सकता है। इसे एक गहरे राष्ट्रीय रहस्य की तरह दफना दिया गया। अब नई जनगणना सामने है और तथ्य यह है कि 2011 की जनगणना से 14 साल तक जाति के आंकड़ों को रेडियोधर्मी और परमाणु सामग्री के रूप में देखा जाता रहा है। नई जनगणना से भी कोई सुखद बात सामने नहीं आने वाली।

हालांकि यह वह वजह नहीं कि हम इसे ऐसा बुरा विचार बता रहे हैं जिसका वक्त आ चुका है। हम अपनी बात को बुरे विचार से संबंधित तीन नियमों के आधार पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला नियम यह है कि एक बुरे विचार को अपनाने के बाद फिर ऐसे विचारों की झड़ी लग जाती है। दूसरा, हर व्यक्ति उसे और बुरा बनाता जाता है और तीसरा, जिस व्यक्ति ने सबसे पहले उक्त बुरा विचार दिया था, उसमें उस विचार को पलटने का न तो साहस होता है और न ही राजनीतिक ताकत। मैं आपको दर्जनों उदाहरण दे सकता हूं लेकिन यहां बात करते हैं केवल एक का यानी 1969 में इंदिरा गांधी द्वारा बैंकों के राष्ट्रीयकरण का।

हम इसे बुरा विचार इसलिए कह रहे हैं क्योंकि राहुल गांधी के सिवा किसी को नहीं पता है कि आंकड़ों का क्या करना है। और उन्होंने सीधे तौर पर राम मनोहर लोहिया से यह विचार उठा लिया है। आप निश्चिंत होकर कह सकते हैं कि अब राहुल गांधी मोदी के हाथ से कमान छीनकर संविधान संशोधन की मांग करेंगे ताकि आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को बढ़ाया जा सके। यह होकर रहेगा।

अगला? जब सरकार के पास देने के लिए नौकरियां ही नहीं हैं तो आप बढ़े हुए आरक्षण का क्या करेंगे? आज की ताजा खबर यह है कि रेलवे की 36,000 नौकरियों के लिए1.5 करोड़ लोगों ने आवेदन किया है और ऐसी खबरें रोज आ रही हैं। युवा भारतीयों के सामने समस्या कम आरक्षण की नहीं बल्कि सरकारी नौकरियों की कमी की है।

तीसरे सबसे बुरे विचार के लिए मेरी प्रतीक्षा मत कीजिए। पुराने लोहियावादी समाजवाद को मानने वाले ढेर सारे लोग उसका उल्लेख कर चुके हैं और संप्रग भी। राहुल गांधी और कांग्रेस ने भी इसका जिक्र किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का प्रस्ताव पढ़िए। वह निजी क्षेत्र में आरक्षण की बात करती है। यह आपके अनुमान से जल्दी घटित होगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

धर्म कर्म करने वाला परेशान और पाप कर्म करने वाला मस्त क्यों रहता है?

पंडित राजेश अग्निहोत्री भागवताचार्य।

समाज के लोग अधिकांश ये प्रश्न करते हैं कि अच्छे कर्म करने वाला अधिकतर परेशान क्यों रहता है? और पाप कर्म, अधर्म करने वाले को दण्ड क्यों नहीं मिलता है।देखो भैया हर व्यक्ति को अपने कर्म को भोगना निश्चित है।इस बात के लिए इस तरह से समझो। अच्छे कर्म करने वाले को यह देखना होगा कि प्रकृति में पौधे कई प्रकार के होते हैं।एक प्रकार के वो पौधे हैं जो दो से तीन महीने के अन्दर फल दे देते हैं जैसे ककड़ी तरबूज खरबूजा आदि। दूसरे प्रकार के वो पौधे होते हैं जो पांच से छः महीने के अन्दर फल देते हैं जैसे गेहूं,चना सरसों आदि। तीसरे प्रकार के वो पौधे होते हैं जो एक वर्ष में तैयार होते हैं जैसे अरहर की दाल और गन्ना। चौथे प्रकार के वो पौधे होते हैं जो तीन से चार वर्ष में फल देते हैं जैसे आम आदि। पांचवें प्रकार का कटहल का पौधा है जिसमें पांच से छः वर्ष बाद में फल आता है।अब यहां समझने की बात यह है कि इन सभी पौधों के फलों में विशेषता यह है ककड़ी तरबूज गेहूं चना अरहर आदि से फल शीघ्र तो मिल गया परन्तु टिकाऊ नहीं था इनको यदि दुबारा प्राप्त करना चाहें तो दुबारा बोना पड़ेगा। परन्तु वहीं दूसरी ओर आम और कटहल के पौधों से फल तो देरी से मिलता है परन्तु अधिक वर्षों तक फल मिलता रहता है बार बार बोने की आवश्यकता नहीं है। ठीक इसी प्रकार हम धर्म कर्म या अच्छे कर्म जो करते हैं हो सकता है उसका फल मिलने में देरी लगे लेकिन मिलेगा अवश्य। और जो फल मिलेगा अधिक समय तक टिकाऊ रहने वाला होगा। इसलिए धर्म कर्म या अच्छे कर्म करने वाले को कभी निराश नहीं होना चाहिए।फल निश्चित मिलेगा और आपको ही नहीं आपकी सात पीढ़ी तक मिलेगा क्योंकि धर्म कर्म की जड़ बहुत गहरी होती है।जिस प्रकार आम का पौधा जो आपके पिताजी ने लगाया था उसके फल आपके पिताजी ने खायें,आप खा रहे हो और आपकी संतान भी खायेगी। इसके दूसरे भाग पर कल चर्चा करेंगे। सम्पर्क सूत्र -9760478742

सम्पर्क सूत्र- 9760478742

श्रीमदभगवद कथा करवाने के लिए संपर्क करे।

बेसहारा अनाथ विधवा महिला को क्षेत्रीय पार्षद नरोत्तम कुमार व उनके साथी द्वारा गलत नियत के चलते प्रताड़ित करने का महिला ने लगाया गंभीर आरोप।

वार्ड 26 के पार्षद नरोत्तम कुमार की दबंगई का सच क्षेत्र की जनता में चर्चा का विषय बना है।

कानपुर विशेष संवाददाता। अभद्रता से बातचीत करके, अश्लील एवं गंदे इशारे करते हैं, महाराजपुर विघानसभा व उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के चहेते वार्ड 26 के पार्षद नरोत्तम कुमार की दबंगई का सच क्षेत्र की जनता में चर्चा का विषय बना है। बेसहारा अनाथ पीड़ित विधवा महिला आरती तिवारी जो कि पानी पाउच, मसाला की छोटी सी दुकान, दुकान लगा कर अपने व अपने बच्चे का पेट पाल रही थी। महिला

पीड़िता आरती तिवारी

आरती तिवारी ने अपने बयान में कहा कि पार्षद हमारे चरित्र से खेलने के लिए रात में बुलाते हैं। पार्षद व पार्षद के गुंडे पंकज निगम, मुकेश यादव, जयकरन निषाद आदि लोग दुकान पर आते हैं, वह दुकान में रखा सामान खा लेते हैं, जब रुपये मांगने लगे तो अभद्रता से बातचीत करते हैं। वह अश्लील बातें करके रात में बुलाते हैं, वह अक्सर दुकान पर आकर अश्लील बातें किया करते हैं। जो कि अवैध टेम्पो स्टैंड, अवैध ठेलो से वसूली, आदि कार्य करते हैं। पीड़ित महिला ने चकेरी थाने में लिखित शिकायत करके कारवाई की मांग किया। इस बाबत पार्षद नरोत्तम कुमार से बातचीत करने की कोशिश किया लेकिन बातचीत न हो सकी।

नेपाल सीमा के समीपवर्ती जनपदों में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी

सीएम योगी के निर्देश पर चल रहा व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान, अवैध धार्मिक संस्थानों पर भी सख्ती

लखनऊ, 4 मईः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई रविवार को भी जारी रहा। रविवार को भी पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और लखीमपुर खीरी में स्थानीय जनपद व पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया। श्रावस्ती में शासकीय भूमि पर बने अवैध मदरसे व ईदगाह पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

श्रावस्ती में शासकीय भूमि पर अवैध मदरसों-ईदगाह पर हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि शासकीय भूमि पर बने अवैध व बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। इनमें जमुनहा तहसील के मदरसा रिजविया गौसिया उलूम खलीफतपुर, मदरसा दारूल उलूम गरीब नवाज रजा ए मुस्तफा इमलिया करनपुर, मदरसा इस्लामिया अरबिया तलिमुल कुरआन कुंडा पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। वहीं भिनगा तहसील के मदरसा दारूल उलूम अहले सुन्नत गौसे आजम बन्ठिहवा, तहसील इकौना के मदरसा इस्लामिया चिन्तयो गरीब नवाज अलीनगर के साथ ही अवैध ईदगाह खांवापोखर पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई।

सिद्धार्थनगर में 21 कब्जे पर कार्रवाई

सिद्धार्थनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) व अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 धार्मिक स्थलों पर अवैध अतिक्रमण पाया गया। इसमें 4 मस्जिद व 17 अवैध मदरसे हैं। जिला प्रशासन ने 19 अतिक्रमण पर नोटिस जारी की है, जबकि दो मदरसों का अतिक्रमण हटा दिया गया है।

बलरामपुर में अब तक चिह्नित किए गए 39 अवैध स्थल
बलरामपुर के अपर जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि अबतक 39 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 24 को सील किया गया है। सार्वजनिक भूमि पर 19 अतिक्रमण चिह्नित किए गए, जिसमें से सात से अतिक्रमण हटा दिया गया। शेष 12 में से छह को नोटिस दी गई है, इसकी अवधि पूरा होने पर कार्रवाई होगी। वहीं छह अन्य सार्वजनिक भूमि में से चार पर वन विभाग व दो पर लोक निर्माण विभाग कार्रवाई करेगा।

पीलीभीत में नोटिस जारी

पीलीभीत जिला प्रशासन ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर बने एक मस्जिद को रविवार को चिह्नित किया गया। इसे नोटिस देकर 15 दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। इसके उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

लखीमपुर खीरी में भी हुई कार्रवाई

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि दो दिन के भीतर यहां सार्वजनिक भूमि पर तीन अवैध अतिक्रमण चिह्नित किए गए। रविवार को एक अवैध मजार भी चिह्नित की गई। प्रशासन व पुलिस ने यहां से एक मस्जिद, एक मजार व दो ईदगाह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। इसमें से एक ईदगाह को सील भी किया गया है।

बहराइच में भी चला चाबुक

बहराइच डीएम व एसपी के मुताबिक इंडो नेपाल बार्डर के 10 किमी. के मध्य सरकारी भूमि पर 158 अतिक्रमण से कब्जा हटा दिया गया है। रविवार को जिले में एक अवैध ईदगाह से अतिक्रमण हटाया गया। कुल 24 स्थलों पर अतिक्रमण चिह्नित कर कार्रवाई की गई। 10 मदरसों को सील व तीन को हटाया गया है।

सीएम योगी के 'समुदाय' ने बदली ग्रामीण विकास की तस्वीर, गांव कर रहे शहरों को फेल

लखनऊ, 4 मईः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसहभागिता से उत्तर प्रदेश के ग्रामीणों क्षेत्रों की लगातार तस्वीर बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के जिन गांवों में कभी लोग जाने से कतराते थे, आज सीएम योगी के मार्गदर्शन में पिछले आठ वर्षों में इन गांवों की तस्वीर पूरी तरह से बदल गयी है। उत्तर प्रदेश के गांव विकास के मॉडल के रूप में उभरकर सामने आए हैं। सीएम योगी के प्रयासों का असर है कि आज यह गांव शहरों को मात दे रहे हैं। सीएम योगी के नेतृत्व और सरकार की सक्रिय सहभागिता से हरदोई में शुरू हुआ समुदाय कार्यक्रम, आज पूरे प्रदेश के लिए मॉडल बन चुका है। अब इस समुदाय मॉडल को पूरे प्रदेश में विस्तारित करने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। इसके तहत समुदाय कार्यक्रम को अगले पांच वर्षों के लिए विस्तारित किया गया है।

समुदाय ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण और जल-स्वच्छता के क्षेत्रों में ग्रामीण जीवन को बनाया सशक्त

हरदाई जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसहभागिता से उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदलने के लिए प्रयासरत हैं। उनका यह प्रयास रंग ला रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में हरदोई के ग्रामीण इलाकों में एचसीएल फाउंडेशन की ओर से समुदाय कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सीएम योगी की दूरदर्शी सोच और शासन की भागीदारी से समुदाय कार्यक्रम ने न केवल हरदोई के ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदली है, बल्कि ग्रामीण विकास मॉडल बन चुका है। डीएम मंगला प्रसाद ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला रखी है। इसे ही ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने अगले पांच वर्षों के लिए समुदाय को विस्तार दिया है। इसे अब उत्तर प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समुदाय के तहत कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण और जल-स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समुदाय की शुरूआत हरदोई के महज 10 ग्राम पंचायतों और 25 हजार लोगों से हुई थी, जो आज 11 ब्लॉकों की 524 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित हो चुकी है और 29 लाख से अधिक ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचा रही है।

एक देश - एक चुनाव लोकतंत्र की दिशा में एक निर्णायक कदम : सुनील बंसल

नोएडाः एक देश, एक चुनाव की अवधारणा लोकतंत्र को अधिक व्यावहारिक और व्यय-कुशल बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। बशर्ते इसके कार्यान्वयन की योजना व्यापक विचार-विमर्श और सर्वसम्मति से की जाए। यह बातें रविवार को नोएडा के सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषयक प्रबुद्ध समागम में वर्तमान में 'एक देश, एक चुनाव' के राष्ट्रीय संयोजक और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहीं। यह बातें रविवार को नोएडा के सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषयक प्रबुद्ध समागम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के राष्ट्रीय संयोजक सुनील बंसल ने कहीं। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. डी.के. गुप्ता (ह्रैंर्ल्ल, फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा) थे और संयोजक की भूमिका में पूर्व बार एसोसिएशन गौतम बुद्ध नगर के अध्यक्ष कालू राम चौधरी उपस्थित रहे।

सुनील बंसल ने कहा कि बार-बार के चुनाव से देश का विकास और जनकल्याण की योजनाएं बाधित होती हैं। विगत 30 सालों से देखें तो कोई ऐसा वर्ष नहीं रहा जिसमें किसी एक राज्य का चुनाव संपन्न नहीं हुआ हो। अनियंत्रित तरीके से होने वाले यह चुनाव देश की प्रगति में स्पीड ब्रेकर का काम करते हैं। हमें एक साथ चुनाव की प्रक्रिया अपनाकर, ऐसे गतिरोधकों को उखाड़ना है। इस सुधार को अपनाकर, देश के राजनीतिक एजेंडा में बड़ा बदलाव आएगा। क्योंकि चुनाव, विकास के मुद्दे पर होंगे और पांच साल में एक बार चुनाव होने से राजनेताओं की जवाबदेही बढ़ेगी। यह कोई नया विचार नहीं है बल्कि 1952 से लेकर 1967 तक चार चुनाव देश में इसी प्रक्रिया से संपन्न हुए हैं।

सरकार की ओर से तैयार इस विधेयक के सभी पहलुओं पर गहन विचार विमर्श के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से इस प्रस्ताव पर सुझाव मांगे, जिसमें 47 दलों ने अपनी प्रतिक्रिया दी, 32 दलों ने समकालिक चुनाव के पक्ष और 15 ने इसका विरोध में राय दी। चुनावी खर्च की ही बात करें तो एक अनुमान के मुताबिक केवल 2024 के लोकसभा चुनावों में ही एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए, जो देश के वित्तीय संसाधनों पर एक बड़ी लागत को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, एक रिपोर्ट के अनुसार यदि 2024 में देश में एकसाथ चुनाव हुए होते तो यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि कर सकता था, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.5 लाख करोड़ रुपये जितना होता। ऐसा होने से एक ही बार में अधिकांश लोगों के चुनाव लड़ने से लोगों को अवसर मिलेगा।

परिवारवादी पार्टियों को इससे दिक्कत हो सकती है लेकिन पांच साल में एक बार मतदान से वोट की ताकत बढ़ेगी। शासन प्रशासन में गुड गवर्नेंस को बढ़ावा मिलेगा। चुनावों के दौरान होने वाले प्रचार से वायु और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। बड़ी मात्रा में पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री का उपयोग होता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। एक साथ चुनाव होने से इस प्रदूषण में भी कमी आएगी। बार-बार चुनावों से न केवल सरकारी तंत्र बल्कि आम जनता का भी समय और ऊर्जा खर्च होती है। एक साथ चुनाव कराने से लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बार-बार अपने काम से छुट्टी नहीं लेनी पड़ेगी।

एक साथ होने वाले चुनाव दिला सकते हैं अधिक खर्च और समय से मुक्तिः सुनील बंसल जी ने बताया कि एक देश एक चुनाव की धारणा नई नहीं है। क्योंकि आजादी के बाद वर्ष 1950 में देश गणतंत्र बना। वर्ष 1951-52 से 1967 के बीच लोकसभा के साथ ही राज्यों के विधानसभा चुनाव पांच वर्ष में होते रहे थे। अब भारत में कुल 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। जिनमें से अधिकांश की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग अलग समय पर समाप्त होता है। ऐसे में देश में लगभग हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार पिछले एक दशक में लगभग हर साल औसतन 5 से 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं। जबकि लोकसभा चुनाव हर पांच वर्ष में एक बार होते हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव अक्सर असमय भंग होने, राष्ट्रपति शासन या विभिन्न कारणों से समय से पहले भी हो जाते हैं। भारत में करीब 99 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों पर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

वन नेशन वन इलेक्शन से इस खर्च में 30-35% तक की कमी आएगी। इसी तरह राज्य विधानसभा चुनावों में भी प्रति राज्य औसतन 5000 से 10,000 करोड़ तक खर्च होता है। अगर सारे चुनाव एक साथ हों, तो चुनाव आयोग सरकार और राजनीतिक दलों के खर्चों में भारी कमी आएगी। भारत सरकार और चुनाव आयोग बार-बार चुनावों में हजारों करोड़ रुपये खर्च करते हैं। एक साथ चुनाव से यह खर्च लगभग 30झ 40% तक कम हो सकता है। 20झ25 हजार करोड़ की बचत हर पांच साल में हो सकेगी।
सभी चुनाव एक साथ होने पर भारत की राष्ट्रीय रियल जीडीपी ग्रोथ 1.5 प्रतिशत बढ़ सकती है। जीडीपी का 1.5 प्रतिशत वित्त वर्ष 2023-24 में 4.5 लाख करोड़ रुपये के बराबर था। यह रकम भारत के स्वास्थ्य पर कुल सार्वजनिक खर्च का आधा और शिक्षा पर खर्च का एक तिहाई है। सभी चुनाव एक साथ होने से जीडीपी के लिए नेशनल ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन (निवेश) का अनुपात करीब 0.5 प्रतिशत बढ़ सकता है। एक साथ चुनाव होने और अलग अलग चुनाव होने दोनों परिदृश्य में महंगाई दर 1.1 प्रतिशत तक कम हो सकती है। वर्तमान में अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि एक साथ चुनाव कराए जाते हैं। इसी तरह एक मतदान केंद्र पर औसतन 5 कर्मियों की जरूरत होती है। इस हिसाब से अगर 10.5 लाख केंद्र बने तो 5 कर्मी के हिसाब से 55 लाख मतदान कर्मी। एक सामान्य लोकसभा चुनाव में लगभग 10झ12 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती होती है। अगर सभी राज्य विधानसभाओं के साथ चुनाव होंगे, तो यह 20झ25 लाख सुरक्षा बलों की जरूरत होगी। एक देश एक चुनाव में काफी बड़ी संख्या में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) की जरूरत पड़ेगी। भारत में एक पोलिंग बूथ पर औसतन मतदाता लगभग 1,000 से 1,200 तक होते हैं। ऐसे में लोकसभा और विधानसभा को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक बूथ बनाने होंगे। अब, अगर हर बूथ पर एक एक बैलेट, एक कंट्रोल यूनिट और एक मतदाता सत्यापन योग्य कागजी ऑडिट ट्रेल मेंटेन (वीवीपैट) की जरूरत होगी। ऐसे में एक देश, एक चुनाव के लिए 20 लाख से अधिक ईवीएम सेट की आवश्यकता होगी।

सुनील बंसल ने बताया कि हर चुनाव के दौरान लाखों सरकारी कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाता है। जिससे उनके नियमित काम प्रभावित होते हैं। एक साथ चुनाव होने से यह समस्या एक बार में ही हल हो जाएगी और प्रशासनिक मशीनरी सुचारू रूप से काम कर सकेगी। बार-बार आचार संहिता लागू होने के कारण विकास कार्य रुकते हैं। एक ही समय पर सभी चुनाव होने से सरकार के पास निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए पांच साल का स्पष्ट समय होगा। इससे परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकेंगी और जनता को जल्द लाभ मिल सकेगा। लगातार होने वाले चुनावों से राजनीतिक दलों का ध्यान हमेशा चुनावी राजनीति पर केंद्रित रहता है। एक साथ चुनाव होने से सरकार और विपक्ष दोनों को देश की समस्याओं पर गंभीरता से काम करने का अवसर मिलेगा।

इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर, पूर्व परिवहन मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया, विधायक नोएडा एवं भाजपा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष पंकज सिंह, विधायक दादरी तेजपाल नागर, विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, पूर्व विधायक एवं मंत्री नवाब सिंह नागर, हरीश चंद भाटी, श्रीमती विमला बॉथम जी, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम में इन संस्थाओं की रही भागीदारीः

इस कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्षगण, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता, फोनरवा (फेडरेशन ऑफ नोएडा रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन), डीडीआरडब्ल्यूए, नोएडा एंप्लॉयी एसोसिएशन, भारतीय चिकित्सा संघ, फिक्की, एसोचैम, लोकमंच, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, समाजसेवी संस्था आकांक्षा, पंजाबी क्लब, व्यापार मंडल, दिल्ली-एनसीआर, अग्रवाल मित्र मंडल, युगा व्यापार मंडल, श्री रामलीला मित्र मंडल, दैनिक जागरण, जीएनआईओटी समूह, संभावी महामुद्रा समाज समिति / पोरवाल समाज समिति, शाहू समाज, माहेश्वरी समाज, माथुर समाज, राजस्थान कल्याण परिषद, चौसैनी समाज, वर्मा समाज, सूरी समाज, नोएडा वैश्य केंद्र, केसरवानी समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रोमिथेस स्कूल, इंफोसिस, श्री राम ग्लोबल स्कूल, आर.डी. पब्लिक स्कूल, आनंदिता हेल्थकेयर सेक्टर-80, रोटरी क्लब्स, दादरी रोटरी क्लब, दिल्ली अचीवर्स उत्तर प्रदेश रोटरी क्लब,दिल्ली रिवरसाइड रोटरी क्लब, नोएडा सेंट्रल उत्तर प्रदेश रोटरी क्लब, नोएडा सिटी उत्तर प्रदेश रोटरी क्लब, नोएडा एलीगेंस रोटरी क्लब, नोएडा उत्तर प्रदेश रोटरी क्लब, ग्रेटर नोएडा रोटरी क्लब संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पाकिस्तान से वस्तुओं के आयात/परिवहन पर रोक के निर्णय का कैट ने किया स्वागत

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान से निर्यातित या पाकिस्तान में उत्पन्न किसी भी वस्तु के प्रत्यक्ष या परोक्ष आयात और परिवहन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के साहसी और निर्णायक कदम का हार्दिक स्वागत किया है। यह निर्णय एक सशक्त और स्पष्ट संदेश देता है कि पाकिस्तान की ओर से निरंतर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों और भारत विरोधी रुख के बीच व्यापारिक एवं आर्थिक संबंध नहीं बनाए जा सकतेह्व झ यह कहना है कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल का।
श्री खंडेलवाल ने कहा कि यह कदम न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के अनुरूप है, बल्कि देश के व्यापारिक समुदाय और आम नागरिकों की भावना का भी सम्मान करता है, जो लंबे समय से आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पाकिस्तान से वस्तुओं के व्यापार और परिवहन पर रोक लगाकर सरकार ने राष्ट्रीय संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर दी है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी. सी. भरतिया ने देशभर के व्यापारियों से अपील की है कि वे इस नीति का पूर्ण समर्थन और अनुपालन करें और यह सुनिश्चित करें कि पाकिस्तान से कोई भी वस्तु प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सके। उअक्ळ पुनः यह दोहराता है कि वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देशहित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय निमार्ता एवं स्वदेशी वस्तुओं के व्यापार में होगी बढ़ोतरी

कैट मध्य प्रदेश एवं जबलपुर के व्यापारिक नेताओं ने भी यह आह्वान किया है कि भारतीय निमार्ता और उद्यमी इस अवसर का लाभ उठाते हुए घरेलू उत्पादन को सशक्त करें, और उन वस्तुओं का स्वदेशी विकल्प विकसित करें, जो पहले पाकिस्तान से आयात की जाती थीं, ताकि देश के उद्योग को बढ़ावा मिले और रोजगार के नए अवसर सृजित हों।

कानपुर और आगरा मेट्रो के पहले कॉरीडोर का निर्माण दिसंबर तक होगा कंप्लीट

सीएम योगी के मार्गदर्शन में कानपुर और आगरा मेट्रो के पहले कॉरिडोर साल के अंत तक हो जाएंगे पूरे

कानपुर सेंट्रल से मोती झील तक के अण्डर ग्राउंड सेक्शन का निर्माण कार्य पूर्ण, कॉरिडोर-2 दिसंबर 2026 तक होगा कंप्लीट

कानपुर मेट्रो के कॉरीडोर -1 का 70 फीसदी से ज्यादा काम पूरा, शेष कार्य दिसंबर माह तक होगा पूर्ण

आगरा मेट्रो के कॉरीडोर -1का निर्माण 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है पूरा, कारिडोर-2 का दिसंबर 2026 में पूरा होने का लक्ष्य

04 मई, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना कानपुर और आगरा मेट्रो रेल का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। दोनों मेट्रो रेल परियोजनाओं के कॉरिडोर-1 का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा जाएगा। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के कानपुर सेंट्रल से मोती झील तक 6.7 किलोमीटर तक का अंडरग्राउड खण्ड पूरी तरह तैयार हो चुका है। कॉरिडोर-1 का शेष भाग भी सत्तर फीसदी से अधिक पूरा चुका है, जो कि साल के अंत तक पूरा होना है। इसके साथ ही आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1, सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट तक 14.27 किमी का निर्माण कार्य भी पचास फीसदी से अधिक पूरा हो चुका है। दोनों मेट्रो परियोजनाओं के कॉरिडोर-2 का कार्य प्रगति पर है, जिसके अगले वर्ष, दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीएम योगी के मार्गदर्शन में कानपुर और आगरा मेट्रो के पहले कॉरिडोर साल के अंत तक हो जाएंगे पूरे
सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी में मेट्रो परियोजनाओं का तीव्रगति से विकास हो रहा है। जहां एक ओर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और नोएडा, गजियाबाद में मेट्रो परियोजनाएं पहले से ही संचालित हैं। वही सीएम योगी ने मेट्रो परियोजनाओं का विस्तार करते हुए कानपुर और आगरा शहरों में मेट्रो रेल परियोजनाएं शुरू की हैं। प्रदेश के आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने समीक्षा बैठक में बताया कि कानपुर और आगरा दोनों मेट्रो परियोजनाओं के पहले कॉरिडोर का क्रमशः 72 एवं 52 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। परियोजनाओं का शेष कार्य दिसंबर 2025 में पूरा हो जाएगा। विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि दोनों मेट्रो परियोजनाओं के दूसरे कॉरिडोर का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है, जो कि अगले साल, 2026 के अंत में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कानपुर मेट्रो के कॉरीडोर -1 का 70 फीसदी से ज्यादा काम पूरा, शेष कार्य दिसंबर माह तक होगा पूर्ण

कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 ,आईआईटी कानपुर से नौबस्ता का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। जिसमें कानपुर सेंट्रल से मोती झील तक का 6.7 किलोमीटर तक का अंडरग्राउंड खंड तैयार हो चुका है, शेष कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। जिसमें से कानपुर मेट्रो के 15 किलोमीटर के खंड का संचालन भी शुरू हो चुका है। वहीं चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय से बर्रा तक के 8.6 किमी के कॉरिडोर-2 का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। जिसमें 4.1 किमी के अंडरग्राउंड और 4.5 किमी का एलिवेटेड खंड भी शामिल हैं। इसमें से अंडरग्राउंड खंड में रावतपुर से डबल पुलिया तक टनल निर्माण शुरू हो चुका है। जबकि एलिवेटड खंड में कंपनी बाग चौराहा के पास पहला पियर कैप स्थापित हो चुका है। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-2 का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है।

*आगरा मेट्रो के कॉरीडोर -1का निर्माण कार्य 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है पूरा

आगरा मेट्रो परियोजना के 14.27 किलोमीटर लंबे सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट के कॉरिडोर झ 1 का निर्माण कार्य भी 50 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है। इसमें से ताज ईस्ट गेट से मनकामेश्वर तक 6 किमी का खंड पर मेट्रो संचालित हो रही है, जो ताजमहल और आगरा फोर्ट को जोड़ता है। जून 2025 से बिजलीघर से आरबीएस कॉलेज तक चार अंडरग्राउंड स्टेशनों आरबीएस कॉलेज, राजा की मंडी, आगरा कॉलेज और एसएन मेडिकल कॉलेज के बीच ट्रायल रन हो चुका है। दिसंबर 2025 तक आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1 का निर्माण कार्य पूरा होने का लक्ष्य है। वहीं कारिडोर-2 के आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक 15.4 किमी का एलिवेटेड खंड है, जिसके पियर और स्पैन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसमें से आगरा कैंट से आगरा मंडी और कालिंदी विहार तक के एमजी रोड पर पड़ने वाले मेट्रो स्टेशनों का निर्माण भी शुरू हो चुका है। आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-2 का निर्माण कार्य भी दिसंबर 2026 तक पूरा हो जाएगा। जो न केवल आगरा वासियों को परिवहन की आधुनिक सुविधा उपलब्ध करवाएगा, बल्कि शहर में आने वाले विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा।

राहगीरों को यातायात के नियमों के प्रति किया जागरूक

समाज जागरण

गुन्नौर कस्बा बबराला इन्द्रा चौक पर सरकार के द्वारा चलाए जा रहे यातायात जागरूकता एव डिजिटल रोड सेफ्टी अभियान परवाह के अंतर्गत रविवार को कस्बा बबराला के इन्द्रा चौक पर एक विशेष जागरूक मता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आरक्षी सोनू अहलावत ने वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के महत्व को लेकर यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया । उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आपका जीवन आपके परिवार के लिए अनमोल है। सुरक्षित यात्रा करें। इसके साथ दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हैलमेट पहने । शराब पीकर

वाहन न चलाए। चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बैल्ट पहनना अनिवार्य है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। सड़क संकेतों एवं नियमों का पालन करें। प्रत्येक व्यक्ति सड़क पर अपनी जिम्मेदारी को समझे और सुरक्षित यातायात व्यवस्था में योगदान दे। इसके अतिरिक्त राहगीरों को भी सड़क सुरक्षा से संबंधित जरूरी टिप्स दिए। वही सतर्कता बरतने की सलाह दी गई। जिससे भविष्य में सड़क हादसों को रोका जाए। इस मौके पर आरक्षी सत्येन्द्र, जगन्नाथ सिंह, प्रेमपाल सिंह, हरिओम शर्मा सहित राहगीर मौजूद रहे ।

सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हुई नीट परीक्षा

2770 परीक्षार्थियों ने दी नीट परीक्षा

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूं। जनपद में रविवार को सात परीक्षा केंद्रों पर आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यू.जी.) 2025 परीक्षा सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कुल 2839 परीक्षार्थियों में से 2770 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। सभी परीक्षा केंद्रों पर जिला प्रशासन के स्तर पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी वहीं परीक्षा के आयोजक राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन.टी.ए.) द्वारा भी प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक-एक ऑब्जर्वर की तैनाती की गई थी। परीक्षा के लिए नोडल बनाए गए केंद्रीय विद्यालय शेखुपुर के प्रधानाचार्य सम्राट कोहली ने यह जानकारी दी।

देवर भाभी के विवाद में देवर ने भाभी का सिर फोड़ा केस दर्ज

समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र गांव गढ़िया निवासी विधवा महिला नेकसी पत्नी हरिओम ने तहरीर देकर बताया कि देवर रामगोपाल उर्फ गोपाली आए दिन झगड़ा

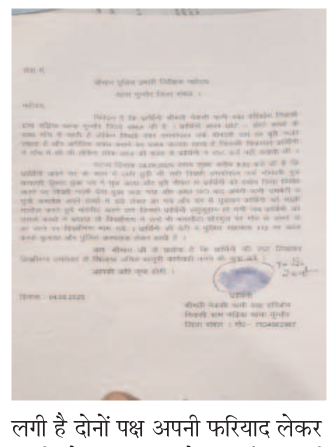

करने पर उतारू रहता है। शनिवार तड़के सुबह में घर पर थी तभी वह गाली गलौज करने लगा जब मैं उसका विरोध किया तो उसने लाठी डंडों से बूरी तरह मारा पीटा। इसके बाद पीड़ित महिला को गुन्नौर पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की जिसके बाद घायल महिला को मेडिकल के लिए भेज दिया। जबकि बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी जिसमें आरोपी रामगोपाल उर्फ गोपाली की बेटी के भी सिर में चोट लगी है दोनों पक्ष अपनी फरियाद लेकर थाने पहुंचे। पुलिस मामले की जांच तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर रही है ।

छटनी से क्षुव्य संविदा कर्मचारी ने जेई को दी जान से मारने की धमकी, पुलिस को दी तहरीर

समाज जागरण

बिसौली बदायूं। संविदा कर्मचारी ने छटनी से क्षुब्ध होकर अवर अभियंता को फोन कर जान से मारने की धमकी दी है। जिसका ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में अवर अभियंता ने लाइनमेन के खिलाफ कोतवाली मे तहरीर दी है।यहाँ बता दे की पावर कारपोरेशन के चेयरमैन के निर्देश पर बिसौली ग्रामीण विद्युत उप संस्थान के जेई महेश कुमार ने कुछ कर्मचारियों की छटनी की लिस्ट उच्च अधिकारियो को प्रेषित की थी। आरोप है इस लिस्ट से अपना नाम देख आउट सोर्सिंग कर्मचारी बोखला गया। जिसके बाद आउटसोर्सिंग लाइनमेंन ने बीते दिन अवर अभियंता को फोन पर जान से मारने की धमकी दे डाली। जिसका ऑडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है। जिसकी हमारा समाचार पत्र पुष्टि नहीं करता। इधर इस मामले में जेई महेश कुमार ने गांव कमालपुर निवासी आउटसोर्सिंग लाइन मेन अर्जुन पुत्र रतनलाल के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने और आईटी एक्ट का दुरूपयोग करने के मामले की तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गुन्नौर सड़क हादसे में दो बाइक सवार घायल

समाज जागरण

जुनाबई थाना क्षेत्र के गांव डढूमरा निवासी अधेड़ राजपाल,धर्मपाल पुत्र गढ़ डोरीलाल बाइक पर सवार होकर दोनों भाई घर में शादी होने के चलते कार्ड बांटने नगर बबराला में जा रहे थे जैसे ही वह गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव जगन्नाथपुर मेरठ बदायूं हाईवे पर पहुंचे अज्ञात वाहन पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक पर सवार दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए दोनों को गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस की मदद से भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया गया।

पटना जिले के पालीगंज में बुद्धिजीवियो ने किया अति आवश्यक बैठक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज स्थित गोरख मार्केट में रविवार को किसान मजदूर संयुक्त संघर्ष समिति तथा इसलाहे मिल्लत अकलियत कमिटी के तत्वाधान में बैठक आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार बैठक की अध्यक्षता सिगोड़ी पंचायत के पूर्व मुखिया मुहम्मद शमीम तथा संचालन जरखा पंचायत के पूर्व मुखिया मो. मतीन ने किया। मौके पर मुख्य वक्ता डॉ. श्यामनंदन शर्मा ने कहा की देश की संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में है। धार्मिक उन्मान्द फैला कर सामाजिक सद्भाव को कमजोर किया जा रहा है। वक्फ कानून संविधान विरोधी है। बैठक को रामानंद तिवारी, गया शर्मा, मौलाना एहसान साहब, गौतम शर्मा, सुरेश वर्मा व अभय शर्मा ने संबोधित किया। मौके पर संविधान बचाव लोकतंत्र बचाव, वक़्फ कानून रद

करने की मांग, बिहार के नीतीश सरकार की किसान मजदूर विरोधी, सर्वे का विरोध, अधिकारियों का जंगल राज, भ्रष्टाचार के खिलाफ, महंगाई बेरोजगारी चरम पर है, कृषि किसान पर संकट, बिहार में नीतीश की एनडीए सरकार की प्रशासनिक पुलिस अधिकारियों का जंगल राज, हर जगह लूट तंत्र, सर्वे के नाम पर किसानो मजदूरों को पुश्तैनी जमीन से बेदखल की तैयारी जैसे मुद्दों को लेकर जून महीने में पालीगंज खेल के मैदान में विशाल रैली करने का निर्णय लिया गया। जिसे सफल बनाने के लिए 21 सदस्यीय जन अभियान समिति का गठन किया गया। जिसका संयोजक डॉ श्यामनंदन शर्मा मो. शमीम, मो. मतीन, रामेश्वर भारती, रामानंद तिवारी तथा सह संयोजक देवनारायण प्रसाद को बनाया गया।

तेज आंधी और वर्षा ने बिगाड़ी नगर पंचायत की सूरत,मिली गर्मी से राहत बिजली गुल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) रविवार को नबीनगर में अचानक दोपहर से आकाश में काले बदल छा गए। वही कुछ देर बाद तेज आंधी और वर्षा होने के कारण लोगों को भीषण गर्मी से निजात मिली। समाचार लिखे जाने तक ने आसमान में बादल छाए हुए हैं बारिश हो रही है और रुकरुक कर तेज हवाएं चल

रही हैं।आसमान मे मेघ गर्जना भी हुई है जिससे आकाशीय बिजली गिरने की संभावना बढ़ रही है।हालांकि अभी तक किसी भी प्रकार के जान माल का कोई नुकसान की सूचना नहीं है। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र के कई मोहल्लों एवं गलियों में नाली जाम होने के कारण वर्षा का पानी सड़क पर बहने से गलियों एवं सड़कों पर बदबूदार पानी का जमाव होने लगा ।वहीं नबीनगर मे बिजली की परंपरागत बीमारी थोड़ी सी वर्षा और हल्की आंधी में भी गायब रहने की है।जबकि दोपहर बाद तेज आंधी और वर्षा होने से बिजली गायब है अब देखना है कि बिजली कब आएगी।

पटना में नगर जनसंवाद के दौरान सड़क, नाला, जलापूर्ति और पार्क निर्माण की मांग

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ नगर निगम के वार्ड संख्या-32 अन्तर्गत न्यू जगनपुरा क्षेत्र में रविवार को "आपका शहर आपकी बात" कार्यक्रम के तहत नगर जनसंवाद का आयोजन किया गया। यह संवाद कार्यक्रम नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार, पटना द्वारा आयोजित किया गया, जो त्रिदेव मंदिर से रामाश्रय चौक के बीच स्थित क्षेत्र में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वार्ड संख्या-32 की पार्षद पिंकी यादव, सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी शुभम कुमार (कंकड़बाग अंचल, पटना नगर निगम) एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। जनसंवाद के दौरान त्रिदेव मंदिर, रामाश्रय चौक, देव पथ, ग्रीन विहार कॉलोनी एवं न्यू जगनपुरा मोहल्ले के लोगों ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को सामने रखा। नागरिकों ने कहा कि इलाके में वर्षों से सिवरेज, नाला और सड़क की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे

वर्षा के समय जलजमाव और आवागमन में कठिनाई होती है। बिजली के पोल तो हैं, लेकिन अधिकांश खंभों पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है, जिससे रात में अंधेरा बना रहता है। जलापूर्ति योजना के अंतर्गत उच्च क्षमता की बोरिंग और पाइपलाइन का विस्तार कर स्वच्छ जल की आपूर्ति की मांग रखी गई। स्थानीय लोगों ने तालाब एवं सार्वजनिक पार्क के निर्माण, हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था, अतिक्रमण से मुक्ति, वृक्षारोपण, जल जीवन हरियाली कार्यक्रम के क्रियान्वयन और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता की भी आवश्यकता जताई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराने की अपील भी की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने सर्वसम्मति से स्थानीय पार्षद पिंकी यादव और सहायक पदाधिकारी शुभम कुमार से इन समस्याओं के शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

भारत 5 से 8 मई, 2025 के दौरान वाशिंगटन डीसी स्थित विश्व बैंक मुख्यालय में वैश्विक भूमि सुधार वार्ता का नेतृत्व करेगा

विश्व बैंक भूमि सम्मेलन में स्वामित्व और ग्राम मानचित्र का प्रदर्शन किया जाएगा, इसका विषय होगा जलवायु कार्रवाई के लिए भूमि स्वामित्व और पहुंच को सुरक्षित करना एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल 5 से 8 मई तक अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक मुख्यालय में आयोजित होने वाले विश्व बैंक भूमि सम्मेलन 2025 में अपनी परिवर्तनकारी स्वामित्व योजना और ग्राम मानचित्र प्लेटफॉर्म प्रस्तुत करेगा। पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) के सचिव श्री विवेक भारद्वाज के नेतृत्व में एमओपीआर के संयुक्त सचिव श्री आलोक प्रेम नागर, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अपर महानिरीक्षक श्री शैलेश कुमार सिन्हा के साथ-साथ महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल भूमि शासन प्रणाली पर आगामी अंतर्राष्ट्रीय मंच के दौरान दो प्रमुख सत्रों में अपनी प्रमुख स्वामित्व (गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत तकनीक से मानचित्रण) योजना प्रस्तुत करेगा। इस वर्ष का विश्व बैंक भूमि सम्मेलन जिसका विषय है ह्यह्यजलवायु कार्रवाई के लिए भूमि का स्वामित्व और पहुंच सुरक्षित करनाः जागरूकता से कार्रवाई की ओर बढ़ना वैश्विक नेताओं, नीति निमार्ताओं, विशेषज्ञों और विकास भागीदारों को भूमि का स्वामित्व सुरक्षित करने, सतत विकास और जलवायु-उत्तरदायी शासन के लिए भूमि प्रशासन को आधुनिक बनाने की रणनीतियों का पता लगाने के लिए एक साथ लाएगा। भारत की प्रमुख स्वामित्व योजना के तहत, जो ड्रोन और भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग करके ग्रामीण संपत्तियों का कानूनी स्वामित्व प्रदान करती है,

1.6 लाख गांवों में 24.4 मिलियन से अधिक परिवारों को संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं, 100 मिलियन से अधिक संपत्ति भूखंडों का मानचित्रण किया गया है और अनुमानित 1.162 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 100 करोड़) भूमि मूल्य का विवरण दर्ज किया गया है। भारत विश्व बैंक भूमि सम्मेलन 2025 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सम्मेलन में स्वामित्व योजना को ड्रोन मैपिंग, उच्च सटीकता वाले भू-स्थानिक डेटा और जलवायु-अनुरूप योजना के लिए ग्राम मानचित्र जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण के एक परिवर्तनकारी मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। कर प्रशासन, बुनियादी ढांचे और आपदा तैयारियों में अनुप्रयोगों के साथ, स्वामित्व समावेशी, तकनीक-संचालित शासन का उदाहरण है। डिजिटल भूमि सुधारों में भारत का नेतृत्व और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए इसकी प्रतिबद्धता स्केलेबल और जन-केंद्रित भूमि समाधानों पर वैश्विक संवाद का केंद्र होगी। सम्मेलन के एजेंडे में उच्च-स्तरीय पूर्ण सत्र, क्षेत्रीय कार्यशालाएं, विषयगत आदान-प्रदान और एक नवाचार प्रदर्शनी शामिल है। यहां सभी सुरक्षित भूमि तक पहुंच में तेजी लाने, भूमि शासन प्रणालियों के आधुनिकीकरण और जलवायु-अनुरूप व्यवस्था को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। सत्र भूमि स्वामित्व में सुधारों को बढ़ाने, भू-स्थानिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने और जलवायु चुनौतियों का सामना करने के लिए लचीलापन बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, परिचालन रणनीतियों और अत्याधुनिक शोध पर होगा। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव श्री विवेक भारद्वाज, ह्यह्यभूमि पट्टे और शासन सुधार में अच्छी प्रथाएं और चुनौतियां पर पूर्ण सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे जिसमें गांवों में संपत्ति अधिकारों, महिला सशक्तिकरण और विवाद समाधान पर स्वामित्व योजना का प्रभाव, एसडीजी लक्ष्य 1.4.2 (भूमि पर सुरक्षित पट्टे के अधिकारों के साथ कुल वयस्क आबादी का अनुपात, (ए) कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त दस्तावेज के साथ, और (बी) जो लिंग और पट्टे के प्रकार के अनुसार भूमि पर अपने अधिकारों को सुरक्षित मानते हैं) पर वैश्विक चर्चा में शामिल होंगे। पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री आलोक प्रेम नागर, ह्यह्यजलवायु कार्रवाई और आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए भूमि फाउंडेशन की स्थापना पर एक तकनीकी सत्र का नेतृत्व करेंगे। इस सत्र में भारत के ग्राम मानचित्र प्लेटफॉर्म का भी प्रदर्शन किया जाएगा। यह स्वामित्व के उच्च-रिजॉल्यूशन स्थानिक डेटा का उपयोग ग्राम-स्तरीय योजना, सौर ऊर्जा स्थल चयन, आपदा न्यूनीकरण और ग्रामीण विकास में सहायता करता है। भारत की विश्व बैंक भूमि सम्मेलन 2025 में भागीदारी वैश्विक ग्रामीण भूमि प्रशासन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले, मार्च 2025 में, भारत ने 22 देशों के प्रतिनिधियों के साथ भूमि प्रशासन पर छह दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी की थी, जिसमें देशों ने स्वामित्व में अपने डिजिटल मानचित्रण और भू-स्थानिक दृष्टिकोण के लिए गहरी रुचि दिखाई थी, और कई देशों ने सहयोग करने की इच्छा भी व्यक्त की थी।

भारत की राष्ट्रपति ने भारतीय मध्यस्थता एसोसिएशन के शुभारंभ में शामिल होकर शोभा बढ़ाई तथा पहले राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन को संबोधित किया

मध्यस्थता कानून के अंतर्गत विवाद समाधान तंत्र का ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी तरीके से विस्तार किया जाना चाहिए, ताकि पंचायतों को गांवों में विवाद सुलझाने तथा मध्यस्थता करने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो सकेः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (3 मई, 2025) नई दिल्ली में भारतीय मध्यस्थता एसोसिएशन के शुभारंभ में शामिल होकर उसकी शोभा बढ़ाई तथा प्रथम राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन 2025 को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता कानून, 2023 सभ्यतागत विरासत को मजबूत करने की दिशा में पहला कदम है। अब हमें इसमें गति लाने तथा इस कार्य प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मध्यस्थता कानून के तहत विवाद समाधान तंत्र का ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी तरीके से विस्तार किया जाना चाहिए, ताकि पंचायतों को गांवों में विवादों में मध्यस्थता करने तथा उन्हें सुलझाने के लिए कानूनी रूप से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा

कि गांवों में सामाजिक सद्भाव राष्ट्र को मजबूत बनाने की एक अनिवार्य शर्त है। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता न्याय प्रदान करने का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो भारत के संविधान - हमारे संस्थापक पाठ - के मूल में है। मध्यस्थता न केवल विचाराधीन विशिष्ट मामले में, बल्कि अन्य मामलों में भी न्याय प्रदान करने में तेजी ला सकती है, क्योंकि इससे अदालतों पर बड़ी संख्या में मुकदमों का बोझ कम हो जाता है। यह समग्र न्यायिक प्रणाली को और अधिक कुशल बना सकती है। इस प्रकार यह विकास के उन मार्गों को खोल सकती है जो अवरुद्ध हो सकते हैं। यह कारोबार में सुगमता और जीवन में सुगमता दोनों को बढ़ा सकता है। जब हम इसे इस तरह से देखते हैं, तो मध्यस्थता 2047 तक विकसित भारत की कल्पना को साकार करने का एक महत्वपूर्ण जरिया बन जाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में न्यायिक तंत्र की एक लंबी और समृद्ध परंपरा है, जिसमें अदालत के बाहर समझौता अपवाद से अधिक एक आदर्श था। पंचायत की संस्था सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्ध है। पंचायत का प्रयास न केवल विवाद को हल करना था, बल्कि इसके बारे में पक्षों के बीच किसी भी कड़वाहट को दूर करना भी था। यह हमारे लिए सामाजिक सद्भाव का एक स्तंभ था। दुर्भाग्य से, औपनिवेशिक शासकों ने इस अनुकरणीय विरासत को नजरअंदाज कर दिया जब उन्होंने हम पर एक विदेशी कानूनी प्रणाली थोपी। जबकि नई प्रणाली में मध्यस्थता और अदालत के बाहर समाधान का प्रावधान था, और वैकल्पिक तंत्र की पुरानी परंपरा जारी रही, इसके लिए कोई संस्थागत ढांचा नहीं था। मध्यस्थता कानून, 2023 उस खामी को दूर करता है और इसमें कई प्रावधान हैं जो भारत में एक जीवंत और प्रभावी मध्यस्थता इकोसिस्टम की नींव रखेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रथम राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन महज औपचारिक आयोजन नहीं है; यह कार्य करने का आह्वान है। यह हम सभी से भारत में मध्यस्थता के भविष्य को सामूहिक रूप से आकार देने का आह्वान करता है - विश्वास को बढ़ावा देकर, पेशेवर क्षमताओं का निर्माण करके, और समाज के सभी वर्गों में हर नागरिक के लिए मध्यस्थता को सुलभ बनाकर। भारतीय मध्यस्थता एसोसिएशन की स्थापना इस विरासत को भविष्य में ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विवाद समाधान के एक पसंदीदा, संरचित और व्यापक रूप से सुलभ तरीके के रूप में मध्यस्थता को संस्थागत बनाता है और बढ़ावा देता है - एक ऐसा दृष्टिकोण जो आज की गतिशील और जटिल दुनिया में समय पर और बहुत आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें विवादों और संघर्षों के प्रभावी समाधान को केवल कानूनी आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक अनिवार्यता के रूप में देखना चाहिए। मध्यस्थता संवाद, समझ और सहयोग को बढ़ावा देती है। ये मूल्य एक सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। इससे संघर्ष-प्रतिरोधी, समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज का उदय होगा।

ईसीआई शीघ्र ही हितधारकों के लिए एकल-बिंदु ऐप लॉन्च करेगा; उन्नत यूआई/यूएक्स के साथ मौजूदा 40 से अधिक आईटी ऐप्स को इसमें शामिल किया जाएगा

नया ईसीआईएनईटी नागरिकों के लिए निर्वाचन संबंधी सेवाएं सुगम बनाएगा; इससे निर्वाचन अधिकारियों को डेटा प्रबंधन में सुगमता और सुविधा होगी भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) एक प्रमुख पहल के तहत मतदाताओं और इसके अन्य हितधारकों जैसे निर्वाचन अधिकारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक नया उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल इंटरफेस विकसित कर रहा है। नए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म, ईसीआईएनईटी पर ईसीआई के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एक में शामिल करके पुनर्निर्देशित करेगा। ईसीआईएनईटी में एक आकर्षक यूजर इंटरफेस (यूआई) और एक सरल यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) होगा जो निर्वाचन संबंधित सभी कार्यों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। इससे उपयोगकताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने तथा अलग-अलग लॉगिन याद रखने की समस्या को कम करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। इस प्लेटफॉर्म की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में की थी। उपयोगकताओं ईसीआईएनईटी से अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफोन पर प्रासंगिक चुनावी डेटा का उपयोग कर पाएंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआईएनईटी पर डेटा केवल अधिकृत ईसीआई अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। संबंधित अधिकारी द्वारा प्रविष्टि यह सुनिश्चित करेगी कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा यथासंभव सटीक है। हालांकि, किसी भी विवाद के मामले में, वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा मान्य होगा। ईसीआईएनईटी में मतदाता हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सीविजिल, सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप शामिल होंगे। इनको मिलाकर 5.5 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है (ऐप की पूरी सूची संलग्न है)।

सरकार भारत में निमार्ता-प्रथम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है: डॉ एल मुरुगन

मोशन पिक्चर एसोसिएशन ने वेव्स 2025 में भारत की मनोरंजन अर्थव्यवस्था पर ऐतिहासिक रिपोर्ट जारी की मुंबई में विश्व ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के तीसरे दिन, मोशन पिक्चर एसोसिएशन (एमपीए) ने एक व्यापक रिपोर्ट जारी किया, जिसमें भारत के फिल्म, टेलीविजन और स्ट्रीमिंग क्षेत्रों के राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित किया गया। इस विमोचन के अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन और एमपीए के अध्यक्ष और सीईओ चार्ल्स रिवकिन भी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, डॉ. मुरुगन ने एमपीए की वैश्विक नेतृत्व की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों पर भारतीय सिनेमा के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार किया। डॉ. मुरुगन ने कहा कि ह्लआरआरआर और बाहुबली जैसी फिल्में से यह साबित हो चुका है कि भारतीय कहानियां भाषाओं और भौगोलिक सीमाओं से उपर हैं। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि केंद्र सरकार एक निमार्ता-प्रथम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करे के लिए नीतियों, उत्पादन प्रोत्साहनों और मजबूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हाल की एंटी-पायरेसी सुधारों का उल्लेख करते हुए डिजिटल युग में निमार्ताओं के अधिकारों

की सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। मंत्री ने कहा कि ह्लसिनेमा केवल एक आर्थिक इंजन नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक एवं सांस्कृतिक सेतु है। भारत मोशन पिक्चर एसोसिएशन के साथ अपनी साझेदारी को और ज्यादा गहरा करने के लिए तत्पर है, जिससे वैश्विक स्तर पर सम्मानित और सुरक्षित रचनात्मक उद्योग का सह-निर्माण किया जा सके। चार्ल्स रिवकिन ने भारत के साथ एमपीए की वर्तमान साझेदारी के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए उन्हें देश के मनोरंजन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण क्षण कहा। श्री रिवकिन ने कहा कि भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था असाधारण वृद्धि के लिए तैयार है और एमपीए इसका समर्थन करने पर गर्व महसूस करता है। रिपोर्ट का अनावरण करने के बाद मुख्य निष्कर्ष को साझा करते हुए, श्री रिव्किन ने कहा कि भारतीय फिल्म, टीवी और स्ट्रीमिंग उद्योगों ने 2.6 मिलियन नौकरियों का समर्थन किया और वार्षिक आर्थिक उत्पादन के अनुसार 60 बिलियन डॉलर से अधिक का उत्पादन किया। उन्होंने कहा कि एमपीए के सदस्य स्टूडियो निवेश, साझेदारी एवं दूरदर्शी नीतियों का समर्थन करते हुए भारत के मनोरंजन क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री रिवकिन ने एमपीए के उद्देश्यों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रचनात्मक अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण के बीच संरेखण को रेखांकित करते हुए भारत की कहानी कहने, दृश्य प्रभाव एवं वैश्विक सामग्री निर्यात की शक्ति को उजागर किया। इस सत्र का समापन एमपीए रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं की वीडियो जारी करने के साथ हुआ, जिसमें सहयोग, नवाचार एवं समावेशी विकास से प्रेरित भविष्य के नीति निमार्ताओं एवं वैश्विक मीडिया के बीच साझा दृष्टिकोण को साझा किया गया।

बिना नोटिस दिए नगर निगम ने कब्जाई यूनिवर्सिटी की जमीन

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की जमीन जिस तरह नगर निगम ने बिना किसी नोटिफिकेशन के कब्जाई है वो गैर कानूनी है, क्यूँकि पिछले 80 सालों से यूनिवर्सिटी उस जमीन पर मालिकाना हक रखती है और तमाम कागजात और सबूत यूनिवर्सिटी के पास मौजूद हैं। ये एक सेक्युलर इरादा है जो की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्व योगदान दे रहा है, इसलिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को मिनी इंडिया के नाम से सम्भोदित किया था और चूँकि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी केंद्र शासित यूनिवर्सिटी है जिसकी हर एक

जानकारी केंद्र सरकार के पास मौजूद है, लिहाजा हम इस जमीन कब्जे की निंदा करते हैं और जो भी लोग इदारे के इस साजिश में लिप्त हैं उन्हें भी जवाब देना पड़ेगा क्यूँकि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से ताल्लुक रखने वाला हर शक्स इस इदारे को अपनी मादरे गारसगाह समझता है जिसके हक को पाने के लिए हर तरीके से तैयार है। इस दौरान एएमयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 एम. सलमान इम्तियाज, फैज, आदिल आदि मौजूद रहे।

आरपीएफ व जीएसटी टीम ने ट्रेन में टैक्स चोरी का पकड़ा लाखों का माल

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ। रेलवे जंक्शन पर शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब दिल्ली से आने वाली एक पैसेंजर ट्रेन में लाखों रुपये का माल टैक्स चोरी करके लाया जा रहा था। आरपीएफ (रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स) और सेल्स टैक्स विभाग की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की और करीब 50 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का सामान जब्त कर लिया। पकड़े गए सामान में महंगे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स और कई अन्य कीमती चीजें शामिल हैं। ये माल दिल्ली के बाजारों से बिना जीएसटी और सेल्स टैक्स चुकाए खरीदा गया था। इसे अलीगढ़ व आसपास के इलाकों में बेचने की योजना थी। माल की पैकिंग इतनी चालाकी से की गई थी कि आम यात्री को शक न हो, लेकिन यात्री की सूचना ने इसे पकड़वा दिया। एक यात्री ट्रेन में सफर कर रहा था। यात्री ने मामले की जानकारी रेलवे अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद आरपीएफ व सेल्स टैक्स विभाग की टीमें हरकत में आईं। अलीगढ़ जंक्शन पर ट्रेन रुकते ही प्लेटफॉर्म नंबर एक पर छापेमारी शुरू हो गई। ट्रेन में तलाशी के दौरान भारी मात्रा में टैक्स-फ्री माल बरामद हुआ।

फिलहाल इस मामले में आरपीएफ ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस और सेल्स टैक्स विभाग इस बात की जाँच कर रहे हैं कि ये माल कहाँ सप्लाई किया जाना था। प्रारंभिक जाँच में पता चला है कि ये एक बड़े टैक्स चोरी रैकेट का हिस्सा हो सकता है, जो दिल्ली से यू0पी0 के शहरों तक फैला हुआ है। सेल्स टैक्स विभाग ने पकड़े गए माल की कीमत 50 लाख से अधिक बताई है। घटना के बाद आरपीएफ ने भी स्टेशन पर निगरानी बढ़ा दी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएँ रोकी जा सकें। पुलिस का कहना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, और जल्द ही इस रैकेट के मास्टरमाइंड तक पहुँचा जाएगा।

ट्रेनिंग के दौरान एयरपोर्ट की दीवार से टकराया प्लेन

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ़। धनीपुर एयरपोर्ट में रविवार दोपहर को पायलट ट्रेनिंग के दौरान एक प्लेन क्रैश हो गया, प्लेन के अंदर सिर्फ ट्रेनी पायलट मौजूद था, जो प्लेन को चला रहा था। ऐसे में जब प्लेन क्रैश की सूचना अधिकारियों को मिली तो अफरा-तफरी मच गई।

ट्रेनिंग कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने ट्रेनी पायलट को बाहर निकाला। राहत इस बात की रही की ट्रेनी पायलट को किसी तरह की चोट नहीं आई है और वह पूरी तरह से सुरक्षित है। वहीं प्लेन क्रैश की जानकारी मिलने पर प्रशासन भी एक्टिव हो गया और इस दुर्घटना की जॉच के आदेश दिए गए हैं।

रुपेंद्र बघेल बने अहिल्याबाई होलकर शोभा यात्रा के अध्यक्ष

दैनिक समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद ! हिंदुत्व रक्षिणी, न्याय प्रियशासिका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर जी के 31 मई 2025 को 300वे जन्मोत्सव पर सामाजिक बंधुओ द्वारा नगर मे शोभायात्रा के अध्यक्ष रुपेन्द्र बघेल उर्फ छोटू को मनोनीत किया गया रविवार को आल इंडिया धनगर समाज महासंघ फिरोजाबाद द्वारा शोभायात्रा के अध्यक्ष का स्वागत माला, पतिका और श्रीराम का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया बैठक मे महासचिव रामबाबू धनगर ने समस्त सामाजिक बंधुओ से अनुरोध किया है कि जनपद फिरोजाबाद के समस्त बुद्दजीवी, मातृशक्ति और युवावर्ग एकजुट होकर शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए अपना तन, मन धन से सहयोग करे बैठक मे रणवीर सिंह धनगर, अजय धनगर, रामबाबू धनगर, एड ब्रजेश, धनगर, मौसम धनगर, सुनील धनगर, मोहन बजरंगी, अनुज धनगर, पंकज धनगर, चंद्रवीर धनगर, दिलीप धनगर आदि उपस्थित थे !

पुलिस ने अभियान चला 87 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद। जनपद पुलिस ने शनिवार की रात अभियान चलाकर सात दर्जन से अधिक अभियुक्तों को पकड़ा है। जिसमें 6 दर्जन से अधिक एनबीडब्ल्यू , एक दर्जन एस आर व अन्य वांछित अभियुक्त शामिल है।

पुलिस का वारंटी अभियुक्तों के विरूद्ध रात 12 से सुबह 05.00 बजे तक अभियान चलाया गया। अभियान में जनपदीय पुलिस ने 87 अभियुक्तों को पकडा है। जिसमें 75 एनबीडब्ल्यू, 06 एस आर वांछित व 06 अन्य वांछित अभियुक्त शामिल है।

गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

अभियान के दौरान थाना उत्तर ने 07, दक्षिण ने 07, रसूलपुर ने 03, रामगढ़ ने 02, नारखीने 04, पचोखरा ने 03, टूण्डला ने 10, नगला सिंघी ने 03, सिरसागंज ने 15, नगला खंगर ने 01, नसीरपुर ने 02, शिकोहाबाद 12, खैरगढ़ ने 02, मक्खनपुर ने 01, जसराना ने 05, एका ने 03, फरिहा ने 01 मटसेना ने 4, बसई मौहम्मदपुर ने 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

नवीन सदस्यों को सम्मानित कर अंगदान एवं देहदान व बिजली बचाने हेतु किया जागरूक

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : देहदान कर्त्तव्य संस्था ने अपने कार्यालय बेला मार्ग विष्णु पुरी अलीगढ़ स्थित जीवन हॉस्पिटल में नवीन सदस्यों का प्रशस्ति पत्र, परिचय पत्र भेंट सहित पटका पहना कर सम्मानित किया। देहदान कर्तव्य संस्था के सदस्य भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार देहदान कर्तव्य संस्था ने पिछले वर्ष की भाँति इस बार भी बिजली बचाओ के वास्ते लोगों को सकारात्मक तरीके बता कर सहयोगी बनने का आह्वान किया। सचिव डॉ जयंत शर्मा ने कहा कि सदस्यता में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी दशार्ती है कि लोग अंग (रक्त/नेत्र)व देह दान के प्रति जागरुक हो रहे हैं। तभी तो अभी तक 97 नेत्रदान व 24 देहदान हो चुके हैं। देश हित में बिजली बचा लोगों को सकारात्मक संदेश देना चाहिए।

अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ ने कहा कि रक्त/नेत्र /देहदान कर हम उसके दिए शरीर को उसी के बन्दों को दान कर सहयोगी बन रहे हैं। मानवीयता को वरीयता देते हुए उपरोक्त विषय पर गंभीरता से विचारणा चाहिए। बॉर्डर तैनात फौजी की ही केवल जिम्मेदारी नहीं देश रक्षा। हम भी इस मुहिम में आगे आ सकते हैं। कैसे? सुबह सैर पर निकलें तो आपको स्ट्रीट लाइट्स के पॉइंट्स ढूंढने होंगे। एक बटन से 40/50 बल्ब एक साथ बंद हो जाते हैं। आप जेनेरेटर/ल्ल५ी१३ी१ की लाइट जला लीजिये। इसका मुकाबला नहीं। इसकी उपयोगिता का पता इसके जाने के बाद चलता है। विद्युत कर्मचारी दिन-रात जाग व जान जोखिम में डाल कर देते हैं। हमें भी उनके समर्पण का सम्मान कर सहयोगी बनना चाहिए। डॉ गौड़ ने कहा कि रक्तदान से चार लोगों के सहयोगी बनते तो बनते हो साथ ही दानी व्यक्ति की रोग से लड़ने वाली क्षमता भी बढ़ती है जिससे वह कम बीमार होता है। एडवोकेट अनिल राज गुप्ता ने कहा मानव की दान देने की प्रवृत्ति हमेशा से रही है।हम पार्थिव शरीर जलाते ही तो हैं। हैंडस फॉर हेल्प के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार ने कहा कि चिकित्सक होने के नाते समाज पर पकड़ अच्छी होती है। अतः चिकित्सकों का आह्वान करते हुए कहता हूं कि उपरोक्त विषय पर लोगों को विस्तृत से जानकारियां दें।

मीडिया प्रभारी डॉ डी के वर्मा, नेत्र विशेषज्ञ डॉ ए के शर्मा, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, डॉ एम एल गौड़ अजय राणा, विवेक अग्रवाल, शिवम माहेश्वरी, समाजसेवी दिलीप दामोदर वार्ष्णेय, किरण वार्ष्णेय, मेघश्याम शर्मा आदि सहयोगी बने।

600 किलो ग्राम सिंथेटिक पनीर के साथ 04 लोग गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद ! थाना दक्षिण पुलिस ने खाद्य विभाग की टीम को साथ लेकर सुहाग नगर के समीप से 600 किलो ग्राम सिंथेटिक पनीर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने मौके से 04 मोबाइल , 1 बुलेरो पिकअप गाड़ी, 05 प्लाटिक के ड्रम सहित 42 हजार 5 सौ रुपये बरामद किये है

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना दक्षिण पुलिस एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही के दौरान मुखविर की सूचना पर 04 लोगो को विद्युत विभाग कार्यालय के समीप से गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 600 किलोग्राम सिंथेटिक पनीर , 04 मोबाइल, 1 बुलेरो पिकअप गाड़ी अथवा 42 हजार 5 सौ रुपये सहित 05 प्लास्टिक ड्रम बरामद किये है। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये लोगो के नाम शैलेन्द्र सिंह पुत्र हुब्ब लाल वर्मा मकान नम्बर 03/100 सुहाग नगर थाना दक्षिण ,इरशाद पुत्र इस्त्राइल ग्राम खाइका थाना बहीन जिला पलवल हरियाणा, आरिफ पुत्र हक्की ग्राम खाइका थाना बहीन जिला पलवल हरियाणा, एवं तालिम पुत्र इशाक निवासी ग्राम खाइका थाना बहील जिला पलवल हरियाणा बताये है।

फरीद एकादश टीम रही विजयी

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद ! जिला वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन फिरोजाबाद के तत्वावधान में सरविलाल कॉन्वेंट स्कूल फिरोजाबाद द्वारा आयोजित वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी का एक दिवसीय क्रिकेट टूनामेंट सरविलाल कॉन्वेंट स्कूल फिरोजाबाद के मैदान पर आयोजित किकेट किया गया जिसका उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि नगर विधायक मनीष असीजा प्रदीप गुप्ता अध्यक्ष डी सी गुप्ता प्रदीप मित्तल पम्मी कन्हैयालाल टण्डन के द्वारा किया गया इस टूनामेंट स्वर्गीय, अनिल तैलग , साजिद खान अजहर आलम फरीद खान की मेमोरी में आयोजित किया गया.

वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी की 4 टीमो को विभाजित किया,अनिल तैलग एकादश साजिद खान एकादश अजहर आलम एकादश फरीद एकादश के नाम से खेला गया पहला मैच अजहर आलम एकादश के कप्तान मयंक भटनागर और फरीद एकादश के कप्तान हासिम फिरोजाबाद की टीम के मध्य खेला गया जिसमें पहले अजहर आलम एकादनेने पहलेखेलते हुए 45 रन बनाए जिसमें पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी प्रमोद सैनी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 24रन नाबाद बनाये तुली ने रन बनाये बाद मे फरीद एकादश ने तीन विकेट खोकर 56रन बनाये हाशिम ने 29 रन मुशाहिद ने13 रन बनाये,गैदवाज प्रमोद २सैनी ने2 विकिट लिय और फरीद एकादश नेमैच जीत फाइनल मै पहुंच गई दूसरा मैच अनिल तैलग एकादश और साजिद खान एकादश के मध्य खेला गया जिसमें पहले अनिल तैलग एकादश ने वैटिग करते हुए 3 विकट खोकर 73,रन बनाए जिसमे हारून ने 39 ,शानदार प्रदर्शन कर रन बनाए रिहान ने 18 ,रन बनाए साजिद खान एकादश केगेदवाजो मै निशात खरै ने 2,विकिट लिय बाद मै खेलकर मात्र 45 रन बना सकी और अनिल तैलग एकादश कीटीम ने फाइनल मै पहूँच कर फाइनल मैच अनिल तैलग एकादश और फरीद एकादश कीटीम के मध्य खेला गया,जिसमें अनिल तैलग एकादश के कप्तान कामरान खान नेपहले खेलते हुए74 रनबनाये जिसमे कामरान ने23 ,रनबनाये हारून ने24रन रिहान ने13 ,रन वनाये बाद मे फरीद एकादश ने गैदवाज रफीक ने 2 विकिट लिय हासिम ने 2 विकिट लिय बाद मे खेलतै हुए3 विकिट खोकर 75 रन बनाए जिसमे हासिम नेनाबाद29 ,रन मुशाहिद ने 13 रन वना कर मैच की विजेता होगयी,और फरीद एकादश कीटीम टूनामेंट कीविजेता होगई. मैच के बाद विजेता टीम फरीद एकादश के कप्तान हासिम को प्रदीप मित्तल, पम्मीडी सी गुप्ता नीलमणी,चतुवेर्दी के कन्हैयालाल टण्डन अनिल लहरी बकार सईद पटेल और बहुत वरिष्ठ किकेटर मौजूद थे समारोह का संचालन अनिल लहरी ने बडी कुशलतापूर्वक किया !

11 माह बाद भी नहीं लगा युवक का सुराग

पुत्र का इंतजार करते परिजनों की आंखें पथरा गई है

दैनिक समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद ! थाना लाइन पार के गांव सुजातगढ़ निवासी 25 वर्षीय युवक विगत 16 जून को काम की कह कर घर से निकाला था परंतु अभी तक उसका कोई पता नहीं चला है जिससे परिजन परेशान है

सुजातगढ़ निवासी 25 वर्षीय विजय कुमार उर्फ बंटी पुत्र लोकमन वर्मा 16 जून 2024 को नेहा गिलास में काम की कहकर घर से निकला था परंतु वह काम पर नहीं पहुंचा और ना ही घर लौट कर आया परिजनों ने अपनी रिश्तेदारी के अलावा अन्य जगह भी तलाश की परंतु उसका कोई पता नहीं चला परिजनों ने उसकी थाने में गुमशुदी भी दर्ज कराई पुलिस ने गुमसुदी दर्ज कर कार्य की इतिश्री पूर्ण कर ली इधर माता-पिता और पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है उसकी मासूम पुत्री कह रही है पापा लौटकर कब आओगे पुत्र के लौटने के इंतजार में परिजनों की आंखें भी पथरा गई है पिता नहीं बताया कि बंटी पीली बनियान नीली लोअर सफेद साफी तथा चप्पल पहने है !

कुछ बड़ा करने की जरूरत नहीं ? छोटे-छोटे एक्शन से ही पस्त हो जाएगा पाकिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भारत सरकार ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के खतरे के बीच इस्लामाबाद को अपनी सेना पर भारी खर्च करने के लिए मजबूर करके यानी बिना एक भी गोली चलाए पाकिस्तान की पहले से फटेहाल अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया है. इसे भी आप भारत का मास्टर स्ट्रोक कह सकते हैं.

पाकिस्तान बीते 14 दिनों से रोज अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है. सुबह-शाम युद्ध की धमकी देकर पाकिस्तान अपने ताबूत पर आखिरी कील ठोकने पर तुला है. इस्लामाबाद को अपनी टुच्ची और टुटपुंजिया हरकतों के चलते हर घंटे तगड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है. डेली बेसिस के हिसाब से देखें तो पहले से लहूलुहान पाकिस्तान की इकॉनमी आईसीयू से निकलकर वेंटिलेटर पर पहुंच गई है. पीएम मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के खतरे के बीच इस्लामाबाद को अपनी सेना पर भारी भरकम खर्च करने के लिए मजबूर करके, बिना एक भी गोली और बम चलाए शहबाज शरीफ को घुटनों पर ला दिया है.

'द संडे गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की थलसेना, नौसेना और वायुसेना तीनों 22 अप्रैल यानी पहलगाम हमले के बाद से रोजाना करीब 1.5 से 3.2 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त खर्च कर रहे हैं, जो कि 45-96 मिलियन डॉलर प्रति माह के बराबर है. महंगाई की मार और गरीबी के जाल और कर्ज के बोझ दले पाकिस्तान के लिए यह बहुत बड़ी रकम है, जिसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही खस्ताहाल है.

बिगेस्ट मॉडलिंगऑडीशन में प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

स्टंट, कैटवॉक, मिमिक्री के साथ डांस से मचाया धमाल

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ़। स्टेज पर स्टंट हो या कैटवॉक, मिमिक्री हो या डांस स्थानीय होटल धीरज पैलेस के सिटी क्लब में आयोजित बिगेस्ट मॉडलिंग ऑडीशन में। 255 प्रतिभागियों ने अपना हुनर दिखाते हुए जमकर धमाल मचाया। मौका था मायरा इवेंट्स इंडिया प्रा.लि. द्वारा आयोजित यूपी के सबसे बड़े मॉडल ब्रांड कोलैब फैस्टीवल ऑडीशन का।

होटल धीरज पैलेस के सिटी क्लब में आयोजित इस मॉडलिंग ऑडीशन में प्रतिभागियों के द्वारा आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शित की गई कला की जजों ने भी खूब सराहना की।

मायरा इवेंट्स के एमडी और इस शानदार आयोजन के आयोजक प्रशांत झा ने बताया कि यूपी के विभिन्न जनपदों में आयोजित ऑडीशनों के उपरांत आगरा में २५ मई को टेलेंट, फैशन और ग्लैमर के इस संगम का ग्रैंड फिनाले होने जा रहा है। जिसमें कई सेलेब्रिटीज के अलावा मुख्य आकर्षण एक्ट्रेस और सोशल आईकॉन डॉ. यामिनी मल्होत्रा होंगी। आगरा से आए एमडी प्रशांत झा ने कार्यक्रम की सफलता पर जहां खुशी व्यक्त की, वहीं अलीगढ़ के युवाओं के उत्साह को प्रेणादायक बताया। वहीं, फिल्म निमार्ता पंकज धीरज नेअलीगढ़ में इस प्रकार के आयोजनों को सांस्कृतिक उत्साहबर्धन का एक क्रम बताया।

अलीगढ़ में आयोजित ग्रैंड ऑडीशन के निर्णायक मंडल में संदीप जी और संगीता शर्मा रहे। जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रतिभा की कड़ी स्क्रीनिंग की। साथ ही कुछ खामियों पर उन्हें सुधार के संकेत भी दिए। कैट वॉक के लिए बने मंच पर युवक व युवतियों की प्रतिभा देखने लायक थी।

पत्रकार पर हमला करने वालों पर पुलिस ने मामूली धाराओं में दर्ज किया मुकदमा

दैनिक समाज जागरण – अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : जनपद अलीगढ़ में पत्रकारों के खिलाफ पुलिस द्वारा झूठे मुकदमे रातोरात लिख दिए जाते हैं तो वहीं पत्रकार जगत से जुड़े दर्दनाक और निंदनीय घटनाक्रम ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय कैमरामैन रोकी कुमार पर बीती रात लगभग दस बजे जानलेवा हमला किया गया, जिसकी भयावह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो में हमलावरों की क्रूरता और सुनियोजित हिंसा साफ देखी जा सकती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोकी कुमार अपने वाहन से घर लौट रहे थे, तभी विशेष समुदाय के क्षेत्र में वाहन का हॉर्न देने पर कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को रोका और धार्मिक प्रतीकों को देखकर उन्हें निशाना बनाया। पीड़ित के अनुसार, उनकी गाड़ी में टंगा खाटू श्याम का लॉकेट देखकर हमलावर आक्रोशित हो गए और कुछ दूर पीछा करने के बाद हमला कर दिया। हमले में हमलावरों ने गाड़ी के शीशे तोड़े, रोकी को अंदर से खींचकर बुरी तरह पीटा, और नकदी व अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। यह सब कुछ कैमरे में कैद हो गया। घटना की रिपोर्ट सिविल लाइन थाना में कराई गई, लेकिन गंभीर साक्ष्यों के बावजूद पुलिस द्वारा केवल सामान्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया, जिससे पत्रकार समुदाय में आक्रोश है। अब तक पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जबकि 11 अन्य फरार बताए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय पत्रिका सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो पत्रकार समाज आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों ने एक स्वर में कहा है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर इस तरह के हमले यदि यूँ ही अनदेखी के शिकार होते रहे तो समाज में सत्य की आवाज उठाना और कठिन हो जाएगा।

एका में व्यापारियों का विरोध समाप्त, दरोगा के हुए स्थानांतरण पर जताया आभार

दैनिक समाज जागरण

एकाः चोरी के मामले का खुलासा न होने और दरोगा द्वारा व्यापारियों से अभद्रता किए जाने समाजसेवियों गौ सेवकों के खिलाफ की गई शांति भंग की कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने शनिवार को थाना परिसर के बाहर धरना प्रदर्शन किया था। क्षेत्राधिकारी और उप जिलाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह ने पहुंच कर व्यापारियों की मांगों के अनुरूप आश्वासन देकर प्रदर्शन समाप्त करने के बाद बाजार खुलवाया था।

रविवार को व्यापारियों ने दुकानों पर काले झंडे लगाने और काली पट्टी बांधकर विरोध जताने का ऐलान किया था।इस विरोध को लेकर जैसे ही मामला तूल पकड़ने लगा, थाना अध्यक्ष रमित आर्य ने व्यापारियों से बातचीत कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने व्यापारियों को बताया कि खराब कार्य प्रणाली और क्षेत्र वासियों की मांग पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए व्यापारियों से अभद्रता के आरोपी दरोगा शिवांग तोमर का स्थानांतरण थाना नसीरपुर कर दिया है। साथ ही उन्होंने चोरी के जल्द खुलासे का आश्वासन भी दिया और अनशन न करने की अपील की।

पुलिस की इस कार्रवाई और सकारात्मक पहल के बाद व्यापारियों ने अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी।

व्यापार मंडल अध्यक्ष हैप्पी वार्ष्णेय ने पुलिस अधीक्षक के निर्णय का स्वागत करते हुए आभार प्रकट कर कहा कि फिलहाल क्षेत्र में शांति का माहौल है आरोपी दरोगा वर्दी के रोग में अपनी प्राइवेट गाड़ी में हूटर बजाते हुए कई व्यापारी और संभ्रांत व्यक्तियों के साथ अभद्र व्यवहार कर चुका था। हम सभी व्यापारियों ने उम्मीद जताई है कि पुलिस आगे भी संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करती रहेगी।

बैठक में व्यापारी नेता आशु शर्मा, रतन मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि योगेश लोधी,शीलू सविता, सौरभ गुप्ता, सुनील जैन, विक्की वार्ष्णेय, धर्मेंद्र रावत, संगम राघव, नमन पंडित,राहुल पचौरी, संतकुमार, प्रदीप गुप्ता, अर्जुन दीक्षित,लालू चौहान, निशू जैन,शिवम चतुवेर्दी, रोहित लोधी, पुलकित मिश्रा,मनु सविता, किशोरी पचौरी,सोल्जर रावत सैकड़ों व्यापारी और गौसेवक शामिल रहे।

हर नागरिक का हो यह सपना, स्वच्छ हो सम्पूर्ण भारत अपना:- अश्वनी जैन

दैनिक समाज जागरण

सिरसागंज ! नगर पालिका परिषद, सिरसागंज के तत्वाधान में स्वच्छ भारत अभियान सिरसागंज के ब्राण्ड एम्बेसडर अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत एक स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत मिशन पर अलग- अलग स्लोगन से आम जनमानस को जागरूक संदेश प्रदान किया।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि विद्यार्थियों ने विभिन्न स्लोगन जैसे हर नागरिक का हो यह सपना, स्वच्छ हो सम्पूर्ण भारत अपना, आओ फिर एक बदलाव करें, देश का कोना- कोना साफ करें, जन-जन तक यह संदेश पहुँचाना है, हमें स्वच्छता को अपनाना है, सभी रोगों की एक दवाई, घर में रखो साफ-सफाई, बच्चा- बच्चा करे यही पुकार, स्वच्छ और सुन्दर हो देश हमारा, खूबसूरत होगा देश हर ओर, क्योंकि हम करेंगे सफाई चारों ओर, कदम से कदम मिलाए जा, भारत को स्वच्छ व सुन्दर बनाए जा, आवाज उठाओ, गंदगी मिटाओ, जन-जन का नारा है, भारत को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छ और स्वस्थ होगा, तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया, स्वच्छ्ता ही सेवा है, स्वच्छ्ता ही सेवा है, गन्दगी जानलेवा है, स्वच्छ भारत है एक बड़ा अभियान, सब मिलकर करें अपना योगदान, साफ हो, सुन्दर हो, ऐसा मेरा भारत देश हो, गाँधीजी का था इरादा, देशवासी करें स्वच्छ्ता का वादा, जो स्वच्छता को नहीं अपनाएगा, वो बीमारियों का घर बन जाएगा, साथी रे, हाथ से हाथ मिलाना, गन्दगी को दूर भगाना आदि जागरूक स्लोगन प्रदर्शित किए।

जिसमें कु ज्योति, ऐंजल यादव, माधुरी, आयुषी, भावना, दीक्षा, खुशी यादव, दीपिका, स्वीटी तिवारी, मुकुल कुमार, सचिन कुमार, मनीष कुमार, रितिक, ईशू, यश शर्माआदि की सहभागिता रही।

शराब पीने-पिलाने के बाद दोस्त ने ली दोस्त की जान, शव जंगल में किया दफन

संवाददाता शिव प्रताप सिंह।
दैनिक समाज जागरण

ओबरा/ सोनभद्र। कोतवाली ओबरा के पनारी टोला पलसो में एक व्यक्ति की उसके ही दोस्त ने लाठी से पीटकर हत्या कर दी। वारदात से पहले दोनों ने साथ बैठकर शराब पी थी। जानकारी के मुताबिक, ओबरा नगर के पुराने थाने के पास रहने वाला अनिल शुक्ला उम्र लगभग 50 वर्ष जो नशे का आदी था। वह अक्सर अपने साथियों के साथ पनारी गांव आता जाता रहता था। गांव के बाहर गोविंद प्रजापति के खेत में उसने पाही बना रखी थी। एक मई को वह अपने दोस्त संजय जायसवाल निवासी चोपन रोड के साथ वहां पहुंचा। शराब पीने के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि अनिल ने कुल्हाड़ी से संजय पर वार कर दिया। चोट लगने पर गुस्साए संजय ने अनिल के सिर पर लाठी से हमला कर दिया। अनिल जमीन पर गिर पड़ा और तड़पने लगा। उसने पानी मांगा तो संजय ने उसे पानी भी पिलाया। लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद संजय ने पास के जंगल में ही अनिल के शव को दफन कर दिया। शनिवार को जब गांववालों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मजिस्ट्रेट के साथ रात में पहुंची पुलिस ने मिट्टी खुदवा कर शव को बाहर निकलवाया। शव बाहर निकलवाने के बाद उसके पहचान कराई गई तो उसकी शिनाख्त अनिल शुक्ला पुत्र स्व. शीतला प्रसाद शुक्ला निवासी ओबरा कस्बा के रूप में हुई। पंचनामा की कार्रवाई करते हुए रविवार की सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

घटना की जानकारी मिलने पर देर रात अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही मौजूद लोगों से वार्ता कर उक्त प्रकरण के बारे में जानकारी ली। बताया कि दो संदिग्धों से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

लाखों बेटियों की शादी में सहयोग करेगा एफआरसीटी - प्रदेश अध्यक्ष रानी सिंह

बेटी विवाह शगुन योजना के तहत करमा ब्लाक के सरंगा गाँव में किया स्थलीय निरीक्षण

ब्यूरो चीफ सोनभद्र।
दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। फास्ट रिलीफ चैरिटेबल टीम (एफआरसीटी) की प्रदेश अध्यक्ष रानी सिंह और प्रदेश संगठन मंत्री अरुण सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष डॉ रमेश कुशवाहा, जिला कोषाध्यक्ष शरीफ अहमद, जिला महामंत्री सर्वजीत कुमार सिंह , करमा ब्लॉक अध्यक्ष मुख्तार अंसारी, करमा महामंत्री बादल सिंह,घोरावल ब्लाक अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष जयप्रकाश विश्वकर्मा के द्वारा एफआरसीटी के बेटी विवाह शगुन योजना के अंतर्गत लाभार्थी जनपद सोनभद्र के करमा ब्लाक निवासी राजेंद्र कुमार मौर्य ग्राम सारंगा पोस्ट बैडांड करमा सोनभद्र के घर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया।

बेटी विवाह शगुन योजना में तीसरा सहयोग 10 मई से शुरू हो रहा है। लाभार्थी जो कि पेशे से एक किसान हैं, उनसे समस्त आवश्यक जानकारी, बैंक खाता विवरण और अन्य समस्त प्रपत्र प्राप्त किया गया। एफआरसीटी के द्वारा प्राप्त होने वाले इस सहयोग के विषय में जान कर राजेंद्र जी अत्यंत भावुक थें और उन्होंने एफआरसीटी के इस पुनीत कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की और आभार व्यक्त किया साथ ही अपने सगे संबंधियों से एफआरसीटी की सदस्यता लेने की अपील भी की एफआरसीटी पदाधिकारियों को अपने घर पर देखकर वें अत्यंत उत्साहित हुए

उन्होंने आह्वान किया कि सभी को एफआरसीटी के इस पुनीत अभियान से जुड़कर संस्था द्वारा निर्धारित राशि को बेटी विवाह शगुन योजना के अंतर्गत बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष रानी सिंह जी द्वारा बताया गया कि संस्था के संस्थापक महेन्द्र वर्मा की इस महान सोच से अब कोई भी बेटी किसी पिता या समाज के लिए बोझ नहीं रहेगी।

इस अवसर पर रानी सिंह ने एफआरसीटी के सहयोग से लाखों बेटियों को 5 लाख तक का सहयोग कराने का लक्ष्य बताया और यह सिलसिला अनवरत चलता रहेगा । प्रदेश संगठन मंत्री अरुण सिंह कुशवाहा ने कहा कि एफआरसीटी परिवार के लगभग 24 हजार सदस्य निर्धारित राशि राजेंद्र कुमार जी के खाते में भेजकर लगभग 1.50 लाख रुपए तक का आर्थिक सहयोग करेंगे।

भौतिक सत्यापन के इस अवसर पर समस्त टीम के सत्यापनकताओं द्वारा बेटी प्रियांका मौर्या को उसके सुखद वैवाहिक जीवन की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई

बताते चलें की एफआरसीटी अपने रजिस्टर्ड सदस्य के साथ हर मुश्किल घड़ी में साथ देने के लिए खड़ा है । जिला अध्यक्ष डॉक्टर रमेश कुमार ने बताया कि ऋक्षळ परिवार की तरफ से 12 बेटियों को सात लाख का सहयोग कराया जा चुका है मई महीने में भी लगभग 19 बेटियों को सहयोग कराया जाएगा । जिला महामंत्री सर्वजीत कुमार सिंह नें बताया कि एफआरसीटी परिवार में रजिस्टर्ड सदस्य को किसी गंभीर बीमारी होने पर 10 लाख तक का सहयोग और बेटी विवाह में 5 लाख तक का सहयोग तथा सदस्य के आकस्मिक निधन हो जाने पर उसके नॉमिनी परिवार को 50 लाख तक का सहयोग करने का लक्ष्य बनाया हुआ है।

जिला कोषाध्यक्ष सरीफ अहमद नें बताया कि 18 से 55 वर्ष के बीच का कोई भी उत्तर प्रदेश का नागरिक या उत्तर प्रदेश में कार्यरत सरकारी कर्मचारी www.frctup.com पर रजिट्रेशन कर सदस्य बन सकता है।

शादी का झांसा देकर लड़का पक्ष से पैसा, जेवरात लेकर फरार हो जाने के प्रकरण में एक अभियुक्ता को किया गया गिरफ्तार।

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-450/2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना रावट्र्सगंज जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित एक नफर अभियुक्ता पुष्पा पत्नी विकास निवासी सलखन नौका टोला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 29 वर्ष जो अपने गिरोह के साथ मिलकर शादी करने हेतु बाहरी लोगो को बुलाकर अपने जाल मे फंसाकर शादी का नाटक करके लड़का पक्ष से पैसा, रुपये एवं जेवरात लेकर फरार हो जाने के सम्बन्ध मे प्राप्त सूचना के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था।आज दिनांक04.05.2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा उक्त अभियुक्ता को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

मप्र उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2025 का विज्ञापन जल्द जारी

वर्ग 3 चयन परीक्षा के लिए विज्ञापन इसी महीने जारी

दैनिक समाज जागरण

भोपालः मध्य प्रदेश में शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है जल्द ही मप्र उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2025 का विज्ञापन जारी होने वाला है एमपीईएसबी के परीक्षा कैलेंडर के अनुसार 15 अक्टूबर 2025 तक नियम पुस्तिका जारी होने की बात कही है और इसकी परीक्षाएं दिसंबर 2025 में आयोजित की जाएगी और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा का भी विज्ञापन मई माह में जारी होने की संभावना है वर्ग 1 की पात्रता परीक्षा दो साल के बाद आने से लाखों की संख्या में अभ्यर्थी आवेदन करेंगे बता दें वर्ग 1 की पात्रता परीक्षा के सफल अभ्यर्थी चयन परीक्षा के लिए पात्र होंगे शिक्षा विभाग में 25000 से ज्यादा रिक्त पद पड़े हुए हैं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 1 लाख पदों पर भर्ती करने की बात कही है इस साल के अंत तक 10000 और फिर अगले साल 10000 पदों पर भर्ती होगी

अतिथि शिक्षकों के नए पंजीयन 2 मई से शुरू

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अतिथि शिक्षकों का पंजीयन 2 मई से शुरू हो गए। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 पोर्टल लॉन्च किया है।नए आवेदकों को पंजीयन कर शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यता के दस्तावेज अपलोड करने होंगे। पहले से पंजीकृत आवेदकों को भी जानकारी अपडेट कर प्रोफाइल लॉक कराना जरूरी होगा। और दस्तावेज अपलोड की अंतिम तारीख 12 मई है। संकुल प्राचार्य 13 मई तक सत्यापन करेंगे। सत्यापन के बाद ही स्कोर कार्ड जनरेट होगा

स्वास्थ बीमा योजना एवं एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट जल्द लागू करें उ0प्र0 सरकार -- राकेश शरण मिश्र

- संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

ब्यूरो चीफ सोनभद्र।
दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। झारखंड प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं लिए भी स्वास्थ बीमा योजना लागू करने के लिए संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। श्री मिश्र ने पत्र में लिखा है कि झारखंड राज्य जो उत्तर प्रदेश के राज्य के कई वर्षो बाद बना और उसने अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ बीमा योजना लागू कर दिया पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के लिए यह अति आवश्यक योजना क्यों नही लागू की जा रही है ये समझ से परे है।

संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने पत्र में अनुरोध किया है कि झारखंड प्रदेश की तरह उत्तर प्रदेश में भी अधिवक्ताओं के लिए जल्द से जल्द स्वास्थ बीमा योजना एवम एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की आवश्यकता है जिसकी मांग उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं द्वारा पिछले कई वर्षों से की जा रही है और जिससे प्रदेश के अधिवक्ताओं के स्वास्थ और जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विशाल रक्तदान शिविर दुद्धी में कई राज्यों के लोगों ने किया रक्तदान

- रक्तदान करना जरूरी ही नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है- सदर विधायक

समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी तहसील परिसर में रविवार को द्वितीय अंतरराष्ट्रीय रक्त क्रांति वीर सम्मान समारोह द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि सदर विधायक रावर्टसगंज भूपेश चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछड़ा क्षेत्र व अशिक्षित होने की वजह से यहां के लोग रक्तदान करने में हिचकते हैं. इस तरह का आयोजन एक पिछड़े इलाके में किया गया. यह बहुत बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि रक्त कहीं फैक्ट्री या दुकान पर नहीं मिलता, बल्कि शरीर से बनता है. इसलिए रक्तदान करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. विशिष्ट अतिथि श्रवण सिंह गोंड़ व रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों से आये सभी रक्तबीरों ने ब्लड डोनेट कर दुद्धी को जागरूक करने का काम किया है. कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन कमलेश मोहन ने किया।

कार्यक्रम से पूर्व भूटान, नेपाल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, लखनऊ, उन्नाव सहित अलग-अलग राज्यों से आए रक्तवीरों ने भव्य रूप से जुलूस निकाल कर नगर भ्रमण किया. दुद्धी नगर भ्रमण के दौरान डीजे के धुन पर नाचते-झूमते लोगों रक्तदान करने का अपील किया. तहसील परिसर में रक्तबीरों ने दुद्धी ब्लड सेंटर को आठ यूनिट राबर्ट्सगंज ब्लड सेंटर को 10 यूनिट ब्लड डोनेट किया. कार्यक्रम के दौरान रामलीला मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न छात्रों ने प्रतिभाग किया. प्रगति फाउंडेशन ट्रस्ट समिति के विकास अग्रहरि ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि पिछले साल पहली बार कार्यक्रम की शुरूआत हुई. इस वर्ष भी स्थानीय दुद्धी नगर के लोगों ने भरपूर सहयोग किया. इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीपक शाह, सुरेंद्र अग्रहरी, अनिल गुप्ता, संतोष गुप्ता, इसहाक खाँ आदि लोग मौजूद रहे. दुद्धी में ब्लड डोनेट के दौरान डॉ वरुणा निधि ने स्वास्थ्य विभाग के टीम के साथ डोनेट कार्यक्रम में जुटे रहे. कार्यक्रम का संचालन अविनाश गुप्ता ने किया।

ब्लड डोनेट कार्यक्रम में शिवकांत त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार पटेल, सुमित कुमार, निरंजन यादव, संतोष गुप्ता, कौसर खान, अंकित मौर्य, शुभम जायसवाल, अभय कुमार, काजल शिखा, अजीत कुमार, नीतू, प्रतिभा देवी, आरती गुप्ता, सोनू जायसवाल, सौम्या तिवारी, मनीषा, शुभम लोंगो ने रक्तदान किया।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा खनन के प्रकरण में वांछित 02 अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व एवं कुशल मार्ग दर्शन मे थाना रावट्र्सगंज पुलिस द्वारा आज दिनांक 04.05.2025 को मु.अ.सं.327/2025 धारा 61(2)ख, 318(4), 336(3), 338, 340(2), 303(2), 317(2) भारतीय न्याय संहिता 2023, 3(1)/58/72(6) उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021, 3/4 खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम 1957, 3 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम से सम्बन्धित अभियुक्त आकाश केशरी पुत्र घनश्याम केशरी निवासी ग्राम खैरटिया थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष एवं मु0अ0सं0 424/2024 धारा 379, 411, 186 भा0दं0वि0 व 3(1),58,72(6) उ0प्र0 उपखनिज परिहार नियमावली एवं 4, 21, 3 खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित अभियुक्त सारनाथ यादव पुत्र राम लखन यादव ग्राम काटा हथिया, थाना चन्दौली जनपद चन्दौली को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया।

सोनभद्र के कोने-कोने तक फैला हुआ है फर्जी अस्पतालों, क्लिनिक, लैब, अल्ट्रासाउंड केंद्र का मकड़जाल- राकेश केशरी

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही के नाम पर करते सिर्फ खानापूर्ति

ब्यूरो चीफ सोनभद्र।
दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय समेत जनपद सोनभद्र के कोने-कोने में अवैध अस्पतालों का मकड़जाल फैला हुआ है। वैसे तो एक अस्पताल खोलने के लिए कई मानकों को पूरा करना पड़ता है,भारतीय चिकित्सा परिषद/राज्य चिकित्सा परिषद से प्रमाण पत्र,डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रासंगिक योग्यता दस्तावेज, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी प्रमाण पत्र,चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान के लिए एनओसी प्रमाण पत्र, अग्निशमन विभाग से एनओसी प्रमाण पत्र, हेल्थकेयर फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर) का प्रमाण पत्र, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एचपीआर) का प्रमाण पत्र, बकायदा बिल्डिंग का नक्शा पास करा कर सारे दस्तावेजों को तैयार करना पड़ता है। लेकिन यहां तो मानकों के विपरीत एक छोटे से कमरे में तथाकथित कुछ डॉक्टर्स के नाम पर पूरे अस्पताल का संचालन किया जा रहा है जबकी जिस डा0का नाम लिखा रहता है वह कभी आते ही नही। यह सब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से साठगांठ बनाकर अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं।जनपद सोनभद्र में फर्जी अस्पतालों, क्लिनिक, अल्ट्रासाउंड केंद्र के खिलाफ लगातार छोटी-बड़ी शिकायतें होती रहती हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच करने के नाम पर मामले को दबा देते हैं और कोई कार्रवाई नहीं होती है। इस तरह के अस्तपताल गरीब और लाचार से उपचार के नाम पर पैसा लिया जाता है हर वर्ष सैकड़ो लोग अप्रशिक्षित अवैध खुद को डा0 बताने वालों के उनके उपचार के वजह से जान चली जाती हैं कई ने इस तरह खिलवाड़ करने वाले ऐसे तमाम अवैध अस्पतालों के खिलाफ मोर्चा खोला था। लेकिन जब रक्षक ही भक्षक बन बैठे तो लोगों को इंसाफ कहां से मिलेगा। ऐसा भी नहीं है कि जनपद में अवैध अस्पतालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। वर्ष के शुरूआती दिनों में कई अवैध अस्पतालों पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कुछ अस्पतालों क्लिनिक, लैब, अल्ट्रासाउंड केंद्र को सील कर दिया जाता है।लेकिन कुछ दिनों बाद ही अस्पताल संचालकों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से साठगांठ स्थापित कर पुनः अस्पतालों का संचालन शुरू कर दिया। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा लगातार निर्देशित किया जाता है कि क्षेत्र में कोई भी अवैध अस्पताल, क्लिनिक, लैब, अल्ट्रासाउंड केंद्र का बिल्कुल संचालन न किया जाए परंतु जनपद के स्वास्थ के जिम्मेदार अधिकारीयों के कोई फर्क नहीं पड़ रहा हैं।विपरीत चल रहे तमाम फर्जी अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड केंद्र, लैब के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए जनपद सोनभद्र में स्वास्थ्य विभाग के इस पुरे मामले को लेकर राकेश केशरी सामाजिक कार्यकर्ता नें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को पत्र भेज जांच व कार्यवाही की मांग की। जनपद में तमाम नियम विरुद्ध अस्पताल स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से चलवाया जा रहा है। जो बिल्कुल अवैध है और विभागीय अधिकारियों से इन अवैध संचालन करने वालों को संरक्षण प्राप्त है।

एमपी आबकारी आरक्षक की परीक्षाएं 15 जुलाई से, 253 पद के लिए 2 लाख से ज्यादा आवेदन

समूह-1 उपसमूह-3 भर्ती परीक्षा से हटाए 28 पद

भोपालः कर्मचारी चयन मंडल द्वारा एमपी आबकारी आरक्षक के सीधी एवं बैकलॉग पदो के लिए परीक्षा 5 जुलाई से आयोजित होगी इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक लिए गए थे बताया जा रहा है कि इस भर्ती में लगभग 2 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरे हैं यह भर्ती 253 पदों पर होगी इसके एडमिट कार्ड जून के अंतिम सप्ताह में जारी हो सकते हैं आपको बता दें एमपी आबकारी आरक्षक भर्ती के लिए परीक्षा 5 जुलाई से दो पालियों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक और दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित होगी। और यह परीक्षाएं 15 से 20 दिन तक हो सकती है

समूह-1 उपसमूह-3 भर्ती परीक्षा से हटाए 28 पद

आपको बता दें मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने समूह-1 उपसमूह-3 की संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 से जुड़े 28 पदों को हटा दिया है इसकी जानकारी एमपीईएसबी ने 2 मई को दी है एमपीईएसबी ने बताया कि मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल के पत्र के अनुसार पोस्ट कोड-06 वैज्ञानिक के 18 और पोस्ट कोड-07 अनुभाग अधिकारी के 2 पद हटाए गए हैं। और नगर पालिका निगम इंदौर के पत्र के अनुसार पोस्ट कोड-10 सहायक ई-गवर्नेंस अधिकारी के 8 पद भी में विलोपित किए गए हैं। इस प्रकार से 28 पद विलोपित किए गए हैं इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 157 पदों पर नियुक्ति प्रस्तावित थी अब 129 पद भरे जाएंगे इस परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। परीक्षा 15 मई से शुरू होगी

नाली जाम होने के कारण लोगों का आना जाना हुआ दूभर, नगर पंचायत कुंभकर्णी निंद्रा में लीन

ऊर्जांचल संवाददाता मु० हफीज फुलील। दैनिक समाज जागरण

अनपरा/ सोनभद्र। अनपरा नगर पंचायत वार्ड नंबर 12 श्यामा प्रसाद नगर में नाली जाम होने से पानी सड़क पर लगा है। बासाह भाई, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, डा0 केसरी, अजमत खांन, राकेश, श्यामलाल गुप्ता इन लोगों ने कहा कि शक्ति नगर वाराणसी रोड काशी मोड़ पर बीस रोज से पानी लगा है लेकिन कोई नगर पंचायत का अधिकारी कर्मचारी संज्ञान नहीं ले रहा है जबकि मुख्य मार्ग है कभी भी बड़ी घटना हो सकती है

जिला संविदा श्रमिक यूनियन सीटू के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र पाल ने कहा कि काशी मोड़ पर स्वच्छता का पोल खोल रहा सरेआम रोड़ पर नाली का पानी भरा है, कृति मेडीकल के सामने नाली का गन्दा पानी बह रहा है मोटर साइकिल, साईकिल पैदल चलने वाले लोगों पर छिंटा पड़ रहा वार्ड नंबर 12 के अधिकतर लोगों का इधर से ही आना-जाना है। लोगों के शिकायत के बाद भी नगर पंचायत के आला अधिकारी बेफिक्र होकर सोए हैं जहां पानी भरा है वहां कई बार घटना भी हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि अनपरा नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी तत्काल संज्ञान लेकर नाली सही कराएं नहीं तो जनता सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी।

रोड लाइट लदी मैजिक पलटने से 16 वर्षीय कामगार की मौत

समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के बरहपान गांव में शनिवार की रात अनियंत्रित मैजिक पलटने से रोडलाइट के नाबालिग मजदूर की सड़क हादसे में मौत हो गई. इसके अलावा तीन अन्य नाबालिग मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. दुर्घटना के दौरान सभी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी में चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि बरहपान गांव में शनिवार की रात करीब तीन बजे रोडलाइट के नाबालिग मजदूर मैजिक पिकअप से अपने गांव के लिए लौट रहे थे उसी दौरान मैजिक अनियंत्रित होकर पलट गई. जिसमें बैठे नाबालिग मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलो को ग्रामीणों ने सीएचसी दुद्धी में भर्ती कराया. इलाज के दौरान एक नाबालिग मजदूर बलराम 16 पुत्र नंदलाल निवासी नौडीहा की मौत हो गई. घायलवस्था में रविकांत 15 पुत्र वंश गोपाल, प्रवीण पुत्र अर्जुन, सुरज पनिका 13 पुत्र रामनारायण का उपचार जारी है.

चोपन पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट में वांछित एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।

दैनिक समाज जागरण

चोपन/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 112/2025 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर अधिनियम मे वांछित अभियुक्त रत्नेश कुमार कुशवाहा पुत्र नान्हू कुशवाहा निवासी घिवही थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 33 वर्ष को आज दिनांक 04.05.2025 को समय 04.40 बजे मुखबीर की सूचना पर ग्राम परास पानी मोड़ (अन्नपूर्णा ढाबा) थाना चोपन जनपद सोनभद्र से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ब्लॉक प्रमुख ने इंटरलॉकिंग सड़क का किया लोकार्पण

ब्यूरो चीफ सोनभद्र। दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत मुठेर में रविवार को सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया गया।

वही सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि पंचम राज वित्त 15वां वित्त आयोग योजना अंतर्गत अनुसूचित बस्ती कन्हैया के घर से धनेश्वर के दुकान तक संपर्क मार्ग कालोकार्पण किया गया है जिससे आमजन को आने जाने में सुविधा उपलब्ध हो सके वहीं सदर ब्लाक प्रमुख में बताया कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र में सड़क पानी लाइट व सरकारी योजनाओं को हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है भाजपा सरकार सबके साथ सबका विकास सबके विश्वास के साथ विकास कार्य कर रही वही श्री प्रमुख ने बताया कि और आसपास के गांव में विकास कार्यों को लेकर कार्य तेजी पूर्वक कराया जा रहे हैं जल्दी उनके भी लोकार्पण किया जाएंगे। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य अवधेश चतुर्वेदी रामकेश राजन गुप्ता शेषनाथ शंकर धनेश्वर राजकुमार चंदन सोनू संतोष आज लोग मौजूद रहे।

Israel के तेल अवीव जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट का मार्ग परिवर्तित

बयान में कहा गया, 'उड़ान को अबू धाबी में सुरक्षित उतारा गया और जल्द ही यह दिल्ली वापस लौटेगी। इजराइल के तेल अवीव हवाई अड्डे के पास हुए हवाई हमले के कारण दिल्ली से तेल अवीव जा रही एयर इंडिया की उड़ान का रविवार को सुरक्षा कारणों से अबू धाबी की ओर मार्ग परिवर्तित किया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। विमानन कंपनी ने तेल अवीव की उड़ानें छह मई तक निलंबित कर दी हैं।

सूत्रों ने बताया कि यह हमला एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई139 के तेल अवीव में उतरने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुआ। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, ह्लचार मई 2025 को दिल्ली से तेल अवीव जा रही एयर इंडिया की उड़ान एआई 139 का आज सुबह बेन गुरियन हवाईअड्डे पर हुई घटना के बाद अबू धाबी की ओर मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है। बयान में कहा गया, ह्यउड़ान को अबू धाबी में सुरक्षित उतारा गया और जल्द ही यह दिल्ली वापस लौटेगी।ह्व विमानन कंपनी ने कहा कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल अवीव से उसकी उड़ानें तत्काल प्रभाव से छह मई तक निलंबित रहेंगी। रविवार को तेल अवीव से दिल्ली के लिए एयर इंडिया की उड़ान रद्द कर दी गई है।

एयर इंडिया ने कहा कि चार से छह मई के बीच जिन यात्रियों के पास तेल अवीव के लिए वैध टिकट हैं, उन्हें एक बार के लिए अपनी यात्रा की तारीख बदलने की छूट या फिर रद्दीकरण पर पूरा पैसा वापस दिया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में विकसित जीनोम संपादित चावल की दो किस्मों की घोषणा

भारत जीनोम संपादित चावल की किस्में विकसित करने वाला दुनिया का पहला देश बना

नई जीनोम किस्में अधिक उत्पादन, जलवायु अनुकूलता और जल संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती हैं- श्री शिवराज सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धिङ्ग श्री शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि अनुसंधान को मिली नई दिशा- श्री शिवराज सिंह चौहान

कृषि क्षेत्र के लिए नई किस्मों का लोकार्पण स्वर्णिम अवसरङ्ग श्री शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प में किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहे है- श्री शिवराज सिंह

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नई दिल्ली स्थित भारत रत्न सी सुब्रह्मण्यम ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में, देश में विकसित विश्व की पहली दो जीनोम संपादित चावल की किस्मों की घोषणा की और वैज्ञानिक शोध की दिशा में नवाचार की शुरूआत की। बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों और किसानों ने कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दोनों किस्मों के अनुसंधान में योगदान करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। डीआरआर धान 100 (कमला) के अनुसंधान में योगदान के लिए डॉ. सत्येंद्र कुमार मंगरौठिया, डॉ. आर.एम सुंदरम, डॉ. आर. अब्दुल फियाज, डॉ. सी. एन. नीरजा और डॉ. एस. वी. साई प्रसाद तथा पूसा डीएसटी राइस के लिए डॉ. विश्वनाथन सी, डॉ. गोपाल कृष्णनन एस, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. शिवानी नागर, डॉ. अर्चना वत्स, डॉ. सोहम रे, डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. प्रांजल यादव व अन्य संयोजकों जिसमें श्री राकेश सेठ, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह और श्री सत्येंद्र मंगरौठिया को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का विकसित भारत का संकल्प पूरा हो रहा है और किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहे है। आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री जी ने कृषि की चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान किया था, उन्हीं के शब्दों को प्रेरणा का रूप देते हुए आईसीएआर के वैज्ञानिकों ने नई किस्सों का इजाद कर कृषि क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने कहा कि इन नई फसलों के विकसित होने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, साथ ही पर्यावरण के संदर्भ में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। इससे न केवल सिंचाई जल में बचत होगी, बल्कि ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन से पर्यावरण पर पड़ने वाले दबाव में भी कमी आएगी यानी आम के आम और गुठलियों के दाम के समान लाभ पहुंचेगा। श्री चौहान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था जय जवान, जय किसान, उसमें आगे अटल जी ने जोड़ा जय विज्ञान और हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने जोड़ा जय अनुसंधान। श्री चौहान ने कहा कि आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, पोषणयुक्त उत्पादन बढ़ाने और देश के साथ-साथ दुनिया के लिए खाद्यान्न की व्यवस्था करते हुए भारत को फूड बास्केट बनाने के ध्येय से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें गर्व हैं कि हम बेहतरीन काम कर रहे हैं, वैज्ञानिक बधाई के पात्र भी है, उन्नत प्रयासों का ही परिणाम है कि आज हम 48 हजार करोड़ का बासमती चावल बाहर निर्यात कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि सोयाबीन, अरहर, तूअर, मसूर, उड़द, ऑयल सीड की किस्मों सहित दलहन और तिलहन के उत्पादन की दिशा में वृद्धि के लिए हमें और आगे कदम बढ़ाना होगा। श्री चौहान ने यह भी कहा कि हमें माइनस 5 और प्लस 10 के फॉमूर्ले को अपनाते हुए काम करना होगा। इस फॉमूर्ले का मतलब है 5 मिलियन (50 लाख) हेक्टेयर चावल का एरिया कम करना है और 10 मिलियन (एक करोड़) टन चावल का उत्पादन उतने एरिया में ही बढ़ाना है। इस उद्देश्य से काम करने से जो क्षेत्रफल बचेगा, उसमें दलहन और तिलहन की खेती पर जोर दिया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि किसान भाई-बहनों विशेषकर युवा किसान से आह्वान करता हूं कि उन्नत खेती के लिए सामने आएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि अनुसंधान को किसानों तक ले जाना होगा। कृषि वैज्ञानिक और किसान एक हो जाएंगे तो चमत्कार होगा। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री भागीरथ चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर विचार व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट, आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम, आईसीएआर के पूर्व निदेशक डॉ. अशोक कुमार सिंह, आईसीएआर के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, उप निदेशक डॉ. विश्वनाथन भी शामिल रहें।

पृष्ठभूमिः

आईसीएआर ने भारत की पहली जीनोम-संपादित चावल की किस्में- डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी राइस 1 विकसित की हैं। ये किस्में अधिक उत्पादन, जलवायु अनुकूलता और जल संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती हैं। इन नई किस्मों को जीनोम संपादन तकनीक (सीआरआईएसपीआर-कैस) आधारित जीनोम एडिटिंग तकनीक से विकसित किया गया है, जिससे जीवों के मूल जीन में सूक्ष्म बदलाव किए जाते हैं, और कोई विदेशी डीएनए नहीं जोड़ा जाता। एसडीएन 1 और एसडीएन 2 प्रकार के जीनोम एडिटिंग को सामान्य फसलों के अंतर्गत भारत सरकार के जैव सुरक्षा नियमों के तहत मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। आईसीएआर ने 2018 में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान निधि के अंतर्गत दो प्रमुख धान की किस्मों- सांबा महसूरी और एमटीयू 1010- को बेहतर बनाने हेतु जीनोम एडिटिंग अनुसंधान आरंभ किया था। इसका परिणाम हैं दो उन्नत किस्में, जो निम्नलिखित लाभ प्रदान करती हैं: उपज में 19% तक वृद्धि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 20% तक की कमी सिंचाई जल की 7,500 मिलियन घन मीटर की बचत सूखा, लवणता व जलवायु दबाव के प्रति बेहतर सहनशीलता डीआरआर धान 100 (कमला) की किस्म को आईसीएआर-आईआईआरआर, हैदराबाद द्वारा विकसित गया है। सांबा महसूरी (बीपीटी 5204) के जरिए यह किस्म विकसित की गई है। जिसका उद्देश्य प्रति बाली अनाज की संख्या बढ़ाना है। इसकी फसल 20 दिन पहले पकती है (प्त130 दिन) और अनुकूल परिस्थितियों में 9 टन/हेक्टेयर तक उपज की क्षमता रखती है। कम अवधि होने के कारण इस किस्म की खेती में पानी एवं उर्वरकों की बचत करने और मीथेन गैस के उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। इसका तना मजबूत है तथा गिरती नहीं। यह किस्म में चावल की गुणवत्ता में मूल किस्म यानी सांबा महसूरी जैसी हैं। दूसरी किस्म, पूसा डीएसटी राइस 1 को आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा विकसित किया गया है। यह एमटीयू 1010 किस्म पर आधारित है। यह किस्म खारे व क्षारीय मिट्टी में 9.66% से 30.4% तक उपज में वृद्धि करने में सक्षम है और 20% तक उत्पादन बढ़ने की क्षमता। यह किस्में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल (जोन VII), छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश (जोन V), ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल (जोन III) राज्यों के लिए विकसित की गई है। इन किस्मों का विकास विकसित भारत के लक्ष्य एवं सतत कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार ने बजट 2023-24 में कृषि फसलों के लिए 500 करोड़ रुपये जीनोम एडिटिंग हेतु आवंटित किए हैं। आईसीएआर द्वारा तिलहन व दलहनों सहित कई फसलों में जीनोम एडिटिंग अनुसंधान आरंभ किए जा चुके हैं।

खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दिल्ली में फिट इंडिया संडे पर शिक्षकों के साथ विशेष कार्यक्रम में 750 प्रतिभागियों का साइकिल पर नेतृत्व किया

ओलंपियन पहलवान रवि दहिया और दीपक पुनिया राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों के साथ शामिल हुए

मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में रविवार की सुबह फिटनेस और प्रेरणा समारोह मनाया गया। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के इस नवीनतम संस्करण में शिक्षकों, एथलीटों, फिट इंडिया इंफ्लुएंसर्स और फिटनेस प्रेमियों सहित 750 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान का नेतृत्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। उन्होंने केंद्रीय खेल सचिव श्री हरि रंजन राव के साथ राष्ट्रीय स्तर की कई हस्तियों के साथ साइकिल चलाई जिनमें टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया, ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दीपक पुनिया, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रोहताश चौधरी (भारत के पुश-अप मैन) और प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र कुमार शामिल थे, जिन्होंने हाल ही में 12 दिनों के रिकॉर्ड समय में 8091 मीटर की ऊंचाई पर विश्व के 10वें सबसे ऊंचे पर्वत माउंट अन्नपूर्णा पर विजय प्राप्त की है। इस सप्ताह का विषय शिक्षकों के साथ साइकिल चलाना था। इस कार्यक्रम में विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों सहित शहर भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, मार्गदर्शक और अकादमिक प्रशिक्षक शामिल हुए।

शिक्षक हमारे छात्रों के नायक होते हैं और अब आपको विकसित भारत के लिए नायक बनना होगा। आप सभी साइकिल चलाना एक फैशन बना सकते हैं और मैं सभी शिक्षकों से आग्रह करता हूं कि वे खुद भी साइकिल का उपयोग करना शुरू करें और छात्रों से भी यही करने को कहें। हम डिजिटल युग में हैं लेकिन हमें अपनी शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार करने की आवश्यकता है। इसलिए, हमें डिजिटल गतिविधि से शारीरिक गतिविधि में बदलाव करना होगा। डॉ. मांडविया ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा- इससे मोटापे के विरुद्ध लड़ाई का मिशन और स्वस्थ भारत एवं विकसित भारत के हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना आकार लेगी। इस रविवार का कार्यक्रम हमारे सम्मानित भागीदारों - साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), माई भारत और राज्य सरकारों के सहयोग से शिक्षकों के साथ आयोजित किया गया था। विशेष भागीदारों में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई), दिल्ली विश्वविद्यालय , सीबीएसई और सीआईएससीई बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय, नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस, नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, योगासन इंडिया, इंडियन रोप स्किपिंग फाउंडेशन और अन्य शामिल थे। कुश्ती सितारे रवि दहिया और दीपक पुनिया ने भीड़ को प्रोत्साहित करते हुए युवाओं और शिक्षकों से शारीरिक फिटनेस को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का आग्रह किया। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया ने कहा, ह्यह्ययह हमारी सरकार द्वारा शुरू किया गया एक बहुत ही महत्वपूर्ण आंदोलन है, ताकि शारीरिक फिटनेस पर पूरा ध्यान दिया जा सके। ह्यशरीर शक्तिमान है (आपका शरीर सबसे शक्तिशाली चीज है) और इस मंत्र को ध्यान में रखते हुए, सभी को दिन में कम से कम 1-2 घंटे साइकिल चलानी चाहिए। टोक्यो ओलंपिक में पदक से चूकने वाले दीपक पुनिया ने कहा, मैं वास्तव में इस आंदोलन की सराहना करता हूं क्योंकि यह एक सराहनीय पहल है और मेरा मानना है कि सभी को साइकिल चलाना चाहिए क्योंकि यह फिटनेस को बढ़ावा देता है और प्रदूषण मुक्त भारत में योगदान देता है। इस कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार भी मौजूद थे जो माउंट अन्नपूर्णा अभियान से हाल ही में लौटे थे। मेरा मानना है कि साइकिल चलाना बेहतर स्वास्थ्य के लिए एक बेहतरीन शुरूआत है। रविवार को साइकिल चलाना इसे बढ़ावा देने का एक बेहतरीन तरीका है। मेरे लिए माउंट अन्नपूर्णा पर चढ़ना निःसंदेह मुश्किल था लेकिन फिटनेस के लिए लगातार प्रयास करने से यह संभव हो पाया। यह अभियान भी यही संदेश देता है। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल की शुरूआत दिसंबर 2024 में हुई थी, तब से अब तक 5000 से ज्यादा जगहों से 2.5 लाख लोगों ने इसमें हिस्सा लिया है। साइकिलिंग अभियान के व्यापक विस्तार ने इस आयोजन को अंडमान और निकोबार, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और लक्षद्वीप जैसे स्थानों तक पहुंचाया है। एसएआई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई), एसएआई के प्रशिक्षण केंद्रों, एसएआई के विस्तार केंद्रों, खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) और खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों (केआईएससीई) सहित अन्य की ओर से बड़े पैमाने पर भागीदारी के साथ पूरे देश में एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

एपीडा ने कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की निर्यात वृद्धि रणनीति पर विचार किया, हितधारकों को चिंतन शिविर के लिए बुलाया

सरकार भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए ढुलाई संबंधी बाधाओं को कम करने और बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैः श्री सुनील बर्थवाल, सचिव, वाणिज्य विभाग सरकार भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की ढुलाई संबंधी बाधाओं को कम करने और बाजार तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात वाणिज्य विभाग के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने नई दिल्ली में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय चिंतन शिविर में अपने संबोधन में कही। श्री बर्थवाल ने कहा कि ह्यह्यशैक्षणिक और शोध संस्थानों को बहुक्षेत्रीय परामर्श का हिस्सा होना चाहिए ताकि अनुसंधान और विकास कृषि निर्यात में नवाचार और स्थिरता के लिए एक प्रमुख केंद्र बन सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि कृषि उत्पादन और उत्पादकता दोनों ही समय की जरूरत हैं। उन्होंने सत्रों के दौरान चर्चा किए गए विचारों और रणनीतियों पर आगे विचार-विमर्श करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। परामर्श वार्ता में केंद्र सरकार, केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, नीति विशेषज्ञ, कृषि व्यापार और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र के उद्योग क्षेत्र के प्रमुख भारत से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए। चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र की सह-अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के सचिव श्री सुनील बर्थवाल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) के सचिव श्री सुब्रत गुप्ता ने की। इस सत्र में वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव श्री राजेश अग्रवाल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की अपर सचिव श्रीमती वर्षा जोशी और केंद्र एवं राज्य सरकारों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, नीति निमार्ता और उद्योग जगत के प्रमुख भी उपस्थित थे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) के सचिव श्री सुब्रत गुप्ता ने अपने आरंभिक भाषण में सतत निर्यात वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और मूल्य संवर्धन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय मानदंडों, टैरिफ योजनाओं के अनुरूप बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी मानकों को विकसित करने के लिए और केंद्र सरकार, राज्य सरकार, विभिन्न विभागों और उद्योग हितधारकों के बीच अधिक तालमेल की आवश्यकता है। उन्होंने प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात के लिए प्रमुख संभावित उत्पादों और क्षेत्रों जैसे अल्कोहल युक्त पेय पदार्थ, न्यूट्रास्युटिकल्स और मूल्य वर्धित उत्पादों का उल्लेख किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने भारत की कृषि-निर्यात क्षमता को साकार करने में केंद्र सरकार, राज्य सरकार, उद्योग हितधारकों और कृषक समुदायों के बीच तालमेलपूर्ण प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने नए कृषि, प्रसंस्कृत खाद्य और मूल्य वर्धित उत्पादों को नए क्षेत्रों में ले जाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक तालमेलपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह चिंतन शिविर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा एपीडा द्वारा वाणिज्य भवन में आयोजित अपनी तरह का पहला सहयोगात्मक संवाद है। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योग जगत के प्रमुखों तथा संबंधित मंत्रालयों के 70 से अधिक हितधारकों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में देश भर के 14 राज्यों अर्थात आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल ने भाग लिया। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र के उद्योग जगत के प्रमुखों में एलटी फूड्स, केआरबीएल, अमूल, ऑर्गेनिक इंडिया, आईटीसी, मीट्जा, सुगुना फूड्स, कैबी, टीपीसीआई, ऑर्गेनिक इंडिया, एलानासन्स, फेयर एक्सपोर्ट्स, एचएमए एक्सपोर्ट्स आदि शामिल थे। शिविर में पांच समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। यह सत्र विशिष्ट कृषि-व्यापार वस्तुओं और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पर केंद्रित थे जो निम्नानुसार थेः बासमती और गैर-बासमती चावल : पंजाब, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों के साथ-साथ एलटी फूड्स और केआरबीएल जैसे उद्योग दिग्गजों ने भी इस पर चर्चा की। चर्चा में भारतीय चावल के लिए निर्यात बाधाओं, वित्तीय और नीतिगत सहायता और ब्रांडिंग रणनीतियों पर चर्चा की गई पशु उत्पादः मूल्य श्रृंखला में सुधार और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन रणनीतियों की पहचान करने के लिए प्रमुख निर्यातकों और राज्य प्रतिनिधि एक साथ आए।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के साथ-साथ केबी जैसी कंपनियों की भागीदारी के साथ उद्यानिकी ने गुणवत्ता बढ़ाने, ढुलाई में सुधार करने और उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ : इसमें ब्रिटानिया और हल्दीराम जैसे हितधारकों को शामिल किया गया जो मूल्य संवर्धन, विनियामक सुव्यवस्थितीकरण और वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों की ब्रांडिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जैविक उत्पादः ऑर्गेनिक इंडिया, अमूल, आईटीसी और एफएसएसएआई जैसी नियामक संस्थाओं के योगदान से वैश्विक जैविक बाजारों में भारत की उपस्थिति बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने वेव्स 2025 में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र पर प्रमुख ज्ञान रिपोर्ट जारी की; वैश्विक रचनात्मक महाशक्ति के रूप में भारत के उदय पर प्रकाश डाला

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कल मुंबई में चल रहे वेव शिखर सम्मेलन में पांच महत्वपूर्ण रिपोर्टें जारी कीं, जो सामूहिक रूप से भारत के गतिशील और तेजी से विकसित हो रहे मीडिया और मनोरंजन पारिस्थितिकी तंत्र का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करती हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा तैयार की गई ये रिपोर्टें क्रिएटर अर्थव्यवस्था, सामग्री उत्पादन, कानूनी ढांचे, लाइव इवेंट उद्योग और डेटा-समर्थित नीति समर्थन के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। मीडिया और मनोरंजन पर सांख्यिकीय पुस्तिका 2024-25 सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा तैयार की गई सांख्यिकी पुस्तिका डेटा-संचालित नीति और निर्णय लेने के लिए एक आवश्यक संसाधन के रूप में कार्य करती है। यह क्षेत्रीय रुझानों, दर्शकों के व्यवहार, राजस्व वृद्धि पैटर्न और क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्रक्षेपवक्र को दशार्ता है। यह पुस्तिका भविष्य की नीति निर्माण और उद्योग रणनीतियों को सूचित करने और मार्गदर्शन करने के लिए तैयार की गई है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अनुभवजन्य साक्ष्य और व्यावहारिक वास्तविकताओं पर आधारित रहें। पुस्तिका की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैंः पीआरजीआई के साथ पंजीकृत प्रकाशनः 1957 में 5,932 से बढ़कर 2024-25 में 154,523 हो गए, जिसमें चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 4.99 प्रतिशत थी। प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकेंः 2024-25 में बाल साहित्य, इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम, विज्ञान, पर्यावरण और जीवनी जैसे विषयों पर 130 पुस्तकें प्रकाशित की जाएंगी। दूरदर्शन फ्री डिशः 2004 में 33 चैनलों से 2025 में 381 तक विस्तार किया जाएगा। डीटीएच सेवाः मार्च 2025 तक 100 प्रतिशत भौगोलिक कवरेज हासिल करना। ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर): अब यह भारत की 98 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच जाएगा (मार्च 2025 तक)। आकाशवाणी स्टेशनों की संख्या

2000 में 198 से बढ़कर 2025 में 591 हो जाएगी। निजी सैटेलाइट टीवी चैनलः 2004-05 में 130 से बढ़कर 2024-25 में 908 हो जाएंगे। निजी एफएम स्टेशनों की संख्या 2001 में 4 से बढ़कर 2024 तक 388 हो जाएगी; रिपोर्ट में 31 मार्च 2025 तक का राज्यवार ब्यौरा दिया गया है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन (सीआरएस): 2005 में 15 से बढ़ाकर 2025 में 531 किया जाएगा, जिसमें राज्य/ जिला/ स्थानवार विवरण शामिल होगा। फिल्म प्रमाणनः प्रमाणित भारतीय फीचर फिल्मों की संख्या 1983 में 741 से बढ़कर 2024-25 में 3,455 हो गई, जिसमें 2024-25 तक कुल 69,113 फिल्में प्रमाणित होंगी। फिल्म क्षेत्र का विकासः इसमें पुरस्कारों, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों और एनएफडीसी द्वारा निर्मित वृत्तचित्रों के आंकड़े शामिल हैं।

डिजिटल मीडिया और क्रिएटर इकोनॉमीः इसमें वेव्स ओटीटी के अंतर्गत उपलब्धियां, भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना और क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) को शामिल किया गया है। ऐतिहासिक घटनाक्रमः इसमें सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां शामिल हैं, जिनमें पीआरजीआई, आकाशवाणी, दूरदर्शन, इनसैट आधारित टीवी सेवाएं और निजी एफएम रेडियो की स्थापना शामिल है। कौशल पहलः मंत्रालय के अंतर्गत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की जानकारी। व्यवसाय करने में आसानीः मीडिया और सामग्री निमार्ताओं के लिए सरलीकृत और पारदर्शी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए उपाय लागू किए गए। 'कंटेंट से कॉमर्स तकः भारत की क्रिएटर अर्थव्यवस्था का मानचित्रण' - बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट रिपोर्ट डिजिटल युग में भारत की क्रिएटर अर्थव्यवस्था के अभूतपूर्व पैमाने और प्रभाव पर प्रकाश डालती है। 2 से 2.5 मिलियन सक्रिय डिजिटल क्रिएटर्स के साथ, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्रिएटर इकोसिस्टम में से एक है। ये क्रिएटर पहले से ही सालाना उपभोक्ता खर्च में 350 बिलियन डॉलर से ज्यादा को प्रभावित करते हैं - यह आंकड़ा 2030 तक तीन गुना बढ़कर 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होने का अनुमान है। रिपोर्ट में हितधारकों से संख्यात्मक मीट्रिक से परे देखने और कहानीकार, संस्कृति-निमार्ता और आर्थिक चालक के रूप में रचनाकारों की उभरती भूमिका को स्वीकार करने का आग्रह किया गया है। व्यवसायों के लिए, इस बदलाव का मतलब है लेन-देन संबंधी प्रभावशाली जुड़ाव से दूर जाना और प्रामाणिकता, विश्वास और रचनात्मक दक्षता पर आधारित दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण करना। अर्नस्ट एंड यंग द्वारा 'ए स्टूडियो कॉल्ड इंडिया' - भारत को एक वैश्विक कंटेंट हब के रूप में देखता है रिपोर्ट भारत को सिर्फ.कंटेंट का उपभोग करने वाले देश के रूप में ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए एक स्टूडियो के रूप में भी पेश करती है। यह भारत की ह्यशक्ति - भाषाई विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि और तकनीकी रूप से निपुण प्रतिभाओं को रेखांकित करती है - जो देश को सीमाओं से परे कथाएं लिखने की स्थिति में रखती हैं। भारत एनीमेशन और वीएफएक्स सेवाओं में 40 प्रतिशत से 60 प्रतिशत लागत लाभ प्रदान करता है, जिसे एक बड़े, कुशल कार्यबल द्वारा समर्थित किया जाता है। रिपोर्ट में भारतीय कहानी कहने की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अपील पर भी ध्यान दिया गया है, जिसमें भारतीय ओटीटी सामग्री पर 25 प्रतिशत तक व्यू अब विदेशी दर्शकों से आते हैं। यह घटना केवल व्यावसायिक नहीं है - यह सांस्कृतिक कूटनीति का एक क्षण दशार्ती है, जिसमें भारत की कहानियाँ महाद्वीपों में भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध बना रही हैं।

खेतान एंड कंपनी द्वारा 'लीगल करेंट्सः ए रेगुलेटरी हैंडबुक ऑन इंडियाज मीडिया एंड एंटरटेनमेंट सेक्टर 2025' यह मानते हुए कि रचनात्मकता को विनियामक स्पष्टता से पूरा किया जाना चाहिए, खेतान एंड कंपनी ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के लिए एक विस्तृत कानूनी और विनियामक पुस्तिका तैयार की है। निमार्ताओं, स्टूडियो, प्रभावशाली व्यक्तियों और प्लेटफॉर्म के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में तैयार की गई इस पुस्तिका में कई प्रमुख कानूनी मुद्दों को शामिल किया गया है जैसेः घरेलू और विदेशी दोनों संस्थाओं के लिए अनुपालन मानदंड अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के लिए प्रोत्साहन योजनाएं प्रभावशाली मार्केटिंग और डिजिटल सामग्री से संबंधित कानूनी ढांचे
गेमिंग क्षेत्र में जीएसटी सहित परिभाषाएं और कराधान निहितार्थ
सेलिब्रिटी अधिकारों का संरक्षण
एआई-जनित सामग्री के नैतिक विचार और विनियामक उपचार
इस पुस्तिका का उद्देश्य हितधारकों को रचनात्मक अर्थव्यवस्था में आत्मविश्वासपूर्ण, अनुपालनपूर्ण और जिम्मेदार सहभागिता के लिए उपकरण प्रदान करना है। भारत के सीधा कार्यक्रम उद्योग पर श्वेतपत्र
भारत के सजीव कार्यक्रम उद्योग पर श्वेत पत्र इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि और बदलते उपभोक्ता गतिशीलता पर प्रकाश डालता है। 15 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि दर के साथ, उद्योग ने अकेले 2024 में 13 बिलियन का राजस्व जोड़ा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग पांच लाख प्रशंसक अब कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शहरों के बीच यात्रा कर रहे हैं, जो भारत में इवेंट-आधारित पर्यटन के उदय को पुष्टि करता है। प्रीमियम और क्यूरेटेड अनुभवों की मांग बढ़ रही है, और शिलांग, वडोदरा और जमशेदपुर जैसे टियर-2 शहर सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

इस गति को समर्थन देने और बढ़ाने के लिए श्वेतपत्र में निम्नलिखित की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया हैः उन्नत इवेंट बुनियादी ढांचा
सुव्यवस्थित एवं सरलीकृत लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अधिक सशक्त एवं पारदर्शी संगीत अधिकार ढांचे
एमएसएमई और रचनात्मक अर्थव्यवस्था नीतियों के तहत लाइव इवेंट क्षेत्र को औपचारिक मान्यता।

रिपोर्ट में भारत को वैश्विक सांस्कृतिक क्षेत्र में सिर्फ एक दर्शक के रूप में नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियों में एक प्रमुख मंच के रूप में रणनीतिक रूप से पुनःपरिकल्पित करने का आह्वान किया गया है।

इस लॉन्च कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, एमआईबी के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्री आरके जेना, एमआईबी की संयुक्त सचिव श्रीमती मीनू बत्रा और एमआईबी के संयुक्त सचिव तथा एनएफडीसी के एमडी श्री पृथुल कुमार शामिल हुए। नॉलेज पार्टनर्स का प्रतिनिधित्व करते हुए बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं पार्टनर श्री विपिन गुप्ता, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की पार्टनर सुश्री पायल मेहता, अर्न्स्ट एंड यंग के पार्टनर श्री आशीष फेरवानी, अर्न्स्ट एंड यंग के पार्टनर श्री अमिय स्वरूप, अर्न्स्ट एंड यंग के पार्टनर सुश्री तनु बनर्जी, खेतान एंड कंपनी की टेक्नोलॉजी एवं मीडिया पार्टनर श्री ईशान जौहरी, खेतान एंड कंपनी के पार्टनर श्री विनोद जनार्दन, इवेंट्सएफएक्यू लाइव के निदेशक श्री दीपक चौधरी भी मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

लघु उद्योग भारती संगठन को मजबूत बनाने का लिया गया संकल्प

समाज जागरण

शहडोल। लघु जोग भारती उद्यमियों के हितों की रक्षक है और इसे उसी रूप में कार्य भी करना चाहिए। इसे विमर्श का एक ऐसा मंच बनाया जाना चाहिए जहां उद्यमी अपनी समस्याओं को रखें और उन्हें उसका समाधान मिल सके। उक्ताशय के विचार कटनी से पधारे हरि सिंह भदोरिया ने व्यक्त किया। उन्होंने लघु उद्योग भारती शहडोल जिले की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों के लिए संगठन की जिम्मेदारी अध्यक्ष के तौर पर एक बार फिर देवेंद्र गुप्ता को सौंप जा रही है ।कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि वह लघु उद्योग भारती को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे और उद्यमियों का एक ऐसा संगठन तैयार करेंगे जहां हर किसी को अपनी समस्याओं का समाधान मिल सके। कार्यक्रम के दौरान जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के सेवानिवृत मुख्य महाप्रबंधक अजय श्रीवास्तव ने संभाग में औद्योगिक विकास को लेकर अपने सुझाव रखे, साथ ही उन कमियों पर भी प्रकाश डाला जिसकी वजह से औद्योगिक विकास नहीं हो पा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मंच पर जसवीर सिंह,मनीष, सुशील सिंघल, अजय श्रीवास्तव, रत्नानी उपस्थित रहे।

इन्हें सौंपी जिमेदारी

कार्यक्रम में सर्वसम्मति से नई ईकाई में देवेंद्र गुप्ता अध्यक्ष, रविंद्र गुप्ता सचिन, सुशील खोडियार, उपाध्यक्ष, कमल जाजू उपाध्यक्ष, निलेश वैद्य को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। यह भी बताया गया कि इकाई का विस्तार बाद में किया जाएगा। कार्यक्रम में शहडोल जिले के उद्योग पति एवं पत्रकार बंधु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैफिक चौपाल का आयोजन, ट्रैफिक मित्रों का चयन

समाज जागरण अनूपपुर

अनूपपुर ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक अनोखी पहल की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से "ट्रैफिक चौपाल" का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज ग्राम धिरौल में सरपंच श्री प्रवीण सिंह की उपस्थिति में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व यातायात प्रभारी ज्योति दुबे ने किया। उन्होंने ग्रामीणों को यातायात नियमों, हेलमेट और सीटबेल्ट की अनिवार्यता, ओवर स्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव, ब्रेकिंग डिस्टेंस और ओवरटेकिंग के सुरक्षित तरीकों की जानकारी दी। साथ ही गुड सेमरिटन योजना और हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 65 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए। दुर्घटनाओं को रोकने में सहयोग हेतु जयशवाल, गणेश प्रसाद सोनी व पुष्प राज सिंह को "ट्रैफिक मित्र" के रूप में चयनित किया गया, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा सदस्यता दी जाएगी।

स्लॉट बुकिंग के लिए कलेक्ट्रेट में लगी किसानों की भारी भीड़

समाज जागरण उमरिया

स्लॉट बुकिंग के लिए किसानों की भारी भीड़ रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर में दिखी ।दरअसल 15 मार्च से प्रारम्भ गेंहू खरीदी में जो किसान अब तक गेंहू का विक्रय नही कर पाए है,उनके लिए स्लॉट बुकिंग रविवार और सोमवार यानी दो दिवस के लिए बढ़ाई गई है ।जिसकी व्यवस्था कलेक्ट्रेट स्थित डीएसओ कार्यालय में होनी है ।रविवार को स्लॉट बुकिंग के लिए ये सभी सैकड़ों की तादात में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे थे ।किसानों का कहना है कि स्लॉट बुकिंग की तिथि सप्ताह भर और बढ़ानी चाहिए,जिससे जिले के सभी किसान सहजता से स्लॉट बुक करा सके,और कठिन परिश्रम से उपजा गेंहू सही दामों पर विक्रय कर सके ।दरअसल पूर्व वर्षों में समिति स्तर या ऑनलाइन के माध्यम से किसान स्लॉट बुक करा लेते थे,जिससे किसान सरलता से क्षेत्रीय प्रभारियों के पास पहुंचकर स्लॉट बुक करा लेते थे और अपना गेंहू विक्रय कर लेते थे,पर इस बार व्यापारियों और बिचौलियों से बचाव के लिए विभाग ने दो दिवसीय स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से खाद्य विभाग को दिया है,जहां किसान बकायदा आवेदन कर स्लॉट बुक करा सकते है ।विदित हो कि गेंहू खरीदी 15 मार्च से ही प्रारम्भ है,जो इसी माह 05 मई तक हुई है,परन्तु इस बीच अभी भी जिले के कई किसान गेंहू विक्रय नही कर पाए है ।हालांकि इस वर्ष स्लॉट बुक महज 30 अप्रैल तक ही हुआ है,हालांकि खरीदी 05 मई तक हुई है ।अब डीएसओ स्तर पर दो दिवसीय स्लॉट बुक की व्यवस्था की गई है ।आपको यह भी बता दे पूर्व के वर्षों में 20 मई तक खरीदी तिथि हुआ करती थी,पर इस बार 15 दिवस पूर्व ही यानी 05 मई तक ही खरीदी तिथि विभागीय स्तर पर तय की गई थी,जिस वजह से भी जिले के कई किसान समय पर स्लॉट बुक नही करा पाए और गेंहू विक्रय नही कर पाए है,अब किसानों की मांग है कि सप्ताह भर की तिथि और बढ़ाई जाए।

पुरानी यादों से परेः बेहतरीन पुराने सिनेमा से जुड़े व्यवसायिक पहलू वेव्स 2025 में रोचक चर्चाएँ

शुरूआती दौर का सिनेमा मनोरंजन से कहीं बढ़कर हैं - वे हमारी सामूहिक सांस्कृतिक पहचान और विरासत का प्रतिबिंब हैंः प्रकाश मगदुम पुनर्स्थापना के लिए धन, समय और कुशल संसाधनों का निवेश जरुरी हैः शहजाद सिप्पी नए कंटेट की बहुतायत के बावजूद, उद्योग जगत को अपने पुराने सिनेमा को संरक्षित करने के लिए काम करना चाहिएः कमल ज्ञानचंदानी वेव्स 2025 में बियॉन्ड नॉस्टेल्जियाः द बिजनेस ऑफ रिस्टोर्ड क्लासिक्स शीर्षक से एक पैनल चर्चा के दौरान सिनेमा के तमाम पहलुओं पर दिलचस्प चर्चाओं का दौर चला। फिल्म व्यापार के मशहूर विश्लेषक तरण आदर्श द्वारा संचालित इस सत्र में उद्योग जगत के दिग्गजों ने मौजूदा दर्शकों के लिए पुराने सिनेमा के बेशकीमती उदाहरणों को पुनर्स्थापित करने के महत्व, चुनौतियों और भविष्य पर विचार-विमर्श किया। चर्चा की शुरूआत फिल्म प्रदर्शनी और वितरण क्षेत्र की प्रमुख हस्ती कमल ज्ञानचंदानी से हुई

आखिर कब पूरी होंगे शहडोल संसदीय क्षेत्र की जनता की प्रमुख मांगे।

समाज जागरण

एक प्रेस विकेट में कोईलांचल क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता और भाजपा नेता अरविंद साहनी ने अपने सांसद हिमाद्री सिंह से शहडोल संसदीय क्षेत्र की जनता की तरफ से कई सवाल उठाए हैं की विशेष कर शहडोल अनूपपुर बुढार अमलाई जैसे रेलवे स्टेशन में पिछले 6 साल से इस क्षेत्र के भाजपा नेता लगातार ज्ञापन देकर मांग कर रहे हैं कि इन प्रमुख रेलवे स्टेशनों में यात्री स्टॉपेज के अलावा विभिन्न समस्याओं को मांग पूरा किया जाए। किंतु सांसद 6 साल में इन मांगों को पूरा नहीं कर पाई और जब कार्यकर्ता लोगों से सवाल पूछते हैं तो उल्टा सांसद नाराज हो जाती है । साहनीने कहा कि वह लगातार पिछले 6 साल से अमलाई में विशेष करट्रेनों के स्टॉपेज के साथ डिस्प्ले की मांग की जा रही है लगातार सैकड़ो ज्ञापन दिए जा चुके हैं और समय-समय पर मीडिया के माध्यम से भी संसद का ध्यान आकर्षित कराया जाता है किंतु मांग पूरी नहीं हो रही जब फोन करते हैं तो फोन भी नहीं उठाया जाता है। अमली जो की कोईलांचल का विशेष रेलवे स्टेशन है यहां पर चचाई पावर हाउस सोडा फैक्ट्री ओरिएंट पेपर मिल्स और दर्जन भर कोयला खादाने है इसके अलावा सैकड़ो गांव के लोग भी इसी रेलवे स्टेशन से यात्रा करते हैं। विशेष कर अंबिकापुर और जबलपुर ट्रेन और चुकी इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बिहार के लोग ज्यादाहैं तो दुर्ग नौतनवा ट्रेन के स्टॉपेज की मांग आज बरसों से की जा रही है ।किंतु सांसद हिमाद्री सिंह के ऊपर कोई फर्क नहीं पड़ता ।अभी भी संसदीय क्षेत्र की जनता इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान पर इनसे मांग की जा रही है अब देखना है कि क्या संसद इस बार इन मांगों पर ध्यान देती हैं या पिछले कार्यकाल की तरह यह कार्यकाल भी जनता को सुने बिना निकाल देगी 1.- भोपाल बिलासपुर एवं इंदौर बिलासपुर का विस्तार नागपुर तक किया जाए। उत्तर प्रदेश के लिए विशेष ट्रेन दुर्ग नौतनवा का अमलाई में स्टॉपेज हो साथी महत्वपूर्ण ट्रेन अंबिकापुर जबलपुर का भी स्टॉपेज कराया जाए 2.- दक्षिण भारत के शहरों के लिए जैसे हैदराबाद चेन्नई के लिए सीधी रेल सुविधा। 3.- नागपुर होते हुए मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा। 4.- रीवा चिरमिरी ट्रेन जोकि पूर्व समय में नियमित थी वर्तमान में यह ट्रेन 3 दिन आना तीन दिन जाना करती है इसका परिचालन प्रतिदिन हो। 5,- अंबिकापुर से अनूपपुर मेमू जो रात्रि 9:30 में अनूपपुर पहुंचती है उसका विस्तार शहडोल तक किया जाए। 6,- शहडोल से नागपुर एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार अंबिकापुर तक किया जाए ताकि शहडोल संसदीय क्षेत्र की जनता को पूर्ण रूप से लाभ हो । 7.- शहडोल संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद स्वर्गीय राजेश नंदनी सिंह जी के द्वारा शहडोल जयसिंहनगर रेलवे लाइन का सर्वे स्वीकृत कराया था उसका कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ कराया जाए। 8.- शहडोल रेलवे स्टेशन जो की उप मंडल कार्यालय है यहां पर पूर्ण रूपेण रेलवे मंडल कार्यालय की स्थापना हो ऐसा प्रयास किया जाए। ताकि शहडोल संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद स्वर्गीय दलवीर सिंह जी का सपना साकार हो सके। 9.- शहडोल रेलवे स्टेशन अंतर्गत रेलवे कोच मेंटेनेंस यार्ड एवं कोच वाशिंग प्लांट की स्थापना शीघ्र कराई जाए ताकि नई एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन यहां से संभव हो सके। 10.-शहडोल रेलवे स्टेशन में विकलांग यात्रियों के लिए रैम्प नहीं है ना ही लिफ्ट की सुविधा है और ना ही एस्केलेटर लगे हैं जैसा की शहडोल संभागीय मुख्यालय है कई मल्टीनेशनल कंपनियों के उद्योग आसपास क्षेत्र में लगे हुए हैं उसको देखते हुए शहडोल रेलवे स्टेशन के विकास की रूपरेखा तय हो।

राजनगर कोल माइंस की ब्लास्टिंग के साथ कांपता है डोला

प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन की घोर लापरवाही

समाज जागरण गौरव द्विवेदी

अनूपपुर एसईसीएल की राजनगर ओपन कास्ट कोल माइंस की हैवी ब्लास्टिंग अब डोला नगर परिषद के लोगों के लिए नरक बन चुकी है। 116 से ज्यादा घरों में दरारें पड़ चुकी हैं, छतें झुक चुकी हैं और लोगों का जीना दूभर हो गया है। हर धमाके के साथ दीवारें हिलती हैं, फर्श दरकते हैं और लोगों की नींद उखड़ जाती है। ईश्वर पनिका के घर के पास गिरी बड़ी चट्टान ने एक बार फिर साफ कर दिया कि ब्लास्टिंग में कोई सुरक्षा मानक नहीं अपनाए जा रहे। सौभाग्य था कि जान नहीं गई, वरना एक और लाश प्रशासन की लापरवाही का सबूत बनती ।25 दिसंबर को सैकड़ों रहवासी जिला कलेक्टर के दरवाजे पर गुहार लगाने पहुंचे। कहा–ह्लकई बार शिकायत की, मुआवजे की मांग की, मरम्मत की गुहार लगाई, लेकिन हर बार मिला सिर्फ आश्वासन। क्या हमारा अपराध सिर्फ इतना है कि हम खदान के पास रहते हैं? खदान की ब्लास्टिंग से घरों की हालत भयावह है। लेकिन यह भी सवाल बन गया है कि जब तक लाशें नहीं गिरेंगी, तब तक क्या प्रशासन जागेगा नहीं? प्रबंधन ने माना कि 2 मई की घटना से सेफ्टी नियमों की धज्जियां उड़ाई गईं। लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति–इंचार्ज को थमा दिया गया नोटिस। क्या एक नोटिस लोगों की जान बचा सकता है?

सरकार को कोयले से अरबों की कमाई, लेकिन नागरिकों को ना घर की सुरक्षा, ना जीने का हक रहवासियों का सीधा सवाल–जब खदान से सरकार की तिजोरी भरती है, तो हमारी टूटी छतों के लिए कुछ क्यों नहीं किया जाता? क्या हम सिर्फ आंकड़े हैं? क्या हमारे बच्चे धमाकों के बीच पलने को मजबूर रहेंगे?

अब भी चुप रहा सिस्टम, तो अगली खबर लाशों की होगी! यह कोई चेतावनी नहीं, हकीकत है। अगर अब भी प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन नहीं जागे, तो डोला में कोई बड़ा हादसा टल नहीं पाएगा। और तब सवाल पूछे जाएंगे–लेकिन जवाब देने वाला शायद कोई न बचे।

उप जेल बुढ़ार में विधिक साक्षरता एवं मेडिकल कैंप संपन्न।

समाज जागरण

शहडोल ।मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय श्री काशीनाथ सिंह एवं श्री श्रीकृष्णन बुखारिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के निदेर्शानुसार में शहडोल जिले की उप जेल बुरहार में आज जिला एवं सत्र न्यायाधीश बुढार सुशील कुमार अग्रवाल एवं न्यायाधीश विजेंद्र सिंह रावत के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में उप जेल में विधिक साक्षरता शिविर के साथ मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया ।जिसमें आज के कार्यक्रम में कैदियों को उनको कानूनी सलाह और सहायता भी दी गई ।जहां पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अग्रवाल ने सभी कैदियों को बुलाकर उनकी समस्या को सुना और कानूनी सलाह समझाइए दिए। और जिनके केस में अधिवक्ता नहीं है उनको विधिक सहायता से अधिवक्ता लगाने का भी निर्देश दिए। और बुढार के डॉक्टर एवं नर्स लोगों द्वारा तमाम बंदी लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जिसमें बुढार हॉस्पिटल के डॉक्टर और नर्स मौजूद थे। इसके साथ वहां जिला विधिक सहायता के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद साहनी अनीता सहोता नितेश सिंह के साथ पैरा लीगल वॉलिंटियर रोहिणी बर्मन एवं उपाध्यय इसके साथ न्यायालय के कर्मचारी विशाल मरावी कमलेश श्रीवास्तव एवं उप जेल बुढार के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

फायरिंग कर घायल करने वाले चारो आरोपी अमलाई पुलिस द्वारा गिरफ्तार

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

शहडोल। थाना अमलाई क्षेत्रांतर्गत 30 अप्रैल 2025 को फरियादी अनीश कुमार सिंह, निवासी अमलाई ओपीएम कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पूर्व रंजिश के चलते आरोपीगण बबलू उर्फ कन्हैया शर्मा, बल्ली उर्फ सूर्यप्रताप सिंह, गोपालू एवं बिज्जू पनिका ने अमलाई ओपीएम के सब्जी ग्राउंड के पास जान से मारने की नीयत से मारपीट कर, देशी कट्टे से पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। अमलाई पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अंतर्गत विवेचना प्रारंभ की। पुलिस द्वारा घटना की विवेचना के दौरान पता-साजी के प्रयासों के पश्चात सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार आपराध में उपयुक्त एक अदद् देशी कट्टा 315 बोर कीमती करीबन 5,000 रु. अमलाई पुलिस द्वारा जप्त किया गया एवं सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी बबलू उर्फ कन्हैया शर्मा पिता गणेश प्रसाद शर्मा, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम धनगवां, थाना जैतहरी, गोपाल उर्फ गोपाल पिता खजांची चौहान, उम्र 39 वर्ष, निवासी रॉवल मार्केट, अमलाई, बल्ली उर्फ सूर्यप्रताप सिंह पिता महावीर सिंह, उम्र 42 वर्ष, निवासी प्रियदर्शनी कॉलोनी, बकहो, आरोपी विजय उर्फ बिज्जू पनिका पिता दिनेश पनिका, उम्र 28 वर्ष, निवासी रॉवल मार्केट, अमलाई।

एमबी पावर ने स्थानीय रोजगार को दी मजबूती, अनूपपुर प्लांट में लगभग 275 स्थानीय युवाओं की नियुक्ति

स्थानीय ठेकेदारों और विक्रेताओं के साथ साझेदारी कर क्षेत्र में बढ़ाए रोजगार के अवसर

समाज जागरण जिला ब्यूरो विजय तिवारी

अनूपपुर, ।एमबी पावर (मध्यप्रदेश) लिमिटेड ने आज अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील स्थित लहरपुर गांव में स्थित अपने पावर प्लांट के आसपास के गांवों से लगभग 275 युवाओं को रोजगार देकर स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। यह नियुक्तियां विभिन्न विभागों में की गई हैं, जिनमें अकुशल श्रमिकों से लेकर आईटीआई पास तकनीशियन, स्नातक और परास्नातक डिग्री धारकों तक को शामिल किया गया है। इस विविधता से कंपनी की मजबूत स्थानीय मानव संसाधन संरचना तैयार करने की प्रतिबद्धता झलकती है। प्रत्यक्ष नियुक्तियों के साथ ही कंपनी ने कई स्थानीय विक्रेताओं और ठेकेदारों के साथ भी साझेदारी की है, जिससे क्षेत्र में कई परिवारों के लिए आय के नए स्त्रोत उत्पन्न हुए हैं। अपनी विस्तार रणनीति के तहत एमबी पावर आने वाले वर्षों में अपनी वर्तमान क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है। इस विस्तार को समर्थन देने के लिए कंपनी ने आसपास के गांवों से और अधिक लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया है, ताकि पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध हो और स्थानीय अर्थव्यवस्था में सतत योगदान दिया जा सके। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कंपनी के विकास चरण को समर्थन दिया है और इसे क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला कदम बताया है। हिंदुस्तान पावर में एवीपी - मानव संसाधन, श्री सुबोध सिंह ने कहा, एमबी पावर में हम हमेशा उन क्षेत्रों के विकास के लिए कार्य करते हैं, जहां हम कार्यरत हैं। हमने हमेशा स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी है, जिन्होंने हर कदम पर हमारा साथ दिया है। हमें खुशी है कि क्षेत्र में समग्र प्रगति हो रही है और जैसे-जैसे आवश्यकता होगी, हम और लोगों को रोजगार देते रहेंगे। समुदाय-आधारित विकास और समावेशी प्रगति पर केंद्रित एमबी पावर एक जिम्मेदार संस्था और क्षेत्रीय विकास की सहायक शक्ति बनी हुई है।

महिलाओं पर होने वाले अपराधों को रोकना जरूरी - विशेष पुलिस महा निदेशक

लोगो को सुरक्षित करने उठाने होगे मजबूत और सख्त कदम

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल। संभाग प्रभारी एवं विशेष पुलिस महा निदेशक (तकनीकी सेवाएं) योगेश मुद्गल ने शहडोल संभाग के पुलिस अधिकारी की बैठक ली। बैठक में विशेष पुलिस महा निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एससी एसटी और महिलाओं पर होने वाले अपराधों को रोकना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बेहतर कार्य करे।

उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग में जो नाबालिक बच्चे लापता हैं उनकी तलाशी कार्य तेजी से करें। हमारा मुख्य उद्देश्य समाज में लोगों को सुरक्षित महसूस करना है इसके लिए हमें मजबूत और सख्त कदम उठाने होंगे। बैठक में कहा कि नशे पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाएं तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही भी करें। बैठक में गंभीर अपराधों और बार-बार अपराध करने वालों की जमानत रद्द करने, लाउडस्पीकर के उपयोग पर नियंत्रण रखने और साइबर अपराध को लेकर लोगों को जागरूक करने की योजनाएं बनाई गईं। पुलिस अधीक्षक शहडोल राम जी श्रीवास्तव ने कहा कि हमें हर स्तर पर अभियान चलाने होंगे ताकि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को सही तरीके से लागू किया जा सके। शहडोल संभाग के सभी थानों में जब्त किए गए वाहनों और पुराने ई-वेस्ट को हटाने के लिए भी विशेष अभियान चलाने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में शहडोल जोन के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा, शहडोल के एसपी रामजी श्रीवास्तव, उमरिया की एसपी श्रीमती निवेदिता नायडू और अनूपपुर के एसपी मोती उर रहमान शामिल हुए।

वेव्स बाजारः वैश्विक रचनात्मक सहयोग में एक अभूतपूर्व शुरूआत

भारत से विश्व तकः वेव्स बाजार ने प्रमुख वैश्विक मनोरंजन क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया, इस दौरान अब तक 800 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार लेनदेन दर्ज किए मुंबई में 1 से 3 मई 2025 तक आयोजित वेव्स बाजार का पहला संस्करण बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ और इसने रचनात्मक उद्योगों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सहयोग के लिए एक अग्रणी मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई। विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में फिल्म, संगीत, रेडियो, वीएफएक्स और एनिमेशन क्षेत्रों में अब तक 800 करोड़ करोड़ से अधिक के कारोबारी लेन-देन दर्ज किए। हालांकि सौदे की प्रक्रिया अभी भी जारी है, इसलिए उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में इसका मूल्यांकन 1000 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

मुख्य विशेषताएं

बाजार का मुख्य आकर्षण क्रेता-विक्रेता बाजार है, जिसमें 3,000 से अधिक बी2बी बैठकें हुईं। इससे 500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ और आने वाले दिनों में अतिरिक्त कारोबार संपन्न होने की उम्मीद है। 80 सीटों वाले स्थल पर आयोजित फिल्मों की स्क्रीनिंग को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और चयनित फिल्मों को अच्छी सराहना मिली। इस बाजार ने उभरते हुए रचनाकारों को अपने आईपी को क्रेताओं और सहयोगियों के वैश्विक नेटवर्क के समक्ष प्रस्तुत करने में मदद की, जिससे महत्वपूर्ण रुचि पैदा हुई और नई साझेदारियों को बढ़ावा मिला भारत और न्यूजीलैंड के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेट्रिना डी रोजारियो के नेतृत्व में फिल्म इंडिया स्क्रीन कलेक्टिव और स्क्रीन कैंटरबरी एनजेड ने वेव्स से प्रेरित होकर न्यूजीलैंड में पहला भारतीय फिल्म महोत्सव शुरू करने के लिए एक सहयोगात्मक प्रस्ताव की घोषणा की गई। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सह-निर्माण संबंधों को और मजबूत करना है। भारत-रूस सहयोग की दिशा में बढ़ते कदम के संदर्भ में, दोनों देशों के बीच विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों में सहयोग करने के साथ-साथ हास्य और संगीत कार्यक्रमों का सह-निर्माण करने के लिए संभावित समझौता ज्ञापन पर ओनली मच लाउडर (ओएमएल) के सीईओ तुषार कुमार और गैजप्रोम मीडिया के सीईओ अलेक्जेंडर झारोव ने प्रारंभिक दौर की चर्चा शुरू कर दी है।

प्रमुख समझौते (सौदे) की घोषणाएं

वेव्स बाजार में प्राइम वीडियो और सीजे ईएनएम के बीच बहु-वर्षीय सहयोग की घोषणा मुख्य आकर्षण थी, क्योंकि हाल ही में वैश्विक स्तर पर प्रीमियम कोरियाई सामग्री वितरित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी का अनावरण किया गया था। जून 2025 में हेड ओवर हील्स के साथ इसके लॉन्च की उम्मीद है, इस समझौते में 240 से अधिक देशों में स्ट्रीमिंग शामिल है, जिसमें 28 उपशीर्षक भाषाएं और 11 डब संस्करण शामिल हैं। यह पहल वैश्विक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्मों पर एशिया की बढ़ती रचनात्मक उपस्थिति को उजागर करती है। बाजार में मूल्यवर्धन करने वाली एक अन्य पहल थी फिल्म देवी चौधुरानी की घोषणा। यह फिल्म भारत में पहली आधिकारिक भारत-ब्रिटिश सह-निर्माण फिल्म है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, एनएफडीसी, एफएफओ और इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से फिल्म का प्री-टीजर वेव्स बाजार में प्रदर्शित किया गया। इस ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म में प्रोसेनजीत चटर्जी और श्रावंती चटर्जी ने अभिनय किया है, जबकि पंडित बिक्रम घोष ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। फिल्म 'वॉयलेटेड' के लॉन्च की घोषणा एक और महत्वपूर्ण घटना थी जिसने वेव्स बाजार के उद्देश्य को साबित किया। एक साहसिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, 'वायोलेटेड' डिंपल डुगर की निर्देशन में पहली फिल्म है। अपनी सशक्त महिला-प्रधान कहानी के लिए प्रशंसित इस फिल्म का निर्माण यूके के फ्यूजन फ्लिक्स और जेवीडी फिल्म्स द्वारा सह-निर्मित किया गया है, जो डुगर के व्यावसायिक फिल्म निर्माण से फीचर फिल्म निर्माण की ओर संक्रमण का संकेत देती है। अपनी प्रभावशाली शुरूआत के साथ, वेव्स बाजार ने न केवल खुद को रचनात्मक सहयोग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया है, बल्कि सीमा पार कहानी कहने और उद्योग परिवर्तन के एक नए युग के लिए मंच भी तैयार किया है।

कोतवाल के साथ एकजुट होकर पुलिस टीम ने थाना परिसर में की साफ सफाई

विवेक कुमार समाज जागरण संवाददाता

लखनऊ। रविवार के दिन मोहनलालगंज कोतवाली परिसर में थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने पूरी पुलिस टीम के साथ एकजुट होकर साफ सफाई परिसर में पड़े कूड़ा करकट को हटा कर पुलिस टीम के साथ मिलकर झाड़ू लगाया साफ सफाई की। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला व पुरूष पुलिसकर्मियों के साथ कोतवाली परिसर को स्वच्छ और साफ रखने के उद्देश्य से स्टाफ का सहयोग लिया गया और सभी के साथ मिलकर परिसर में साफ सफाई की गई है, इसके साथ ही सबको इस बात के लिए निर्देशित भी किया गया है कि पान मसाला बीड़ी सिगरेट खा पीकर परिसर में थूकने वाले पर तत्काल प्रभाव से उचित कार्यवाही कर जुमार्ना लगाया जाएगा। इसके अलावा थानाध्यक्ष ने कहा कि कोतवाली परिसर में कूड़े करकट के लिए कूड़ेदान रखे गए हैं अगर आपको कोई कूड़ा करकट फेंकना है कूड़ेदान में ही फेंके न की परिसर में कहि भी कुछ भी फेंक दे। कोतवाली परिसर मोहनलालगंज को स्वच्छ और साफ रखने का थानाध्यक्ष सहित पूरे पुलिस स्टॉफ ने अब जिम्मा उठा लिया है। वही मोहनलालगंज पुलिस टीम के इस सराहनीय प्रयास को जिसने देखा सुना प्रशंसा की सराहना की है।

विश्व हास्य दिवस के अवसर पर हुआ गोष्ठी का आयोजन

**यस बी तिवारी समाज जागरण
बड़ागांव वाराणसी**

आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा० शेर मोहम्मद के निर्देश से विश्व हास्य दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डा० पूनम सिंह ने हंसने से होने वाले लाभ और महत्व के बारे में बताते हुए कहा की खुशी से एक विशेष प्रकार का हार्मोन निकलता है जिससे स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है, आगे आरके यादव ने कहा कि इस समय जब अधिकांश विश्व आतंकवाद के डर से सहमा हुआ है तब हास्य दिवस की अधिक आवश्यकता महसूस होती है ऐसे में हंसी दुनिया भर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है जब हम समूह में हंसते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा पूरे क्षेत्र में फैल जाता है और क्षेत्र से नकारात्मक ऊर्जा को हटाता है। हंसी सभी समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण कर सकती है हंसने से पेट फेफड़ों की मालिश हो जाती है। इस अवसर पर फार्मासिस्ट मनोज शर्मा, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी दिवाकर वर्मा, सीमा सरोज एवं पंकज गुप्ता के साथ-साथ समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे

सीडीओ ने आयर गोआश्रय केंद्र का किया औचक निरीक्षण, लापरवाही बरतने वाले को दी कड़ी चेतावनी

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी हिमांशु नागपाल ने विकास खंड हरहुआ अंतर्गत गौवंश आश्रय स्थल आयर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा की किसी भी गोवंश आश्रय स्थल पर यदि कमियां मिलीं तो प्रधान एवं सचिव तो नपेंगें ही,बीडीओ पर भी होगी कार्यवाही । आज रविवार को आयर गौशाला पर अचानक पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी नागपाल नें गौशाला में बने भूसा घर ,अस्वस्थ पशुओं के इलाज के लिए बने जालीदार घर,बाउंड्रीवाल , चनही, गोवंश के लिए भूसा भंडारण की स्थिति, साइलेंज एवं चुनी चोकर, पानी ,बिजली की व्यवस्था , हीट वेव से बचने की स्थिति, पशुओं के चिकित्सा की स्थिति, गौआश्रय स्थल तक पहुंचने के लिए संपर्क मार्ग की स्थिति का जायजा लिया।

पशुओं के दुर्बलता को देखकर सीडीओ ने वहां के सचिव संजय यादव को फटकार लगाते हुए उन्हें पशु आहार में भूसे की अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में साइलेज, चुनी चोकर एवं हरा चारा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। गौशाला के अंदर ट्रीगार्ड सहित वृक्ष लगाने, एक अतिरिक्त शेड बनवाने, बिजली की पर्याप्त व्यवस्था हेतु सोलर लाइट लगवाने एवं गौशाला तक बने कच्चे मार्ग पर अतिशीघ्र खडन्जा लगवाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान श्री नागपाल ने फटकार लगाते हुए कहा कि गौशाला में कमियों के लिए केयरटेकर, सचिव, प्रधान,एडीओ पंचायत, सेक्टर प्रभारी एवं पशु चिकित्सा अधिकारी तथा बीडियो सभी जिम्मेदार हैं, उन्होंने कहा की किसी भी गोवंश आश्रय स्थल पर यदि कमियां मिलीं तो प्रधान एवं सचिव तो नपेंगें ही बीडीओ पर भी कार्यवाही होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने गौशाला निरीक्षण के उपरांत बगल में स्थित आरआरसी सेंटर एवं अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया। आरआरसी सेन्टर संचालन सही ढंग से न होने पर सचिव को फटकार लगाते हुए अविलंब आरआरसी सेंटर का संचालन सही ढंग से करने का निर्देश दिया। अमृत सरोवर में पानी न होने पर फटकार लगाते हुइ राजकीय नलकूप से पानी भरवाने का निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी बद्री प्रसाद वर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी आशीष कुमार वर्मा, सहायक विकास अधिकारी पंचायत रवि सिंह यादव, सचिव संजय यादव, रोजगार सेवक सोनखर प्रसाद, केयरटेकर तेरसा देवी उपस्थित रहे।

तेज आंधी पानी से जनजीवन हुआ बाधित, घरों के छप्पर उड़े, दीवारें व पेड़ गिरे

दोपहर से गुल हुई बिजली

**समाज जागरण
आशीष कुमार गुप्ता**

बाबतपुर,वाराणासी । ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को दोपहर में पौने एक बजे के लगभग आई तेज आंधी के चलते जहाँ जगह जगह दीवाल गिर गए वही आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सैकड़ो पेड़ उखड़ गए। मुख्य व लिंक मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। तार व खम्बे गिरने से आपूर्ति भी ठप हो गई। रविवार को पहले आई तेज आंधी से पिंडरा-कठिराव मार्ग पर थानारामपुर में, वाराणसी-जौनपुर मार्ग कैथौली के पास पेड़ गिरने तथा फूलपुर- सिंधोरा मार्ग पर जगह जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। उसी बीच आधे घंटे तक हुई तेज बारिश से सड़क पर गिरे पेड़ के मलबे को हटाने में देर हुई। फूलपुर थाना परिसर में निमार्णाधीन चहारदीवारी गिरने से 6 मजदूर घायल हो गए। सभी को हल्की चोटें आई। वही थाना गांव में बने गौशाला की भी चहारदीवारी गिर गई और उसमे लगे कई पेड़ भी गिर गए। उसी गांव में मकसूद आलम की आटाचक्की की दीवाल व छप्पर तक गिर गया। थाना हरिजन बस्ती में राजेंद्र प्रसाद कच्चे के घर की दीवार गिर गई। थाना गांव में ही अंजनी पांडेय के गौशाला की दीवार व छप्पर गिर गए। गजोखर से पिंडरा से निकली 33 हजार की लाइन के आधा दर्जन खम्बे व तार भी थाना गांव में गिर गए। जिससे पिंडरा विद्युत उपकेंद्र से आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी पानी के चलते दोपहर से गायब हुई विद्युत देर शाम तक नही आई। इस बाबत एसडीओ शुभम जैन ने बताया कि 11 हजार, 33 हजार व 440 बोल्ट लाइन के कुल 40 से अधिक खम्बे व तार गिरने की प्रारंभिक सूचना मिली है। आंधी से किसानों को तो कोई नुकसान नही पहुचा लेकिन आम की फसल काफी नुकसान पहुचा।

तूफानी पटेल को न्याय नही मिला तो पुलिस का होगा घेराव

समाज जागरण आशीष कुमार गुप्ता

बाबतपुर,वाराणसी । फूलपुर थाना क्षेत्र के पुरा रघुनाथपुर गांव के तूफानी पटेल और उनकी पत्नी निर्मला देवी की पिटाई करने वाले पड़ोसी संजय सिंह के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर सरदार सेना सोमवार को पत्रक देंगी। जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर को जमीन लेकर संजय सिंह ने तूफानी पटेल और पत्नी निर्मला पटेल की पिटाई कर दी थी। जिसमें दम्पत्ति को गम्भीर चोटे आई। इसी को लेकर सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल दर्जनो सरदार सैनिकों के साथ तूफानी पटेल के घर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि इसके पहले तूफानी पटेल की कई बार पिटाई कर चुका है यह मनबढ़ किस्म का है। गाजीपुर जनपद का रहने वाला है और चिरईगांव ब्लाक में नौकरी करता है। पुरा रघुनाथपुर गांव में अपना मकान बनाकर रहता है। इसी को लेकर सरदार सेना जिला इकाई द्वारा सोमवार को पुलिस उपायुक्त गोमती जोन से मिलकर सोमवार को तूफानी को न्याय दिलाने को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा।

चक्रवाती आंधी से पुआरी खुर्द गाँव मे भारी नुकसानी,पेंड,बिजली के खम्भे हुए धराशायी

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। अचानक आंधी-तूफान के चलते हरहुआ विकास खण्ड के पुआरी खुर्द ,पुआरी कला ग्राम पंचायत में पेंड ,बिजली खम्भा गिर गया जिससे ग्रामीणों का भारी नुकसानी हुई। पुआरी खुर्द पंचायत भवन के पास

किशोरी का नीम का पेड़ गिरने से मड़ई टूट गई,विशोक का तीन शेड सहित पंचायत भवन का गेट का ऊपरी हिस्सा टूट गया। राजनाथ राजभर के घर के ऊपर आम का पेड़ गिर जाने गया,चंद्रशेखर का नीम का पेड़ गिर गया जिससे मड़ई और कैलाश का टिन शेड टूट गई। प्यारे लाल व राधेश्याम का नीम का पेड़ गिरने से आस पास के टीनशेड टूट गए। कल्लू का लूम कारखाना का टीनशेड उड़ गया। कई लोगों के गेहूं ,चावल सिमेम्टेड शेड गिरने से भींग गया। वहीं प्यारे लाल के घर के पास हाईटेंशन तार व सीमेंटेड खम्भा गिर जाने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। शमीर्ला इंटर कालेज के प्रांगण में पेंड व ऊपर लगे हुए टीन शेड उड़ गए। ग्राम प्रधान पुआरी खुर्द विजय कुमार व स्कूल के शिक्षक रामानन्द के अनुसार धूल भरी आंधी आई और चक्रवात का रूप धारण कर लिया जिससे पूरा गांव चपेट में आ गया। लगभग 30 सेकेंड बनौरी पड़ने के बाद बरसात 20 मिनट तक होती रही। गाँव मे जान बचाने के लिए लोग छिपने लगे और चारो तरफ ऑफर तफरी मच गई। आस पास के गाँवो में इस तरह का कोई नुकसानी नहीं हुई। प्रधान ने इस घटना को एक अनहोनी बताया।

ट्रक बाइक टक्कर में बाइक सवार दो की मौत

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। रविवार शाम करीब छह बजे बड़ागांव थाना क्षेत्र के सातो महुआ क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। वाराणसी से बाबतपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हरहुआ चौकी प्रभारी अभिषेक राय मय पुलिस बल पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस दौरान ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।मृतकों की पहचान फूलपुर थाना क्षेत्र के बरही कला निवासी आशीष पटेल (27) पुत्र जिलाजीत पटेल और आजाद पटेल (25) पुत्र संतोष पटेल के रूप में हुई है। दोनों युवक रविवार को शहर में सामान की खरीदारी करने गए थे और शाम को वापस लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाराणसी- बाबतपुर फोरलेन पर सातो महुआ के पास खराब सड़क और ब्रेकर के चलते बाइक असंतुलित हो गई। इस बीच, पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों को कुचल दिया और आगे निकल गया। जब तक स्थानीय लोग कुछ समझ पाते, ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही एसीपी प्रतीक कुमार और बड़ागांव थानाध्यक्ष अतुल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई शुरू कर दी है।

कुछ निर्दयी लोग ने गाय को किया घायल

समाज जागरण प्रभात कुमार सेठ फूलपुर वाराणसी

ग्राम निवाह हथिवार में एक घायल गाय की सूचना मिली थी जिनके दोनों पैरों को मार कर कुछ निर्दयी लोगो द्वारा तोड़ दिया गया था जिसकी वजह से एक पैर की हड्डी टूट कर बाहर निकल गयी है और उनके शरीर के पिछले हिस्से पर जलते हुए प्लास्टिक को फेक दिया गया था जिसकी वजह से उस गाय को उस स्थिति में से निकलने के लिए बहुत मशक्कत करना पड़ा जिसमें काफी परेशानी व दिक्कतें झेलनी पड़ी जिनका डॉक्टर आशुतोष के देख रेख में इलाज चल रहा है, डॉक्टर का सुझाव है कि इसका एक पैर काटना पड़ेगा।कोशिश है की इन्हें जल्द ठीक किया जाय।

हेमंत को श्रद्धांजलि देने उमड़े ग्रामीण, निकाला कैंडिल मार्च

**समाज जागरण धनंजय
मोदनवाल पिंडरा।**

सिंधोरा थाना क्षेत्र के मरुई गांव के छात्र हेमंत पटेल की गोली मारकर हत्या करने में आरोपितों के खिलाफ ठोस कार्रवाई न होने तथा घरों पर बुलडोजर के कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को सायँ काल मे कैंडिल मार्च निकाला कर श्रद्धांजलि देते हुए आरोपित स्कूल के प्रबन्धक पिता पुत्र को फांसी की सजा देने की मांग की । इस दौरान ग्राम प्रधान महेंद्र पटेल, राजेश पटेल, प्रकाश राजभर, जितेंद्र पटेल उर्फ गुड्डी, शशिकांत मिश्रा, नीरज राजभर, अभिषेक पटेल, संजय पटेल, संगीता पटेल, ममता देवी, कुसुम पटेल, रीता देवी समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

गजोखर क्षेत्र में पोल टूटने से लाइन चली गई

समाज जागरण प्रभात कुमार सेठ फूलपुर वाराणसी

वाराणसी के पिंडरा क्षेत्र के गजोखर में एक बड़ा हादसा हुआ जब मेन लाइन के 16 पोल टूट गए, जिससे बिजली की लाइन चली गई और जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि पिंडरा क्षेत्र में तेज हवा, बारिश और ओलावृष्टि के कारण यह घटना हुई। बिजली के पोल टूटने से पिंडरा फूलपुर करखियाव मंगारी जगदीश पुर खालिसपुर बाजार सहित आदी और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई। लोगों को अपने दैनिक कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। व्यापारियों ने बताया कि बिजली न होने से उनके व्यवसाय पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, तेज हवा और बारिश के कारण पोल टूट गए। ओलावृष्टि ने भी इस घटना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।घटना की जानकारी मिलने पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वे जल्द से जल्द पोल बदलने और बिजली व्यवस्था को सुधारने का काम शुरू है। विभाग की टीम ने लोगों से अपील की है कि वे बिजली के तारों से दूर रहें और विभाग की टीम को अपना काम कर रहे है स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि वे जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था को सुचारु करें। लोगों का कहना है कि विभाग को और अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी। व्यापारियों ने भी विभाग से अनुरोध किया है कि वे बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द बहाल करें ताकि उनके व्यवसाय पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

वेवएक्स 2025 में एम एंड ई स्टार्टअप्स की निवेश संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया; एम एंड ई के लिए समर्पित एंजल नेटवर्क पर काम किया जा रहा है

वेव्स में 30 स्टार्टअप्स को आमने-सामने बातचीत का अवसर दिया गया मुंबई में आयोजित विश्व दृश्य-श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के तहत प्रमुख स्टार्टअप पहल वेवएक्स 2025, नवाचार, उद्यमिता और निवेश का एक आशाजनक संगम है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के संयुक्त निदेशक श्री आशुतोष मोहले ने वेवएक्स का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत करते हुए मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने तथा उनके विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के इसके दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएमएआई) के चीफ ग्रोथ ऑफिसर संदीप झिंगरन ने इस पहल को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया, "हमें एक हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। उनमें से तीस ने सीधे निवेशकों से संपर्क किया और उनमें से आधे से अधिक पहले से ही सक्रिय बातचीत में हैं।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एमएंडई स्टार्टअप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ऐसे प्रयास जरूरी हैं। निवेशकों की आवाज ने इस पहल की परिवर्तनकारी क्षमता को और अधिक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया। वार्मअप वेंचर्स के वेन्यू पार्टनर श्री राजेश जोशी ने स्टार्टअप संस्थापक से निवेशक बनने तक की अपनी व्यक्तिगत यात्रा

पर विचार किया। उन्होंने कहा, "जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है...हम अब 11 स्टार्टअप से बात कर रहे हैं।" कैबिल के संस्थापक श्री मुस्तफा हरनेसवाला ने इस क्षेत्र में निवेश करने में पारंपरिक अनिच्छा को उजागर किया। "कई लोग मीडिया और मनोरंजन में निवेश करने से बचते हैं। वेव्स उस मानसिकता को बदल रहा है। अब हम मीडिया और मनोरंजन के लिए एक समर्पित एंजल नेटवर्क बनाने पर काम कर रहे हैं, और अंतरराष्ट्रीय सरकारों के साथ सहयोग के माध्यम से वैश्विक संबंधों की भी खोज कर रहे हैं।" पैनल ने मीडिया के सवालों का भी जवाब दिया, जिससे स्टार्टअप के उभरते परिदृश्य के बारे में जानकारी मिली। जब पूछा गया कि निवेशक सार्थक सामग्री में कैसे अंतर करते हैं, तो राजेश ने ह्णगिगलह्न नामक स्टार्टअप ऐप का उदाहरण दिया, जो साइबरबुलिंग और यौन सामग्री से बचने में मदद करने वाला एक प्लेटफॉर्म बना रहा है, इसे ज़िम्मेदार नवाचार के लिए एक बेंचमार्क कहा।

लिंग प्रतिनिधित्व पर, संदीप ने महिला उद्यमियों की सीमित भागीदारी को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "हम बेहतर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भविष्य के संस्करणों में हमें और अधिक महिला उद्यमियों को आते हुए देखने की उम्मीद है।" कार्यक्रम के प्रारूप पर विस्तार से बात करते हुए, संदीप झिंगरन ने बताया कि 2 दिनों में 30 स्टार्टअप को आमने-सामने बातचीत का अवसर दिया गया; मुस्तफा हरनेसवाला ने कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मुद्रीकरण रणनीतियों की आवश्यकता पर बल दिया, तथा कहा कि वेव्स जैसी पहल इस अंतर को पाटने में मदद करती हैं। वेवएक्स 2025 एम एंड ई क्षेत्र के लिए स्टार्टअप इकोसिस्टम में एक गेम-चेंजर के रूप में खुद को स्थापित करना जारी रखेगा, पुरानी सीमाओं को तोड़ देगा और पूरे भारत में निवेशकों के लिए नए अवसरों को बढ़ावा देगा।

मास्टर एक्टर-क्रिएटर आमिर खान ने वेव्स 2025 में 'द आर्ट ऑफ एक्टिंग' पर अपने विचार साझा किए

"3-4 महीने तक मैं सिर्फ स्क्रिप्ट पर ही काम करता हूं" - आमिर खान

"आप जितने ईमानदार होंगे, उतना ही बेहतर प्रदर्शन करेंगे" - आमिर खान

मास्टर एक्टर-क्रिएटर आमिर खान ने आज वेव्स 2025 में क्रिएटोस्फियर के मंच से 'अभिनय की कला' पर दिए गए अपने व्यावहारिक सुझावों से कई लोगों का दिल जीत लिया। अनुभवी अभिनेता ने कहा कि यह व्यावहारिक सलाह फिल्म निर्माण में उनके वर्षों के अनुभव से आई है, "मैं एक प्रशिक्षित अभिनेता नहीं हूं। मैं नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा जाना चाहता था, लेकिन नहीं जा सका। मैंने रास्ते में कुछ टिप्स सीखे हैं, जो मेरे लिए कारगर साबित हुए हैं।" फिल्म निर्माण के भविष्य के बारे में बात करते हुए आमिर खान ने कहा कि एआई तकनीक ने बिना अभिनेता के भी फिल्म की शूटिंग को संभव बना दिया है। एआई और तकनीक बाद में अभिनेता को भी दृश्य में जोड़ने में सक्षम है। भारतीय सिनेमा को कई यादगार किरदार देने वाले इस बहुमुखी अभिनेता ने कहा कि एक अभिनेता के लिए सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण काम किरदार के दिमाग में उतरना होता है। और वह किरदार की गहराई में कैसे उतरते हैं? समर्पित अभिनेता ने कहा, "मैं स्क्रिप्ट के साथ बहुत समय बिताता हूं। मैं स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ता हूं। अगर स्क्रिप्ट अच्छी है, तो आप किरदार को समझ पाएंगे, उसकी शारीरिक बनावट, रवैया आदि सब उसमें से ही निकलेगा।" इसके अलावा, निर्देशक के साथ किरदार और कहानी पर चर्चा करने से भी एक आइडिया मिलता है। अपने मेहनती स्वभाव पर प्रकाश डालते हुए, श्री खान ने बताया, "मेरी याददाश्त कमजोर है। इसलिए, मैं हाथ से संवाद लिखता हूं। मैं सबसे पहले मुश्किल दृश्यों को लेता हूं। संवाद मुझे याद होने चाहिए। पहले दिन, मैं बस उस पर काम करता हूं। मैं इसे 3-4 महीने तक हर दिन करता हूं, और फिर यह मेरे अंदर समा जाता है। संवाद आपके होने चाहिए। आपको इसे अपनाना होगा। जब यह लिखा गया था तो यह स्क्रिप्ट-राइटर का था। बाद में यह आपका हो जाता है। जब आप एक ही लाइन को दोहराते हैं, तो आपको एहसास होता है कि आप इसे कई तरीकों से कर सकते हैं। आमिर खान ने कहा कि अभिनेताओं के लिए सबसे मुश्किल काम क्या है? एक अभिनेता को हर दिन उसी भावनात्मक तीव्रता वाले दृश्यों को दोहराना और रीटेक करना पड़ता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने वेव्स 2025 में भारत की लाइव इवेंट अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी किया

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने "भारत की सजीव कार्यक्रम अर्थव्यवस्थाः एक रणनीतिक विकास अनिवार्यता" का लोकार्पण किया - यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा कमीशन किया गया अपनी तरह का पहला श्वेत पत्र है और इसे वेव्स 2025 के जानकार भागीदारों में से एक कार्यक्रम एफएक्यू मीडिया द्वारा तैयार किया गया है। इस जारी कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्री आर.के. जेना, संयुक्त सचिव श्रीमती मीनू बत्रा और संयुक्त सचिव (प्रसारण) श्री पृथुल कुमार उपस्थित थे। ई.वी.ए. सजीव और वृतांत एफएक्यू के प्रबंध निदेशक श्री दीपक चौधरी भी मौजूद थे। श्वेत पत्र भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन उद्योग का बडे स्तर पर विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें उभरते रुझानों, विकास पथों और क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए रणनीतिक सिफारिशों पर प्रकाश डाला गया है। भारत का सजीव कार्यक्रम परिदृश्य एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है - एक खंडित क्षेत्र से देश की सांस्कृतिक और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के एक संरचित और प्रभावशाली स्तंभ में बदल रहा है। 2024 से 2025 की अवधि एक निर्णायक मोड़ है, जिसमें कोल्डप्ले जैसे अंतर्राष्ट्रीय कलाकार अहमदाबाद और मुंबई में प्रदर्शन करेंगे, जो वैश्विक स्तर के कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए भारत की तत्परता का संकेत है। इस क्षेत्र में प्रमुख रुझानों में पर्यटक कार्यक्रम का उदय शामिल है, जिसमें लगभग पांच लाख लोग सजीव संगीत कार्यक्रमों के लिए विशेष रूप से यात्रा करते हैं - जो एक मजबूत संगीत-पर्यटन अर्थव्यवस्था के उदय का संकेत देता है। प्रीमियम टिकटिंग सेगमेंट - जैसे कि वीआईपी अनुभव, क्यूरेटेड एक्सेस और लग्जरी हॉस्पिटैलिटी - में साल-दर-साल 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है, जो तेजी से बढ़ते अनुभव-संचालित दर्शकों की ओर इशारा करता है। मल्टी-सिटी टूर और क्षेत्रीय त्योहारों की बढ़ती लोकप्रियता के कारण टियर-2 शहरों से भागीदारी बढ़ी है। यह गति नौकरियों और प्रतिभा विकास पर इस क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव में भी प्रतिबिंबित होती है। सीधा मनोरंजन अब भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए एक साइड नोट नहीं है; यह एक रणनीतिक लीवर है जो रोजगार को बढ़ावा देता है और कौशल विकास को आगे बढ़ाता है। वर्तमान परिदृश्य में बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजन आम तौर पर लगभग 2,000 से 5,000 अस्थायी नौकरियां पैदा करते हैं, जो आजीविका का समर्थन करने और एक गतिशील कार्यबल को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है इस कार्यक्रम में प्रमुख रिपोर्टों का विमोचन भी हुआ,

जिनमें सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र 2024-25 पर सांख्यिकीय पुस्तिका, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) द्वारा 'कंटेंट से वाणिज्य तकः भारत की क्रिएटर अर्थव्यवस्था का मानचित्रण', अर्न्स्ट एंड यंग द्वारा 'ए स्टूडियो कॉल्ड इंडिया' और खेतान एंड कंपनी द्वारा 'लीगल करंट्सः भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र 2025 पर एक नियामक पुस्तिका' शामिल हैं।

केंद्रित निवेश, नीति समर्थन और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के साथ, भारत 2030 तक वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच लाइव मनोरंजन स्थलों में से एक के रूप में खुद को स्थापित करने की राह पर है, जिससे आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन और बढ़ी हुई वैश्विक सांस्कृतिक उपस्थिति के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री सुश्री रेखा गुप्ता आज नई दिल्ली में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के 31वें स्थापना दिवस में शामिल हुए

मेट्रो ट्रेनों में कार्गो डिब्बे जोड़ने से शहरी कामकाजी वर्ग के लिए व्यावसायिक दक्षता बढ़ेगीः श्री मनोहर लाल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में अपना 31वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और बिजली मंत्री श्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्रीमती रेखा गुप्ता, माननीय मुख्यमंत्री, जीएनसीटीडी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। माननीय आवासन एवं शहरी कार्य और बिजली मंत्री श्री मनोहर लाल जी, नई दिल्ली के भारत मंडपम में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के साथ शामिल हुए। माननीय मंत्री ने अपने संबोधन में दिल्ली में आम नागरिक के दैनिक जीवन में दिल्ली मेट्रो की महत्वपूर्ण भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आसान, विश्वसनीय और सुरक्षित आवागमन हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और दिल्ली मेट्रो जैसी शहरी परिवहन प्रणाली शहरी जीवन का अनिवार्य अंग बन गई है। भविष्य को देखते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत की लगभग 50% जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इसलिए आज शहरी गतिशीलता के बुनियादी ढांचे की योजना बनाना और उसे मजबूत करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने मेट्रो ट्रेनों में कार्गो डिब्बे जोड़ने का दूरदर्शी विचार साझा किया। इससे छोटे व्यवसायी, विक्रेता और फेरीवाले शहर भर में अपने सामान को निर्बाध रूप से ला - ले जा सकेंगे। यह ऐसा कदम है जो समय बचाएगा, ऊर्जा की खपत को कम करेगा और शहरी कामकाजी वर्ग के लिए व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाएगा। इसके अलावा, श्री मनोहर लाल जी ने देश के सतत विकास लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए

नीट-2025 परीक्षा के दौरान फरीदकोट पुलिस द्वारा किए गए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पंजाब चीफ ब्यूरो
दैनिक समाज जागरण

जैतो, 4 मई ::एस.एस.पी. फरीदकोट डॉ प्रज्ञा जैन के नेतृत्व में फरीदकोट पुलिस नीट परीक्षा के मद्देनजर विशेष सुरक्षा प्रबंध करती नजर आई। यह परीक्षा फरीदकोट में 02 परीक्षा केन्द्रों पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय फरीदकोट छावनी तथा डा. महेंद्र बराड़ सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्मार्ट स्कूल फरीदकोट में आयोजित की जाएगी। इस दौरान फरीदकोट पुलिस की ओर से दोनों परीक्षा केंद्रों पर भारी संख्या में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी तैनात किए गए थे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्रों के चारों ओर नाकाबंदी की गई थी, जिसके जरिए किसी भी अवांछित आवाजाही को रोकने की पूरी तैयारी की गई थी। सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष यातायात योजना लागू की गई तथा पार्किंग एवं अभिभावकों के लिए रुकने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही फरीदकोट पुलिस द्वारा परीक्षा केंद्रों पर जनता की सहायता के लिए विशेष पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किए गए। इन केन्द्रों के माध्यम से अभिभावकों एवं अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन, सूचना एवं आवश्यक

सहायता तुरन्त उपलब्ध करायी गयी। इस अवसर पर अभ्यर्थियों के अभिभावकों ने भी पुलिस द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा पुलिस कर्मियों की सहयोगात्मक भूमिका की खूब सराहना की। परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस सहायता काउंटर और बैठने की व्यवस्था जैसी सुविधाएं अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों के लिए लाभदायक साबित हुईं। इस संबंध में फरीदकोट की एसएसपी डॉ. प्रज्ञा जैन ने बताया कि "नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा के दौरान छात्रों के लिए बिना किसी डर या व्यवधान के परीक्षा देने के लिए सुरक्षित माहौल का होना बहुत जरूरी है। फरीदकोट पुलिस ने करीब 300 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है, जिसमें डीएसपी से लेकर लेडी कांस्टेबल रैंक के कर्मी शामिल हैं। यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए विशेष ट्रैफि क रूट और नो-व्हीकल जोन लागू किए गए हैं। अभिभावकों और छात्रों की सुविधा के लिए सहायता केंद्र बनाए गए हैं, जो समय-समय पर जानकारी और सहायता प्रदान करते रहे हैं। नीट परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन द्वारा किए गए कड़े इंतजामों का एक दृश्य।

पंजाब कांग्रेस किस मुंह से देश के खिलाफ नरसंहार करने वाली पार्टी का समर्थन कर रही है - ब्रह्मपुरा

रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 4 मई : शिरोमणि अकाली दल के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा ने हाल ही में अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी से 1984 के सिख कत्लेआम तथा सिखों के प्रति कांग्रेस पार्टी के रवैये के बारे में तीखे और साहसिक सवाल पूछने वाले सिख युवक के साहस और जागरूकता की सराहना की है तथा कांग्रेस द्वारा किए गए सिख कत्लेआम की कड़ी निंदा की है।

ब्रह्मपुरा ने कहा कि जिस साहस और स्पष्टता के साथ इस नौजवान ने राहुल गांधी से कांग्रेस द्वारा सिखों पर किए गए अत्याचारों, विशेषकर 1984 के सुनियोजित नरसंहार, ऑपरेशन ब्लू स्टार, आनंदपुर साहिब प्रस्ताव को अलगाववादी कहना, सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर व अन्य कांग्रेसी अपराधियों को संरक्षण व पनाह देना आदि के बारे में सवाल पूछे हैं, वह सिख नौजवान की सच्चाई के प्रति जागरूकता व प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि युवक ने राहुल गांधी के उस बयान का करारा जवाब दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि सिख धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं, जिसे कांग्रेस शासन के दौरान बुरी तरह से दबा दिया गया था। कांग्रेस पार्टी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए ब्रह्मपुरा ने कहा कि 1984 का सिख कत्लेआम महज एक गलती नहीं थी, बल्कि सिख समुदाय को खत्म करने के लिए एक योजनाबद्ध नरसंहार था, जिसके लिए कांग्रेस पार्टी सीधे तौर पर जिम्मेदार है। दरबार साहिब पर हमला और हजारों निर्दोष सिखों का खुलेआम कत्लेआम भारतीय इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसके दाग आज भी ताजा हैं और जिसमें जगदीश टाइटलर जैसे कई दोषियों की संलिप्तता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हम सबका यह कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों और युवा पीढ़ी को कांग्रेस द्वारा सिखों पर किए गए अत्याचारों और इस नरसंहार के बारे में अच्छी तरह से जागरूक करें। उन्हें सच्चाई पता होनी चाहिए कि किस तरह सत्ता के नशे में चूर कांग्रेस सरकारों ने सिखों के अधिकारों को कुचला, उन पर अंधाधुंध अत्याचार किए तथा जगदीश टाइटलर समेत कई दोषियों को लंबे समय तक बचाने का प्रयास किया। यह जानकारी हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने तथा ऐसे इतिहास को दोहराने से रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। ब्रह्मपुरा ने पंजाब कांग्रेस पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि जो कांग्रेस पार्टी सिख समुदाय के खिलाफ नरसंहार की दोषी है, जिसके दोषियों में जगदीश टाइटलर जैसे नाम शामिल हैं, उस पर पंजाब की धरती पर किस अधिकार से मुकदमा चलाया जा रहा है? पंजाब कांग्रेस के नेताओं को सिखों को जवाब देना चाहिए कि वे उस पार्टी का समर्थन कैसे कर रहे हैं जिसने हमारे हजारों भाइयों और बहनों को मार डाला, हमारे पवित्र स्थलों को नष्ट कर दिया और दोषियों को संरक्षण दिया। सिखों के प्रति उनकी निष्ठा और पंजाब का प्रतिनिधित्व करने का उनका अधिकार संदेह के घेरे में है।

अंत में उन्होंने समस्त सिख समुदाय से अपील की कि वे अपने इतिहास को कभी न भूलें तथा कांग्रेस जैसे राजनीतिक दलों से सदैव सावधान रहें, जिन्होंने सिखों को कमजोर करने तथा उनके अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे साहसी युवाओं की जरूरत है जो सच बोलने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने से नहीं डरते।

खुशखबरी ! नोएडा को जल्द मिलेगी डबल डेकर बस, मोरना से जेवर तक आसान होगा सफर

नोएडा की सड़कों पर जल्दी ही डबल डेकर बस दौड़ने वाली है. ऐसा होने पर सबसे ज्यादा यात्रियों को फायदा होगा. यह मोरेना डिपो से लेकर परी चौक तक चलेंगी.

नोएडा लोगों को जल्द ही खुशखबरी मिलने वाली है. नोएडा की सड़कों पर जल्द ही डबल डेकर बस दौड़ती नजर आएंगी. पहले 2 बसें मोरेना डिपो से लेकर परी चौक तक चलेंगी. फिर जरूर के हिसाब से जेवर तक चलाई जाएंगी. प्रेबंधन को जल्द ही बस मिल जाएंगी. शासन के स्तर पर राज्य में पहले चरण में 20 बसों का संचालन किया जाएगा. बता दें कि इनमें से 2 बसों का संचालन नोएडा से किया जाएगा. जेवर की तरफ भी यात्रियों की संख्या पर्याप्त है

सूत्रों से पता चला है कि 2 दिन पहले ही शासन स्तर की बैठक हुई. गौतमबुद्ध नगर 2 डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों को चलाया जाएगा. इसकी तैयारियां शुरू कर दी है. इसका प्रयोग 2 बसों से किया जा रहा है.

जैसे ही यह प्रयोग सफल हो जाएगा डबल डेकर बसों की संख्या बढ़ा दी जाएंगी. मोरना से परी चौक और जेवर तक इस समय उठ्रबसें चल रही है. ये बसें सेक्टर -37 से परी चौक तक भी चलतीं हैं. बता दें कि इस रूट पर बसों के संचालन की प्रक्रया तेज हो गई है.

मोरना डिपो में इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं. जैसे ही यहां विद्युत कनेक्शन हो जाएगा तैसे ही बसों की चार्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध होगी. अलीगढ़, आगरा समेत अन्य जनपद से होकर अपनी जगह की ओर जाने वाली इलेक्ट्रिक बसें भी यहां पर चार्ज हो जाएंगी.

हरियाणा के पूर्व उट बंसीलाल के भाई की हार्ट अटैक से मौत, पोते ने दिया कंधा और बेटों ने मुखाग्नि

पूर्व सीएम बंसी लाल के भाई हरि सिंह शनिवार तक ठीक थे और घर पर ही थे. आज सुबह ही उन्हें हार्ट अटैक आया. बंसी लाल 8 भाई-बहन थे, जिनमें हरि सिंह सातवें नंबर पर थे. वह गांव में ही रहकर खेतीबाड़ी करते थे. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के छोटे भाई हरि सिंह का आज यानी (4 अप्रैल) 80 साल की उम्र में निधन हो गया. उन्होंने भिवानी में पैतृक गांव गोलागढ़ में अंतिम सांस ली. पोते अनिरुद्ध चौधरी ने उन्हें कंधा दिया. इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया. यहां 3 बेटों ने एक साथ उन्हें मुखाग्नि दी. बता दें कि पूर्व सीएम बंसी लाल के भाई हरि सिंह शनिवार तक ठीक थे और घर पर ही थे. आज सुबह ही उन्हें हार्ट अटैक आया. बंसी लाल 8 भाई-बहन थे, जिनमें हरि सिंह सातवें नंबर पर थे. वह गांव में ही रहकर खेतीबाड़ी करते थे. उनके भाई बंसीलाल 4 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे. 2 बार केंद्र में मंत्री बने. उनके बड़े बेटे रणबीर महेंद्रा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) के अध्यक्ष रहे और छोटे बेटे सुरेंद्र सिंह सांसद रहे. उनकी बहू किरण चौधरी राज्यसभा सांसद हैं तो वहीं पोती श्रुति चौधरी नायब सैनी सैनी सरकार में मंत्री हैं. हरि सिंह के 4 बच्चे हैं. उनके बड़े बेटे राजकुमार रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं. दूसरे नंबर के बेटे हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद से रिटायर्ड हैं. तीसरे बेटे विजय कुमार पीजीटी संस्कृत लेक्चरर हैं. चौथे नंबर के संत कुमार लोहारू कोर्ट में जज के रीडर हैं. हरि सिंह कुल 8 भाई-बहन थे, जिनमें से 4 भाई व 4 बहनें थीं. 3 भाइयों की पहले ही मौत हो चुकी है और अब चौथे भाई हरि सिंह की भी मौत हो गई है. 4 बहनों में से 2 बहनों की मौत पहले हो चुकी है और 2 बहने अभी जीवित हैं. बंसीलाल पढ़ाई के दौरान ही आंदोलनों में भाग लेने लगे थे. इसी दौरान वह सिख नेता सरदार दरबारा सिंह के संपर्क में आए. बंसीलाल को राजनीति में लाने का श्रेय इन्हीं को जाता है. आगे चलकर दरबारा सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री बने. वहीं, कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद बंसीलाल भिवानी के लोहारू रियासत के दरबार में वकालत करने लगे. 1957 में उन्होंने हिसार डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन का चुनाव लड़ा और अध्यक्ष बन गए. यहां से बंसीलाल के राजनीतिक सफर की शुरूआत हुई. वे जिला कांग्रेस से होते हुए पंजाब कांग्रेस कमेटी का हिस्सा रहे. 1960 का दशक आते-आते बंसीलाल को राजनीति में पहचान मिलनी शुरू हो गई. 1991 में पार्टी बनाई थी,. 1991 में कांग्रेस से अलग होकर बंसीलाल ने हरियाणा विकास पार्टी बनाई. 2004 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था. 31 मार्च 2005 को हेलिकॉप्टर दुर्घटना में छोटे बेटे सुरेंद्र सिंह की मौत हो गई. इसके बाध 2006 में बंसीलाल का निधन हो गया था.

चावल की नई किस्म जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने पर फोकसझ्र शिवराज सिंह चौहान

रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

पंजाब/चंडीगढ़,4 मई ;केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नई दिल्ली में, देश में विकसित विश्व की पहली दो जीनोम संपादित चावल की किस्मों के घोषणा के बाद मीडिया को इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये नई किस्में राष्ट्र में दूसरी हरित क्रांति का बिगुल बजाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। श्री शिवराज सिंह ने नई किस्में जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने पर फोकस करते हुए अधिकारियों को भी दिशा निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा चावल की दो नई किस्में विकसित की गई है,जिसमें से एक कमला (डी आर आर धान 100): है, जिसे आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर), हैदराबाद ने एक बारीक दाने वाली बहुप्रचलित किस्म सांबा महसूरी (बीपीटी 5204) में दानों की संख्या बढ़ाने के लिए जीनोम संपादन किया है। नई किस्म कमला अपनी मूल किस्म सांबा महसूरी (बीपीटी 5204) की तुलना में बेहतर उपज, सूखा सहिष्णुता, नाइट्रोजन उपयोग में दक्ष और 20 दिन पहले पककर तैयार हो जाती है। अखिल भारतीय परीक्षण में डीआरआर धान 100 (कमला) की औसत उपज 5.3 टन प्रति हे. पाई गयी जो साम्बा महसूरी (4.5 टन) से 19 % अधिक है ।चावल की दूसरी किस्म पूसा डीएसटी राइस 1 के बारे में बात करते हुए श्री शिवराज सिंह ने बताया कि आईसीएआर, पूसा संस्थान, नई दिल्ली ने धान की बहुप्रचलित किस्म एमटीयू 1010 में सूखारोधी क्षमता

और लवण सहिष्णुता के लिए उत्तरदायी जीन ह्लडीएसटीह्व को संपादित कर नई किस्म डीएसटी राइस 1 का विकास किया है। उन्होंने कहा कि टळव1010 किसानों के बीच बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि इसका दाना लम्बा-बारीक होता है, दक्षिण भारत में रबी सीजन के चावल की खेती के लिए अत्यधिक उपयुक्त है। यह सूखे और लवणता सहित कई अजैविक तनावों के प्रति संवेदनशील है। पूसा ऊ्रळ चावल 1 लवणता और क्षारीयता युक्त मृदा में एमटीयू 1010 की तुलना में 20% अधिक उपज देती है ।केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बताया कि यह किस्म आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के लिए विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि संस्तुत क्षेत्र में करीब 5 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्रफल में इन किस्मों के खेती से 4.5 मिलियन टन अधिक धान का उत्पादन होगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में 20 प्रतिशत यानि 3200 टन की कमी आएगी। इसके अतिरिक्त 20 दिन की अवधि कम होने के कारण तीन सिंचाई कम लगने से कुल 7500 मिलियन क्यूबिक मीटर सिंचाई जल की बचत होगी, जो अन्य फसलों के लिए काम आएगा। इन किस्मों के जल्दी पकने की वजह से अगली फसल की बुआई समय से हो सकती है और बहुफसलीय प्रणाली को अपनाया जा सकता है। श्री चौहान ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये किस्में राष्ट्र में दूसरी हरित क्रांति का बिगुल बजाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। प्रेस वार्ता के दौरान खाद्यान्न सुरक्षा के सवाल पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारत के पास किसी भी विकट स्थिति के लिए पर्याप्त खाद्यान्न है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लक्ष्य के साथ तेजी से काम चल रहा है, नई किस्मों की पहुंच किसानों तक जल्द से जल्द सुनिश्चित हो, इसके लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं।

हार के बाद भी निभा रहे है वादे झ्रहल्का डबवाली के गांव - गांव में बना रहे है लाइब्रेरीयां......

डबवाली/कालांवाली सुरेश जोरासिया दैनिक समाज जागरण

जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वे सिर्फ वायदे नहीं करते, बल्कि उन्हें निभाते भी हैं झ्र चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में। डबवाली हलके के गांव झुट्टीखेड़ा में उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान जो संकल्प लिया था, अब वह साकार रूप ले चुका है। 4 मई को दिग्विजय चौटाला ने ताऊ देवीलाल जी के नाम पर तैयार की गई लाइब्रेरी का विधिवत शुभारंभ किया।

जनता के बीच बना विश्वास का नाम झ्र दिग्विजय सिंह चौटाला

गांव झुट्टीखेड़ा के ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान दिग्विजय सिंह चौटाला ने गांव- गांव में युवाओं के लिए पढ़ाई व प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु एक- एक लाइब्रेरी बनवाने का वायदा किया था। चुनाव परिणाम कुछ भी रहे, लेकिन दिग्विजय चौटाला अपने संकल्प पर अडिग रहे और अब हर गांव को एक आधुनिक पुस्तकालय की सौगात मिल रही है।

हार कर भी काम करने की मिसाल कायम की

डबवाली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव भले ही जननायक जनता पार्टी हार गई, लेकिन दिग्विजय चौटाला ने हार को कभी बहाना नहीं बनने दिया। उन्होंने हलके के युवाओं, छात्रों और गांव-गांव में विकास को लेकर जो वादे किए थे, उन्हें लगातार पूरा कर

रहे हैं। इससे पहले भी वे हल्का डबवाली के लगभग आधे से भी ज्यादा गांवों में लाइब्रेरियां और खेल संसाधन उपलब्ध करवा चुके हैं।

लाइब्रेरी से युवाओं को मिलेगा पढ़ाई का बेहतर माहौल

झुट्टीखेड़ा की यह लाइब्रेरी ग्रामीण परिवेश के युवाओं के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगी। यहां बैठकर विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे, सामान्य ज्ञान बढ़ा सकेंगे और किताबों से जुड़ाव बढ़ेगा। दिग्विजय चौटाला का मानना है कि "ताऊ देवीलाल जी ने हमेशा ग्रामीण नौजवानों की ताकत पर भरोसा किया और शिक्षा को हथियार मानकर समाज को जागरूक करने का काम किया।" उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए यह पुस्तकालय स्थापित किया गया है।

ग्रामीणों ने जताया आभार, दी शुभकामनाएं

झुट्टीखेड़ा गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने दिग्विजय सिंह चौटाला का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज के समय में जब नेता चुनाव हारते ही क्षेत्र से दूरी बना लेते हैं, वहीं दिग्विजय चौटाला जनता के बीच पहले से ज्यादा सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह लाइब्रेरी गांव के बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रही 6 बांग्लादेशी महिलाएं, निर्वासन की कार्रवाई शुरू

दिल्ली से एक मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने 6 बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है.यह महिलाएं दिल्ली में अवैध रूप से रह रही थी. बता दें कि इनके निर्वासन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है

पूर्वी दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रही 6 बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है. इन महिलाओं के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे. इसके बाद दिल्ली स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (त्र्फ्फ्ड) की सहायता से निर्वासन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है. ये महिलाएं पुलिस की पकड़ से बचने के लिए दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर रह रही थीं. ऊ्रळ ईस्ट अभिषेक धानिया ने कहा कि पुलिस स्टेशन (मंडावली) को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाया गया और इंस्पेक्टर भूपेश कुमार, एसएचओ मंडावली के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई.

टीम ने एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला को पकड़ा. इसने बाद में दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में रह रहीं 5 और बांग्लादेशी महिलाओं के बारे में जानकारी दी. इसी आधार पर बाकी को हिरासत में लिया गया

ऊ्रळ ईस्ट अभिषेक धानिया ने कहा कि हिरासत में ली गई अप्रवासियों में 23 साल की मीम अख्तर, 35 साल की मीना बेगम, 36 साल की शेख मुन्नी, 25 साल की पायल शेख, 36 साल की सोनिया अख्तर और 34 साल की तानिया खान शामिल हैं. सभी 6 महिलाएं बिना उचित दस्तावेज के भारत में रह रही थीं. ऊ्रळ ने कहा कि यह अभियान पूर्वी जिला पुलिस द्वारा 19 नवंबर, 2024 को अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए शुरू किए गए व्यापक अभियान का हिस्सा है. यह अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 15 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों की पहचान की गई है. उन्हें निर्वासित किया गया है. जिले में रहने वाले और अधिक अवैध अप्रवासियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं.

हरियाणा के इस जिले को अगले 20 दिन नहीं मिलेगा पानी, पंजाब से पानी रोके जाने पर गहराया जल संकट

सिरसा जिला में अधिकतर नहरों में तो पानी की एक बूंद भी नहीं है और कई नहरों में पानी कल तक के लिए ही है.

अगले 20 दिनों के लिए सिरसा जिला की तकरीबन नहरों में पानी नहीं दिया जाएगा और पानी का अभाव में नहरे भी खाली हो जाएगी. पंजाब द्वारा हरियाणा को पानी नहीं दिए जाने से अब इसका असर प्रदेश में देखने को मिल रहा है. पंजाब के साथ सटे हरियाणा के सिरसा और भिवानी जिले में पानी के लिए हाहाकार मचना शुरू हो गया है. हरियाणा पहले ही पानी की कमी का अहसास दिला चुका है. अब हरियाणा के आखिरी छोर पर बसे सिरसा में पानी की भारी किल्लत देखने को मिल रही है. हालात यह है कि सिरसा जिला में अधिकतर नहरों में तो पानी की एक बूंद भी नहीं है और कई नहरों में पानी कल तक के लिए ही है. अगले 20 दिनों के लिए सिरसा जिला की तकरीबन नहरों में पानी नहीं दिया जाएगा और पानी का अभाव में नहरे भी खाली हो जाएगी. वहीं भिवानी डीसी ने सिंचाई व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को अलर्ट कर दिया है. साथ ही लोगों से भी पानी की बबार्दी न कर पानी बचाने की अपील की है.

कैलाशपति लंगर सेवा समिति दो जुलाई को उत्तराखंड के मुनेरी में कावरियों के लिए लंगर भेजेगी

मन्नू शर्मा पराशर दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 4 मई : प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था कैलाशपति लंगर सेवा समिति

(रजि) इकाई जैतो के प्रेस सचिव संदीप लूम्बा ने चयनित पत्रकारों को जानकारी दी कि इस बार 20वां लंगर 2 जुलाई को कालू राम जी की बगीची शिव मंदिर से मुनेरी, उत्तराखंड के लिए रवाना होगा। इस बार 40 से 50 श्रद्धालुओं का जत्था लंगर लेकर रवाना होगा तथा इस बार आतंकवादियों द्वारा मारे गए 28 निहत्थे हिंदुओं की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप उत्तराखंड के मुनेरी में एक दिवसीय हवन-यज्ञ एवं लंगर का आयोजन किया जाएगा। यह लंगर बाबा भोले नाथ जी की कृपा से, साधु-संतों महात्माओं के आशीर्वाद से आयोजित किया जाएगा। संरक्षक संजीव बांसल बब्बू, चेयरमैन पवन गंगा वाले, अध्यक्ष लवलीन कोचर, उपाध्यक्ष निक्का कटारिया व प्रतीक जैन, सचिव लव कुश गोयल और कैशियर विजय गंगा वाले विशेष रूप से उपस्थित रहे। लंगर का शुभारंभ जशन कुमार, सोहन लाल बचन, निक्का, सुमित शर्मा, सात्विक ,लाखा कुमार सोनू, पवन वधवा, हरीश तायल, बिट्टू सदियोदा आदि की उपस्थिति में किया जाएगा।

श्रीगुरु रविदास धर्मशाला में लगाया RO वाटर कूलर

कालांवाली 4 मई (सुरेश जोरासिया) श्रीगुरू रविदास धर्मशाला कालांवाली

में पीने के लिए ठंड़े पानी की अति आवश्यकता थी ' धार्मिक व समाजिक कार्यो के लिए मुल्य देकर पानी खरीदना पड़ता था' श्रीगुरू रविदास सभा के सभी सदस्यों ने विचार विर्मश किया कि फ्ढ वाटर कूलर लगवाया जाऐ। श्रीगुरू रविदास सभा की और से मांग ब्लॉक समिति मैंबर अमर कुमार के समक्ष मांग रखी। उन्होंने इस मांग को उचित मानते हुऐ ब्लॉक औढ़ा की और आज श्रीगुरू रविदास धर्मशाला में फ्ढ वाटर कूलर सिस्टम लगाया गया। ब्लॉक समिति मैंबर अमर कुमार ने बताया कि इस पुण्य कार्य हैं यह ठंडा पानी गर्मी मे आमजन की पियास मिटाऐगा इसका सभी को लाभ मिलेगा। हर कोई राहगीर ठंड़ा पानी पी सकेगा' सभा कि ओर से ब्लॉक समिति मैबर अमर कुमार एवं ग्रामपंचायत का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अध्यक्ष अश्वनी नूना, उपाध्यक्ष सुरेश जोरासिया पत्रकार, पंच प्रतिनिधि गुरमीत सिंह,नरेश (काला), बलवीर सिंह,जसवीर जोनी, कुलदीप मिस्त्री,दर्शन मिस्त्री,सोनू,टेकचंद अन्य ग्रामीण मौजुद रहे।

NEET UG परीक्षा पर चीफ सेक्रेटरी की नजर, जिले के उ्उ को दिए ये निर्देश, नहीं होगी कोई गड़बड़ी !

नीट यूजी की परीक्षा देशभर में कल आयोजित की जा रही है. इस बार परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए कड़े इंतेजाम किए गए हैं. इसके लिए राज्य के चीफ सेक्रेटरी इस पर नजर बनाए हुए हैं. हरियाणा में ठएएळ (यूजी) 2025 परीक्षा के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं. आगामी 4 मई को आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए राज्यभर से 60,687 छात्रों ने पंजीकरण कराया है. परीक्षा का आयोजन 162 निर्धारित केंद्रों पर किया जाएगा.

परीक्षा की सुचारू और निष्पक्ष संचालन को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की थी. इस बैठक में राज्य पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, उच्च शिक्षा निदेशक राहुल हुड्डा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) विनीत गर्ग, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (ठळअ) के प्रतिनिधि और राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक शामिल हुए. यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी.

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर परीक्षा प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी और किसी भी तरह के घटना-मुक्त बनाने के लिए नागरिक प्रशासन और ठळअ के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को ठळअ के सिटी कोऑर्डिनेटर्स के साथ मिलकर कार्य करने और परीक्षा केंद्रों पर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए.

पुलिस जवान की बहादुरी से भी नहीं बची युवक की जान

हरियाणा के कैथल में चाकुओ से हमला. अब घायल कुलबीर की मौत. 6-7 हमलावरों ने कुलबीर पर बाजार किया था हमला. पुलिस वाले ने साहस का परिचय देते हुए कुलबीर को गुंडों से बचाया था. लेकिन उसकी अब मौत हो गई. पुलिस कर्मी की बहादुरी भी कुलबीर की जान नहीं बचा पाई. हालांकि, उन्होंने पूरी कोशिश की लेकिन अस्पताल में कुलबीर ने दम तोड़ दिया और ऐसे में माता पिता का इकलौता बेटा दुनिया को छोड़कर चला गया. बदमाशों मे बेहरमी से उसपर चाकू से वार कर घायल कर दिया था. इस हत्याकांड की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है. जानकारी के अनुसार, कैथल के रेलवे गेट स्थित बीच बाजार में चौशाला निवासी कुलबीर नामक एक युवक पर छह-सात लोगों ने चाकुओं से ताबड़ तोड़ हमला कर दिया था, जिसके बाद कुलबीर की इलाज के दौरान हिसार ले जाते वक़्त मौत हो गई. पूरी घटना उउळश में कैद हो गई, जिसके बाद हमलावर कुलबीर पर चाकुओं से वार करते हुए नजर आ रहे हैं और दूसरी उउळश फुटेज में वो भागते हुए भी नजर आ रहे हैं. जब हमलावर कुलबीर पर वार कर रहे थे तो इसी दौरान पुलिस कर्मी भूप सिंह भागते हुए युवक को बचाने आए और फिर पुलिस कर्मी को आता देख हमलावर भाग खड़े हुए. एअरकभूप सिंह ने हमलावरों को पकड़ने की कोशिश भी की लेकिन वो भाग निकले. मौके से हमलावरों की 20 गाड़ी जरूर पुलिस के हाथ लग रही है. एक पुलिस वाले ने तो साहस दिखाते हुए बहादुरी का परिचय दिया, लेकिन आसपास के दुकानदार खड़े होकर तमाशा देखते रहे और मोबाइल से वीडियो बनाते रहे, लेकिन युवक की मदद के लिए कोई भी नहीं आया. घायल कुलबीर को कैथल के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हिसार रेफर कर दिया गया लेकिन ज्यादा खून बहने की वजह से रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया. कुलबीर की टाँगों और सिर में चाकू से वार किया गया था. जिसकी वजह से उसकी टांगों की नसें फट गयी थी और खून ज्यादा बह गया. कैथल कि शहर थाना प्रभारी गीता ने बताया कि बीचबाजार एक युवक पर हमला किया गया था. अब इलाज के दौरान ज्यादा खून बहने से मौत हो गई है.

टाटा संस की सूचीबद्धता के मामले में सवाल

(आरबीआई) ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि टाटा संस को सितंबर 2025 तक सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी बनना ही होगा या इसे छूट दी जाएगी। टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की अंतिम तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, 165 अरब डॉलर के कारोबारी समूह की नियंत्रक कंपनी, अपने भविष्य के कॉरपोरेट ढांचे को लेकर अनिश्चितता से घिरती हुई दिख रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि टाटा संस को सितंबर 2025 तक सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी बनना ही होगा या इसे छूट दी जाएगी।

यह सब तक शुरू हुआ जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर 2022 में टाटा संस को शीर्ष स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में वगीकृत किया जिसका मतलब यह हुआ कि इसे अगले तीन वर्षों के भीतर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना होगा। टाटा संस ने आरबीआई से छूट मांगी है और बुनियादी निवेश कंपनी (सीआईसी) के रूप में अपना पंजीकरण रद्द करने का अनुरोध किया है ताकि वह आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और सूचीबद्धता से बच सके। हालांकि इस विषय पर इसके दो सबसे बड़े शेयरधारकों के विचार मुद्दे की जटिलता को बढ़ाते हैं। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की बड़ी कंपनी शापूरजी पलोनजी, जो फिलहाल वित्तीय संकट से जूझ रही है, उसकी टाटा संस में 18 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है और यह दूसरी सबसे बड़ी शेयरधारक है। शापूरजी अपने कारोबार को नए सिरे से उभारने के लिए पूंजी जुटा रही है और यह चाहती है कि टाटा संस सूचीबद्ध हो। लेकिन टाटा संस में 66 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक, टाटा ट्रस्ट्स ने नियंत्रक कंपनी की सूचीबद्धता का विरोध किया है। इस सूचीबद्धता का अर्थ टाटा समूह पर टाटा ट्रस्ट के नियंत्रण का कमजोर होना हो सकता है।

हालांकि बात बस इतनी ही नहीं है। सूचीबद्धता के मुद्दे पर टाटा ट्रस्ट के भीतर विचारों में मतभेद को लेकर भी काफी अटकलें लगाईं जा रही हैं। टाटा ट्रस्ट की अध्यक्षता अब नोएल टाटा कर रहे हैं जो शापूरजी पलोनजी परिवार से भी जुड़े हैं। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई और साइरस मिस्त्री के बहनोई हैं जिन्हें 2016 में बोर्डरूम में तख्तापलट जैसी स्थिति बनने के बाद टाटा संस के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। मिस्त्री की वर्ष 2022 में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। सवाल यह है कि टाटा संस की सूचीबद्धता आखिर इतना बवाल वाला मसला क्यों बन गई है? इसे समझने के लिए कुछ बातों पर गौर करते हैं। पिछले साल तक लगभग 365 अरब डॉलर के संयुक्त बाजार पूंजीकरण के साथ टाटा समूह की सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध 26 कंपनियां हैं। केवल 2024 में ही भारत में 300 से अधिक कंपनियों ने 1.8 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ का सहारा लिया। आमतौर पर सूचीबद्धता का कारण पूंजी जुटाना, अपनी मौजूदगी को हर जगह दर्ज कराना, प्रतिष्ठा बढ़ाना और निवेशकों को आकर्षित करना होता है। टाटा संस के मामले में निवेशकों की व्यापक पहुंच का अर्थ यह भी है कि टाटा ट्रस्ट और शापूरजी पलोनजी जैसे दो बड़े शेयरधारकों के शेयर कम हो सकते हैं। इसके कारण टाटा संस की स्वामित्व संरचना में भी बदलाव आ सकता है। स्वामित्व संरचना में बदलाव की संभावना से ही यह तूफान उठा है और कुछ हद तक यही विवाद की वजह है। टाटा संस की सूचीबद्धता वास्तव में कंपनी के कॉरपोरेट प्रशासन में नया बदलाव ला सकती है जिसका नियंत्रण विविध कारोबारों के एक व्यापक दायरे पर है। टाटा संस पर टाटा ट्रस्ट की ह्यमजबूत पकड़ह्न ने अक्सर इस वजह से आलोचना की गुंजाइश बढ़ाई है कि दोनों कंपनियों के विभाजन की सीमाएं ही स्पष्ट नहीं हैं। पहले भी ट्रस्ट के खिलाफ अतिक्रमण के आरोप लगे हैं और यह मुद्दा साइरस मिस्त्री के मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले में प्रमुखता से सामने आया था।

अक्टूबर 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद ही टाटा ट्रस्ट की भूमिका और टाटा संस के साथ उसके संबंध को लेकर सवाल फिर से उठने लगे हैं। रतन टाटा की मौत के बाद नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का अध्यक्ष नामित करने के अलावा, उन्हें टाटा संस के नामित निदेशक के रूप में भी शामिल किया गया। अपने पूर्ववर्ती लोगों के विपरीत नोएल टाटा, टाटा संस बोर्ड में बिना कोई अनुभव हासिल किए ही टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष बने। वहीं दूसरी ओर, एन चंद्रशेखरन का टाटा संस के अध्यक्ष के तौर पर दूसरे कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा हो चुका है और वह टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी भी नहीं हैं। कंपनी के प्रशासन नियमों के अनुसार, समूह ने कुछ साल पहले ही टाटा संस और टाटा ट्रस्ट दोनों के अध्यक्ष का कार्यभार एक ही व्यक्ति द्वारा संभाले जाने की रवायत खत्म कर दी थी ताकि दोनों इकाइयों के बीच एक दूरी बनाई रखी जा सके। रतन टाटा, टाटा ट्रस्ट की अध्यक्षता करने के साथ ही टाटा संस के प्रमुख रहने वाले भी अंतिम व्यक्ति थे। टाटा संस की सूचीबद्धता को लेकर काफी सुर्खियां बन रही हैं ऐसे में सितंबर तक के काउंटडाउन में सबकी निगाहें बॉम्बे हाउस पर होगी। इस समूह की सूचीबद्धता में विरासत, कॉरपोरेट प्रशासन, स्वामित्व संरचना से जुड़े कथ्यों का दबदबा होगा लेकिन सवाल यह है कि आरबीआई के रुख से बेपरवाह, टाटा संस आने वाले हफ्ते और महीने में इस पर कैसी प्रतिक्रिया देगी?

जहां तक टाटा ट्रस्ट की बात है, इसकी स्थापना 100 वर्ष पहले दान और परोपकार से जुड़े कार्यों के मकसद से की गई थी। टाटा ट्रस्ट्स में सबसे बड़े सर रतन टाटा ट्रस्ट की स्थापना 1919 में की गई थी। यह भारत के सबसे पुराने परोपकारी संस्थानों में से एक बन गया और इसने दान के पारंपरिक विचारों को भी बदला। क्या टाटा ट्रस्ट्स को एक कारोबारी साम्राज्य पर नियंत्रण करने के बजाय परोपकार के अपने मूल काम पर जोर नहीं देना चाहिए?

प्रमुख स्टील विनिमार्ता फिर लगा सकते हैं अपनी बोलियां

मार्च 2021 में आईबीसी नीलामी के समय जेएसडब्ल्यू स्टील ने भूषण पावर के कुल 47,200 करोड़ रुपये के ऋण में से ऋणदाताओं को 19,700 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। देव चटजीर्देव चटर्जी प्रमुख स्टील विनिमार्ता फिर लगा सकते हैं अपनी बोलियां भूषण पावर ऐंड स्टील के परिसमापन के लिए सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश देश में क्षमता विस्तार करने पर विचार करने वाली प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्टील विनिमार्ताओं की दिलचस्पी फिर से जोर पकड़ सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह अनुमान जताया है। देश की ऋणशोध संहिता के तहत किसी समय प्रमुख अधिग्रहण के रूप में रहने वाली इस कंपनी को पहले दिवाला नीलामी प्रक्रिया के दौरान टाटा स्टील और ब्रिटेन की लिबर्टी हाउस से बोलियां प्राप्त हुई थीं। अंततः जेएसडब्ल्यू स्टील ने इसका अधिग्रहण कर लिया था। जेएसडब्ल्यू के तहत भूषण पावर का परिचालन 27.5 लाख टन से बढ़कर 45 लाख टन हो गया। एक बैंकर ने कहा, ह्यवैश्विक प्रमुख कंपनियों सहित भारत में परिचालन करने वाली सभी प्रमुख स्टील कंपनियां इस परिसंपत्ति का मूल्यांकन कर सकती हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। इस मामले से परिचित सूत्रों ने कहा कि नवीन जिंदल के नेतृत्व वाली जिंदल स्टील ऐंड पावर भी प्रस्ताव पेश कर सकती है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार सज्जन जिंदल के स्वामित्व वाली जेएसडब्ल्यू स्टील भी परिसमापन प्रक्रिया के तहत नीलामी में भूषण पावर ऐंड स्टील की परिसंपत्तियों के

लिए बोली लगा सकती है। वेरिटास लीगल के सह-संस्थापक और वरिष्ठ साझेदारर राहुल द्वारकादास ने कहा, ह्यपरिसमापन प्रक्रिया के अनुसार परिसमापन करने वाला परिसंपत्तियों के लिए प्रस्ताव मांगेगा, जो सार्वजनिक नीलामी या निजी बिक्री अथवा किसी मौजूदा प्रयोजन के रूप में हो सकता है। इसका मकसद प्रत्येक परिसंपत्ति के मूल्य को अधिकतम करना का है ताकि लेनदारों को भुगतान किया जा सके। जेएसडब्ल्यू स्टील के भाग लेने पर कोई रोक नहीं लगती है, जब तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ अवलोकन नहीं किए हों। मार्च 2021 में आईबीसी नीलामी के समय जेएसडब्ल्यू स्टील ने भूषण पावर के कुल 47,200 करोड़ रुपये के ऋण में से ऋणदाताओं को 19,700 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। नए सिरे से नीलामी में समय लग सकता है और बिना किसी उतार-चढ़ाव के होने की संभावना नहीं है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार वर्षों पुराने अधिग्रहण को रद्द करने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से संभावित निवेशकों में बेचैनी होगी। सलाहकार कंपनी कैटालिस्ट एडवाइजर्स के संस्थापक केतन दलाल ने कहा, ह्ययह फैसला बुनियादी चिंताओं को जन्म देता है।ह्न उन्होंने कहा, ह्यजब कई सालों के बाद किसी बड़े लेनदेन को पलटा जाता है, तो इससे अनिश्चितता पैदा होती है झ खास तौर पर कर्मचारियों, लेनदारों और डाउनस्ट्रीम निवेशकों के संबंध में, जिन्होंने अधिग्रहण की वैधता के आधार पर काम किया। उन्होंने कहा कि यह मामला भारत के दिवाला समाधान ढांचे के मामले में मिसाल कायम कर सकता है और लंबे समय से तय सौदों में निवेशकों का भरोसा बदल सकता है। दलाल ने कहा कि संभावित बोलीदाता भी स्पष्टता चाहते हैं और वे मुकदमेबाजी जोखिम के संबंध में कोई अनिश्चितता नहीं चाहते हैं। दलाल के अनुसार परिसमापन प्रक्रिया अपने आप में बहुत आसान नहीं होती है और प्रत्येक परिसंपत्ति को अलग से बेचना होता है।

वैश्विक व्यापार संघर्ष और भारत का औद्योगिक भविष्य: नवाचार और प्रौद्योगिकी में गहराई लाने की जरूरत

डब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 1995 से 2023 के बीच विश्व व्यापार (वस्तु एवं वाणिज्यिक सेवाएं) में मजबूत वृद्धि देखी गई जो सालाना करीब 5.8 फीसदी रही। विश्व अर्थव्यवस्था असाधारण स्तर की कारोबारी उथल-पुथल की शिकार है। इस मामले में जोखिम की जो भी आशंकाएं रही हैं, उनको हमेशा से ही वैश्वीकरण और आर्थिक निर्णयों को संचालित करने वाली रूढ़िवादिता के पक्ष में भारी रूप से नजरअंदाज किया गया है। विविधता के अवसरों ने अपेक्षाकृत लंबी अवधि के लिए आशावाद उत्पन्न किया है। वह इस तथ्य में भी नजर आता है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों द्वारा सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) के आधार पर लागू किया जाने वाला औसत टैरिफ 10 फीसदी से नीचे आ गया है। हालांकि डब्ल्यूटीओ के अस्तित्व में आने के बाद कई विकासशील देशों ने एकतरफा टैरिफ उदारीकरण को अपनाया है जिसके चलते विकसित देशों में विसंगतिपूर्ण सब्सिडी, गैर टैरिफ अवरोध और कठिन मानक सामने आए हैं। इससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दूरी बढ़ रही है। डब्ल्यूटीओ इसे हल नहीं कर पाया और इसकी वैधता को लेकर एक संकट उत्पन्न हुआ। व्यापक उथल-पुथल का प्रभावी तौर पर यह मतलब हुआ कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवादों का क्षेत्र बना रहा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था द्वारा हाल ही में एकतरफा कदम उठाते हुए टैरिफ लगाए जाने से पिछली तमाम सहमतियां बेकार हो गईं। इसके साथ ही डब्ल्यूटीओ में भरोसा तथा वार्ता की उसकी क्षमता प्रभावित हुई। इस

घटना ने आर्थिक वैश्वीकरण की बुनियाद को हिला दिया। ऐसे में भारत को दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है। डब्ल्यूटीओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 1995 से 2023 के बीच विश्व व्यापार (वस्तु एवं वाणिज्यिक सेवाएं) में मजबूत वृद्धि देखी गई जो सालाना करीब 5.8 फीसदी रही। परिणामस्वरूप इसमें पांच गुना का इजाफा देखने को मिला। जैसा कि सबको पता है विश्व व्यापार में वृद्धि ने वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को पीछे छोड़ दिया जिसमें इसी समान अवधि में सालाना 4.4 फीसदी की दर से ही वृद्धि हुई। वैश्विक व्यापार-जीडीपी अनुपात में मजबूती आई। यह 1995 के 20 फीसदी से बढ़कर 2022 में 31 फीसदी पर पहुंच गया। हालांकि 2023 में इसमें गिरावट आई और यह 29 फीसदी रह गया। बहरहाल, वैश्वीकरण के अन्य मानकों को ध्यान में रखें तो समान अवधि में विकासशील देशों द्वारा वैश्विक वित्त, निवेश प्रवाह या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का लाभ उठाने के मामले में कम अनुकूल रुझान देखने को मिले। ये व्यापार एकीकरण की सबसे अहम अनुपूरक शक्तियां हैं और विकासशील देश बहुत मुश्किल से क्षमता निर्माण या नवाचार कर पाते हैं। इस संदर्भ में हम यह ध्यान दे सकते हैं कि तकनीकी सबकों से तकनीकी अवसरों में बहुत अधिक इजाफा होता है। शोध एवं विकास तथा सबक कई बार एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं।

ऐसे में पुरानी हिचकिचाहट को छोड़कर देश की जरूरतों से संबद्ध तकनीकी अवसरों में इजाफा करने में सरकार की भूमिका को कई गुना बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही निवेश और मांग तैयार करने पर भी जोर देना होगा तथा प्रोत्साहनों का भी उचित इस्तेमाल करना होगा। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हमेशा यह कहा जाता है कि कारोबार में विभिन्न कंपनियां शामिल होती हैं न कि देश। ऐसे में कंपनियों के स्तर पर शोध एवं विकास या तकनीकी क्षमताएं सुधारने की आवश्यकता है। फिर चाहे ये कंपनियां छोटी हों या बड़ी, विनिर्माण में हों या सेवा क्षेत्र में। भारत उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं के निर्यात के मामले में दुनिया का सबसे तेजी से बड़ा होता निर्यातक है। लेकिन भारत का उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं का आयात मोटे तौर पर चीन से होता है और निर्यात बहुत हद तक अमेरिका के साथ संबद्ध है।

उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारी व्यापार घाटे की भरपाई केवल जीवंत औद्योगिक नीति की मदद से किया जा सकता है जिसका लक्ष्य तकनीकी गहराई लाना हो। जैसा कि विश्व बौद्धिक संपदा संस्थान ने भी कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं के विश्व व्यापार के क्षेत्र में अभी हाल तक चिकित्सा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन, परमाणु ऊर्जा और विमान/अंतरिक्ष यान आदि उभरते हुए क्षेत्र हैं और भारत इन क्षेत्रों में बहुत अच्छी स्थिति में है।

इसके लिए पर्याप्त पूंजी जुटाने की कोशिश काफी अहम है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवाचार में पूंजी की अहम भूमिका है जो पूंजी की उत्पादकता बढ़ाएगी और दीर्घवधि की वृद्धि पर सकारात्मक असर डालेगी। जाने माने अर्थशास्त्री फिलिप आगियॉन और पीटर हॉविट ने भी ऐसा ही सुझाव दिया है।

प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर सीख हासिल करना भारत के औषधि क्षेत्र के लिए महत्त्वपूर्ण रहा है। कोविड के दौरान तथा टीका बनाने की प्रक्रिया के दौरान देश के औषधि क्षेत्र ने जो आक्रामकता दिखाई उसमें भी यह नजर आता है। यहां तक कि उन्नत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के मामले में सिद्धहस्त होने में भी यह देखा जा सकता है। हालांकि यह क्षेत्र बौद्धिक संपदा अधिकार को लेकर काफी संवेदनशील रहा है। यह दबाव अन्य भौगोलिक क्षेत्रों से सामने आता है। भारत ने बहुत कम समय में सक्रिय हस्तक्षेप और सरकारी प्रोत्साहन की मदद से दुनिया के प्रमुख स्मार्टफोन निर्यातक देश का दर्जा हासिल किया है, जिसमें 70 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी अकेले आईफोन की है। हम अपनी मूल्य श्रृंखला का भी तेजी से स्वदेशीकरण कर रहे हैं। इस क्षेत्र में नवाचार को गति भविष्य की जरूरतों के अनुसार कलपुर्जों आदि पर रणनीतिक नीतियों से मिल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि स्मार्टफोन जैसे उत्पाद, कीमतों के संकेतों को लेकर प्रायः हमेशा लचीले नहीं रह सकते हैं। ऐसे में विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकते हैं। तकनीकी गहराई और नवाचार संबंधी क्षमताएं घरेलू मूल्य निर्माण को टिकाऊ बनाने में मदद करेंगी। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के कलपुर्जे बनाने में इससे मदद मिलेगी। देश का वाहन क्षेत्र तकनीकी हस्तांतरण और सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों को उससे होने वाले लाभ का सीधा उदाहरण है। अन्य तकनीक आधारित क्षेत्र भी हैं मसलन विनिर्माण आदि जहां कौशल की उपयोगिता है। देश में बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्रों में इसे महसूस किया जा सकता है। बहरहाल हाल के दिनों की तमाम कामयाबी के बावजूद सीखने की यह प्रक्रिया पूरी तरह निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर ज्ञान तैयार करना होगा ताकि विदेशी प्रौद्योगिकी पर हद से अधिक निर्भरता को त्यागा जा सके। इससे हमें अन्यत्र अपनाए गए प्रौद्योगिकी विकास और व्यापार मॉडलों के कुछ गलत परिणामों को रोकने में भी मदद मिलेगी।

वरुण बेवरिजेज बिक्री में दमदार वृद्धि को तैयार

कंपनी का राजस्व 5,680 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सकल लाभ 3,151 करोड़ रुपये रहा। यह सालाना आधार पर 25.5 फीसदी तक की वृद्धि है। देवांशु दत्तादेवांशु दत्ता इस बेवरेज कंपनी का शेयर 8 महीने में 107 फीसदी चढ़ा, MCap 2 लाख करोड़ रुपये के पार निकला, पेप्सिको की बॉटलर वरुण बेवरिजेज (वीबीएल) ने कैलेंडर वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 29 फीसदी की राजस्व वृद्धि और 30 फीसदी की बिक्री वृद्धि दर्ज की। लेकिन दक्षिण अफ्रीका में सुस्त प्राप्तियों की वजह से संयुक्त बिक्री आय पर कुछ दबाव देखा गया। कंपनी का राजस्व 5,680 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सकल लाभ 3,151 करोड़ रुपये रहा। यह सालाना आधार पर 25.5 फीसदी तक की वृद्धि है। कंपनी का सकल मार्जिन सालाना 161 आधार अंक की कमजोरी के साथ 55.5 फीसदी रहा। एबिटा मार्जिन भी सालाना आधार पर 20 आधार अंक तक घट गया जबकि एबिटा 28 फीसदी बढ़कर 1,264 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका और डीआरसी (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो) के एकीकरण के अलावा बिक्री वृद्धि सालाना आधार पर 15.5 फीसदी रही। प्राप्तियां सालाना आधार पर 178 रुपये प्रति पेटी के साथ सपाट बनी रहीं। घरेलू बाजार और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री वृद्धि दर्ज की गई। कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक, जूस, पानी बिक्री एक साल पहले के मुकाबले क्रमशः 38 फीसदी, 22 फीसदी और 6 फीसदी बढ़कर 23.4 करोड़, 2.2 करोड़

और 5.6 करोड़ पेटियों पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका कारोबार के एकीकरण के साथ कैलेंडर वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एबिटा मार्जिन 22.7 प्रतिशत रहा (स्वामित्व वाले ब्रांडों के ऊंचे अनुपात के कारण दक्षिण अफ्रीकी मार्जिन कम है)। प्रति पेटी एबिटा सालाना आधार पर 2 फीसदी घटकर 40 करोड़ रुपये रह गया। समायोजित पीएटी सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 720 करोड़ रुपये रहा। तीन नए संयंत्र चालू होने से मूल्यास व्यय में सालाना आधार पर 45.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। क्यूआईपी का उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया गया जिससे भारत में वित्तीय लागत कम हो गई। शेष ब्याज व्यय का अधिकांश हिस्सा दक्षिण अफ्रीकी परिचालन से जुड़ा हुआ है। वीबीएल को हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में क्षमता विस्तार की मदद से वर्ष 2025 में दो अंक की वृद्धि दर्ज करने का भरोसा है। इसके अलावा, मई तक दो और संयंत्र उत्पादन शुरू कर देंगे। प्रबंधन को लंबी अवधि में दो अंक में वृद्धि और भारत में 21 प्रतिशत एबिटा मार्जिन की उम्मीद है। वीबीएल वितरण पैठ को बेहतर बनाने के लिए अधिक कमर्शियल रेफ्रीजरेशन यूनिट लगाने पर ध्यान दे रही है। दक्षिण अफ्रीका में कारोबार का एकीकरण अच्छा रहा है। लेकिन मार्जिन कम बना हुआ है। कंपनी का लक्ष्य इस बाजार में कुछ गैर-लाभकारी उत्पादों को छोड़ना और पेप्सिको के पोर्टफोलियो को बढ़ाना है। प्रबंधन ने उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव की ओर इशारा किया जिसमें निंबूज भी शामिल है जो सालाना आधार पर 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहा है। एनर्जी ड्रिंक्स में मजबूत वृद्धि देखी गई, जो सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। लो-शुगर और नो-शुगर उत्पादों की भागीदारी कैलेंडर वर्ष 2025 की पहली तिमाही में समेकित बिक्री के 59 फीसदी पर पहुंच गई। इससे उपभोक्ताओं की पसंद में आ रहे बदलाव का पता चलता है। कंपनी ने एक नया एनर्जी ड्रिंक, स्टिंग गोल्ड पेश किया है और पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए, वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के अंत तक जीरा आधारित पेय भी लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

देश के पारिवारिक मनोरंजन केंद्रों की कमी दूर हो

भारती रियल एस्टेट दिल्ली के एरोसिटी में 30 लाख वर्ग फुट वाला देश का सबसे बड़ा मॉल विकसित कर रही है। भारत के पारिवारिक मनोरंजन केंद्रों (एफईसी) या ऐम्यूजमेंट पार्क क्षेत्र में बड़ी कमी है जिसे दूर करने की जरूरत है। और सभी वैश्विक कंपनियां भारत में आना चाहेंगी, क्योंकि यह अकेली ऐसी प्रमुख अर्थव्यवस्था है जिसमें बढ़ी वृद्धि दिख रही है। यह कहना है भारती रियल एस्टेट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी एसके सयाल का। भारती रियल एस्टेट दिल्ली के एरोसिटी में 30 लाख वर्ग फुट वाला देश का सबसे बड़ा मॉल विकसित कर रही है, जिसमें 3,00,000 वर्ग फुट में इनडोर मनोरंजन है। बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ विशेष बातचीत में शीर्ष कार्यकारी ने कहा कि जहां कई लक्जरी और हाई-स्ट्रीट फूड और खुदरा क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां मॉल में जगह लेने के लिए उत्सुक हैं, वहीं कंपनी इनडोर मनोरंजन क्षेत्र के मामले में कई वैश्विक कंपनियों के साथ भी बातचीत कर रही है। अलबत्ता उन्होंने कहा कि भारती समूह की रियल एस्टेट विकास शाखा मनोरंजन पार्कों के प्रबंधन या संयुक्त विकास में शामिल नहीं होगी। सयाल ने कहा, ह्यबड़ी (वैश्विक) कंपनियों ने भारत की ओर देखना शुरू कर दिया है। लेकिन शुरूआत में कुछ स्थानीय कंपनियों को आगे आकर दिखाना होगा। हम उन कंपनियों की संभावना देख रहे हैं जो जापान, दक्षिण कोरिया, अबू धाबी, दुबई या फिनलैंड (यूरोप) जैसे बाजारों में काम कर रही हैं। हम रियल एस्टेट डेवलपर बने रहना चाहते हैं, केवल सुविधा प्रदाता बनना चाहते हैं। हम शुरू में किराए पर रियल एस्टेट दे सकते हैं, यह राजस्व-साझेदारी मॉडल हो सकता है और फिर नियमित किराए की दिशा में बढ़ सकते हैं, लेकिन हम संचालन और टिकटिंग में शामिल नहीं होंगे। थीम पार्क क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनियों में ऑरलैंडो में यूनिवर्सल स्टूडियो, चीन में चिमेलोंग ओशन किंगडम और दक्षिण कोरिया में एवरलैंड शामिल हैं जबकि भारत में इमेजिका, वंडरला, निक्को और एस्सेल वर्ल्ड जैसे लोकप्रिय पार्क हैं। सयाल ने यूनिवर्सल स्टूडियोज के भारत में सबसे बड़े मॉल के साथ आने की खबरों पर विशेष रूप से टिप्पणी तो नहीं की, लेकिन उन्होंने देश में बड़ी कंपनियों के आने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ह्ययहां पारिवारिक मनोरंजन क्षेत्र में बड़ी कमी है और कोई भी वैश्विक कंपनी यहां आएगी। एनारॉक रिटेल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी अनुज केजरीवाल ने कहा कि फिलहाल देश में थीम पार्कों का कुल कारोबार करीब 5,000 करोड़ रुपये का है, जिसके साल 2030 तक 25,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की क्षमता है जो 12 से 15 प्रतिशत की सीएजीआर है। उन्होंने कहा कि भारत में थीम-पार्क संपत्तियां करीब 46,000 से 51,000 करोड़ रुपये की हैं जो आने वाली आपूर्ति के आधार पर साल 2030 तक दोगुनी होकर 85,000 करोड़ रुपये से एक लाख करोड़ रुपये तक हो जाएंगी।

सैटेलाइट-बस प्लेटफॉर्म बनाएंगी निजी कंपनियां

इन-स्पेस कई पेलोड लांच करने में सक्षम छोटे सैटेलाइट बस सिस्टम के डिजाइन, विकास और निर्माण करने के लिए पात्र एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित करता है। देश में सैटेलाइट-बस प्लेटफॉर्म डिजाइन और विकसित करने के लिए निजी कंपनियों के लिए रास्ता खोला जा रहा है। इससे आयात पर निर्भरता कम करने में खासी मदद मिलेगी। अंतरिक्ष नियामक इंडियन नैशनल स्पेस प्रमोशन ऐंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) ने अपने एक बयान में कहा कि सैटेलाइट बस एज ए सर्विस नाम से शुरू की गई नई पहल का उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली निजी कंपनियों को होस्टेड पेलोड ऐप के लिए छोटे सैटेलाइट बस प्लेटफॉर्म डिजाइन और विकसित करने में मदद करना है। इस कार्यक्रम के तहत इन-स्पेस दो चरणों में सैटेलाइट बस प्लेटफॉर्म के निर्माण के लिए कंपनियों को सहयोग देगा। पहले चरण में एक

मॉड्यूलर, मल्टी-मिशन सैटेलाइट बस सिस्टम विकसित करने के लिए उनकी तकनीकी क्षमताओं के आधार पर चार भारतीय गैर-सरकारी संस्थाओं को चयनित किया जाएगा। दूसरे चरण में प्लेटफॉर्म की उपयोगिता को प्रदर्शित करने के लिए दो होस्टेड पेलोड मिशन तक संबंधित कंपनियों की मदद की जाएगी। इस पहल के माध्यम से इन-स्पेस कई पेलोड लांच करने में सक्षम छोटे सैटेलाइट बस सिस्टम के डिजाइन, विकास और निर्माण करने के लिए पात्र एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित करता है। सरकार के बयान पर टिप्पणी करते हुए इन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका ने कहा, सैटेलाइट बस एज ए सर्विस पहल देश के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। इस क्षेत्र में गैर-सरकारी कंपनियों के लिए दरवाजे खोलकर हम नवाचार को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने पर जोर दे रहे हैं। इससे हम सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के साथ मिलकर देश को छोटे सैटेलाइट बस और होस्ट किए गए पेलोड सेवाओं का वैश्विक सेवा प्रदाता बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। सरकार चाहती है कि इसके जरिए फ्लाइट प्लेटफॉर्म तक पहुंच आसान होने के साथ-साथ कक्षा में लगने वाला समय भी कम किया जाए तथा पेलोड डेवलपर इन-ऑर्बिट प्रदर्शन करने में सक्षम हों। इन-स्पेस में तकनीकी निदेशालय के निदेशक राजीव ज्योति ने कहा, ह्य सैटेलाइट बस एज ए सर्विस को पेलोड डेवलपर और सैटेलाइट प्लेटफॉर्म के बीच की खाई को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है। एक मानकीकृत, मॉड्यूलर बस प्लेटफॉर्म प्रदान कर हम विविध पेलोड के इन-ऑर्बिट सत्यापन के लिए एक किफायती समाधान प्रदान करते हैं। इस पहल से उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास चक्र को गति मिलेगी और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी हर तरह की सुविधा देने में देश की क्षमता बढ़ेगी। निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने और इससे जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने के केंद्र सरकार के निर्णय के बाद जून 2020 में इन-स्पेस का गठन किया गया था। इन-स्पेस अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली गैर सरकारी कंपनियों के की विभिन्न अंतरिक्ष गतिविधियों को बढ़ावा देने, उन्हें इस क्षेत्र में सक्षम बनाने, अधिकृत करने और पर्यवेक्षण करने जैसे तमाम मुद्दों के समाधान के लिए एकल-खिड़की, स्वतंत्र और नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह अंतरिक्ष विभाग में स्वायत्त एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

साहित्य और चिंतन का संगमः डॉ. बी. एन. विवेका की दो महत्वपूर्ण कृतियाँ विश्वविद्यालय को समर्पित

'The Mind Behind Metaphysical Poetry और रक्तिम किसलय से उभरी साहित्य की दो ध्रुव चेतनाएं– अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और भारतीय आत्मा का मिलन

समाज जागरण मधेपुरा विश्वविद्यालय संवाददाता

बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. विवेका ने अपने शोध और रचनात्मक साहित्य के माध्यम से भाषा, भाव और बौद्धिक विमर्श के सेतु का निर्माण करते हुए दो महत्वपूर्ण कृतियाँ–"The Mind Behind Metaphysical Poetry" (अंग्रेजी शोधकृति) तथा रक्तिम किसलय (हिंदी कविता संग्रह)– विभिन्न विद्वानों और विश्वविद्यालय प्रशासन को समर्पित कीं। उनकी अंग्रेजी पुस्तक "The Mind Behind Metaphysical Poetry" को माननीय विधान पार्षद व विश्वविद्यालय अभिषद सदस्य *प्रो. संजीव कुमार सिंह* को भेंट किया गया, जबकि हिंदी काव्य संग्रह रक्तिम किसलय को विश्वविद्यालय के कुलसचिव *प्रो. बिपिन कुमार राय* को समर्पित किया गया। मेटाफिजिकल पोएट्रीः शारीरिकता से आत्मिकता तक की यात्रा डॉ. विवेका की अंग्रेजी कृति मेटाफिजिकल काव्य की दार्शनिक परतों को उद्घाटित करती है। जॉन डन जैसे कवियों के रचना-संसार को केंद्र में रखते हुए उन्होंने यह दिखाया कि प्रेम केवल इंद्रियानुभव नहीं, बल्कि मन और आत्मा के विलय की प्रक्रिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डन की प्रेमकविताएं मात्र शारीरिकता की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि चित्त और चेतना की ऊर्ध्वगामी यात्रा हैं। इसी क्रम में डॉ. विवेका ने हिंदी साहित्य का उदाहरण देते हुए दिनकर की उर्वशी को और ओशो की संभोग से समाधि तक को उस अंतर्दृष्टि से जोड़ा, जहाँ प्रेम तात्त्विक अनुभव बन जाता है। रक्तिम किसलयः शब्दों में समाज, व्यंग्य में चेतना रक्तिम किसलय केवल कविताओं का संग्रह नहीं, एक समसामयिक मानसिकता का दर्पण है। इसमें हास्य-व्यंग्य के साथ सामाजिक-राजनीतिक अवनति की तीक्ष्ण पड़ताल है, तो वहीं अध्यात्म और मनोविश्लेषण की गहराई भी है। डॉ. विवेका ने कहा, इन कविताओं को पाठक विश्राम के क्षणों में पढ़कर न केवल मुस्कराएंगे, बल्कि भीतर के सवालों से भी रूबरू होंगे। विश्वविद्यालय परिसर में साहित्यिक चेतना का प्रसार डॉ. विवेका की यह दोनों कृतियाँ विश्वविद्यालय के बौद्धिक वातावरण में एक नवीन ऊर्जा का संचार करती हैं। जहाँ एक ओर The Mind Behind Metaphysical Poetry अंग्रेजी साहित्य में वैश्विक दृष्टिकोण की प्रस्तुति है, वहीं रक्तिम किसलय भारतीय संवेदना और सामाजिक यथार्थ की गूंज। डॉ. बी. एन. विवेका की ये दोनों कृतियाँ समकालीन साहित्य में विषय, भाषा और दृष्टि के उत्कृष्ट मेल का प्रमाण हैं। इनका समर्पण न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण भी है।

लेखक परिचयः

डॉ. बी. एन. विवेका- विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा। एक प्रबुद्ध आलोचक, संवेदनशील कवि और मर्मज्ञ शिक्षक, जिनकी लेखनी अंग्रेजी और हिंदी साहित्य के बीच सेतु का कार्य कर रही है।

मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य पर भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण मधेपुरा।

भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में प्रो. (डा.) एम. आई. रहमान की अध्यक्षता में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय थाः "मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य"। कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के शोधार्थियों, छात्र-छात्राओं और बिहार राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने ऑनलाइन भाग लिया।

विशिष्ट वक्ताओं के विचार

डा. कुमारी रंजीता (पूर्णिया विश्वविद्यालय): उन्होंने मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं माँ और परिवार के लिए आर्थिक दबाव पैदा कर सकती हैं और माँ के सामाजिक जीवन को भी प्रभावित कर सकती हैं। डा. लक्ष्मी पांडेय (तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय): उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए नियमित व्यायाम, स्वस्थ भोजन और पर्याप्त नींद के महत्व पर जोर दिया। डा. स्मृति कुमारी (मुंगेर विश्वविद्यालय): उन्होंने मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए सहायता प्राप्त करने की आवश्यकता पर चर्चा की। डा. निधि सिंह (पटना विश्वविद्यालय): उन्होंने मातृत्व के दौरान मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों और दीर्घकालिक मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए निरंतर सहायता की आवश्यकता पर बल दिया। डा. मीनाक्षी (मगध विश्वविद्यालय): उन्होंने प्रसवोत्तर मनोविकृति के लक्षणों और समय रहते पहचान और उपचार की आवश्यकता पर चर्चा की। डा. बरखा अग्रवाल (ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय): उन्होंने पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD) के प्रभावों और माताओं के अनुभवों पर प्रकाश डाला। डा. प्रतिभा कपाही (आर. एम. कॉलेज, सहरसा): उन्होंने सौतेली माताओं के मानसिक स्वास्थ्य और उनके अनुभवों पर चर्चा की। डा. अर्चना सहाय (बी. एन. वी. कॉलेज, मधेपुरा): उन्होंने गर्भवती महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और मानसिक विकारों के इलाज की संभावना पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) एम. आई. रहमान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और इस महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए विभाग की सराहना की। इस कार्यक्रम ने मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने और इस क्षेत्र में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार मंडल के पोते के जन्म पर आयोजित हुआ भव्य अष्टायम संकीर्तन समारोह"

"पारिवारिक खुशी में शामिल हुए नेपाल और बंगाल से आए कलाकार, झांकियों और हरे राम धुन पर मंत्रमुग्ध दर्शक"

समाज जागरण बटराहा ।

बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल के पोते के जन्म के उपलक्ष्य में उनके आवासीय परिसर स्थित पोखर महार पर स्थित प्रखर बजरंगबली मंदिर में अष्टायम संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस भव्य धार्मिक आयोजन में नेपाल और बंगाल राज्य से आई कीर्तन मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत हरे राम धुन पर कलाकारों द्वारा की गई करतबबाजी रही, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंत्री विजय कुमार मंडल के पैतृक गांव बटराहा में स्थित नंदकेशर महल में उल्लास का माहौल बना हुआ है, जहाँ स्थानीय दिग्गज भी कार्यक्रम में पहुँचकर मंत्री जी को बधाई दे रहे हैं। मंत्री विजय कुमार मंडल ने इस अवसर पर कहा कि पारिवारिक खुशी के इस पल में धार्मिक आयोजनों का महत्व और बढ़ जाता है, जो समाज में शांति और सद्भावना का संदेश देते हैं। इस आयोजन में मंत्री विजय कुमार मंडल के परिवार के सदस्य, स्थानीय नेता, समाजसेवी और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिन्होंने इस धार्मिक समागम को सफल बनाने में योगदान दिया। साथ ही, मंत्री जी ने बताया कि शिशु का छठी संस्कार आगामी दिनों में पटना स्थित उनके सरकारी आवास पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें परिवार और करीबी रिश्तेदारों की उपस्थिति रहेगी। यह आयोजन न केवल पारिवारिक खुशी का प्रतीक है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को भी प्रदर्शित करता है, जो समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

"हाजी डा.शकील सैफी के जन्मदिन पर बांद्रा में जुटेंगे दिग्गज, शांति और सद्भाव का होगा संदेश"

"वर्ल्ड पीस हार्मनी के चेयरमैन हाजी शकील सैफी का जन्मदिन समारोह बनेगा समाजसेवा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक"

समाज जागरण बांद्रा ।

वर्ल्ड पीस हार्मनी और मुस्लिम आतंकवाद विरोधी संस्था के चेयरमैन सह सैफी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हाजी मोहम्मद शकील सैफी का 5 मई को जन्मदिन है। इस अवसर पर उनके बांद्रा स्थित फार्म हाउस पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया है, जिसमें राजनीति, समाजसेवा, फिल्म और मीडिया जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल हो रही हैं। समारोह में शांति, सद्भाव और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा होगी, और हाजी शकील सैफी की समाजसेवा की सराहना की जाएगी। हाजी शकील सैफी का मानना है कि समाज में शांति और सद्भाव तभी संभव है जब हम सभी मिलकर आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ खड़े हों। उनका यह जन्मदिन समारोह इस उद्देश्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों का स्वागत हाजी शकील सैफी के परिवार और वर्ल्ड पीस हार्मनी के सदस्य करेंगे। समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यह समारोह न केवल हाजी शकील सैफी के जन्मदिन का जश्न है, बल्कि यह समाज में शांति और सद्भाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। डॉ. हाजी मोहम्मद शकील सैफी की यह महफिल उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती है - समाजसेवा, फिल्म इंडस्ट्री में योगदान, और राजनीति में सक्रियता। उनकी यह यात्रा प्रेरणास्त्रोत है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक है।

महिला संवाद यात्राः अररिया में महिलाओं का सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं का प्रचार

समाज जागरण अररिया ।

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'महिला संवाद यात्रा' के तहत अररिया जिले में रविवार को 36 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 6,500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इससे अब तक कुल 1,32,000 से अधिक महिलाएं इस पहल से जुड़ चुकी हैं, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिला संवाद यात्रा का उद्देश्य महिलाओं को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना और उनके सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना है। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को मुख्यमंत्री का संदेश पत्र और योजनाओं से संबंधित लीफलेट वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से महिलाओं-बच्चियों के सशक्तिकरण के लिए किए गए उपायों का उल्लेख किया और भविष्य में भी इस तरह की कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की मंशा जाहिर की। कार्यक्रम में 18 संवाद रथों का उपयोग किया गया, जो जिले के विभिन्न प्रखंडों में पहुंचकर मुख्यमंत्री के संवाद को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन रथों के माध्यम से महिलाओं को योजनाओं की जानकारी मिल रही है, जिससे उनका सशक्तिकरण हो रहा है। महिला संवाद के दौरान महिलाओं की ओर से प्रकट की जाने वाली आकांक्षाओं का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। इन सुझावों को मुख्यमंत्री या सक्षम अधिकारी देखेंगे और समस्याओं के समाधान के लिए उचित कदम उठाएंगे। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने स्वास्थ्य, बिजली बिल में कटौती और दिव्यांगों के इलाज जैसी समस्याओं के समाधान की मांग की। इन मुद्दों पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और जल्द ही समाधान के लिए कदम उठाएगी। महिला संवाद यात्रा न केवल महिलाओं को जागरूक कर रही है, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में भी बता रही है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले समय में इसके और सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

प्रशासन हिन्दुओं के साथ पक्षपात न करें अन्यथा सड़क से सदन तक होगा आंदोलन : विद्युत महतो

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के झीमड़ी गांव में एक हिंदू युवती के कथित जबरन धर्मांतरण और निकाह को लेकर दो समुदायों के बीच तनाव गहराता जा रहा है। घटना 24 अप्रैल रात की है जब तस्लीम अंसारी नामक एक मुस्लिम व्यक्ति पर झिमड़ी गांव की एक हिंदू युवती के घर में घुसकर बंदूक की नोक पर अपहरण करने का आरोप लगा। इसको लेकर युवती के परिजनों ने नीमडी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया था। घटना के दो दिन बीत जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होने पर परिजनों एवं ग्रामीणों नें आक्रोश में आकर 26 अप्रैल को आरोपी के घर पर चढ़ाई कर दी जिसमें दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। मामला बढ़ते विवाद और जनाक्रोश के चलते अब संवेदनशील हो गया है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए झीमड़ी और उसके आसपास के गांवों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 163 के अंतर्गत 27 अप्रैल 2025 से तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू की गई है, जो उत्तर में सिंदूरपुर, दक्षिण में मुरु, पूर्व में लाकड़ी और पश्चिम में किशुनडीह गांव तक प्रभावी है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि पूरे नीमडीह प्रखंड में धारा 167 के तहत अघोषित निषेधाज्ञा लागू है। इस बीच, भाजपा जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो रविवार को भाजपा कार्यकताओं के साथ निमडीह प्रखंड क्षेत्र के मुरुगडीह ग्राम में पीड़ित परिवार एवं ग्रामीणों के साथ बैठक करने पहुंचे, जिसमें चांडिल, नीमडीह और कुकडू मंडल के भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा की तस्लीम जैसे हजारों माइनॉरिटी मुस्लिम समाज के लोग हमारे हिन्दू बहन बेटियों को षड्यंत्र के तहत प्रेम जाल में फंसा के लव जेहाद को अंजाम दे रहे है। इनलोगों का पुरे झारखंड मे बहुत बड़ा सक्रिय चैन है जो इस तरह के घटना को अंजाम देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि तस्लीम तीन बच्चे का बाप है जो एक इंटरमीडिएट में पढ़ रही बच्ची को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फसता है उसके बाद पश्चिम बंगाल में ले जाकर धर्म परिवर्तन करवाता है। उसके बाद कोर्ट मैरिज करता है जिसमें वकील भी अपने समाज का चाईबासा का रहने वाला है। यह झारखंड का पहला घटना नहीं है। बांग्लादेश से सटा समवर्ती एरिया में बांग्लादेशी घुसपैठ गोड्डा, पाकुर, जामताड़ा, साहिबगंज, दुमका, देवघर एवं बड़ी संख्या में बंगाल के मुर्शिदाबाद से प्रवेश करते हैं एवं हमारे हिन्दू आदिवासी बहन बेटियों को टारगेट कर लव जिहाद के मामले को अंजाम देते है उसके जमीन को हड़पता है उसके बाद जलाकर मार कर लड़की की हत्या कर दी जाती है। झारखंड सरकार ऐसे दरिंदों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है सरकार पूर्ण रूप से मौन रहने के कारण इन लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने नीमडीह थाना प्रभारी पर प्रहार करते हुए कहा कि किसी विशेष समुदाय को बचाने के लिए पीड़ित परिवार के लिए न्याय मांग रहे महिलाओं के ऊपर भी लाठी चार्च करना दुर्भाग्यपूर्ण है वो भी बिना महिला पुलिस कर्मी के, यह अंग्रेज शासन जैसा बर्ताव करना कदापि उचित नहीं है। प्रशासन को मेरा चेतावनी है घटना की निष्पक्ष जांच हो और इस घटना से जुड़े सभी दोषियों के ऊपर उचित कार्रवाई की जाए अन्यथा हमें आंदोलन करने में देर नहीं लगेगी और ईंट से ईंट बजा देंगे। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई, भाजपा नेत्री सारथी महतो, अनिता पारित ,दिलीप गोप नलित चन्द्र गोप, अरुण गोराई, भाजपा नेता पप्पू वर्मा, आकाश महतो और अन्य नेता शामिल थे।

अररिया में नीट (यूजी) परीक्षा 2025ः शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न

समाज जागरण अररिया ।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित नीट (यूजी) परीक्षा-2025 अररिया जिले के पांच परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों में पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, +2 राजकीयकृत उच्च विद्यालय, +2 बालिका उच्च विद्यालय और अररिया महाविद्यालय शामिल थे। परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक निर्धारित थी, जिसमें कुल 1,623 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जबकि 56 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए केंद्राधीक्षकों, स्टैटिक दंडाधिकारी, प्रश्न-पत्र-सह-गश्ती दल दंडाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, समादेष्टा और अन्य संबंधित अधिकारियों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। इस आयोजन ने अररिया जिले में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रशासन की तत्परता को प्रदर्शित किया है।

चांदपुर गांव में श्री श्री 1008 महारूद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा को लेकर निकली भव्य कलश शोभायात्रा

समाज जागरण मनोज कुमार साह गोड्डा

मेहरमा प्रखंड अंतर्गत चांदपुर गांव में आयोजित नौ दिवसीय श्रीश्री 1008 महारूद्र यज्ञ तथा श्री शिव पुराण कथा को लेकर रविवार को भव्य व आकर्षक कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें करीब 501 महिला, किशोरी व बच्चियों ने शरीर पर गेरुआ वस्त्र, माथे पर कलश, ललाट पर चंदन का टीका हाथ में भगवा ध्वज लिए जय माता दी, हर हर महादेव, राधे राधे, जय श्री कृष्णा, जय श्री राम, जय बजरंगबली आदि का जयकारा लगाते हुए यज्ञ स्थल से निकलकर बगलगीर गांव मैनाचक-मानगढ़ स्थित पुरंदा पोखर पर पहुंची। यहां उत्तर वाहिनी गंगा कहलगांव, भागलपुर(बिहार) से लाए गए

गंगाजल को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में भरकर पुणः जयकारा लगाते हुए मैनाचक गांव का भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंचा। जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश को स्थापित किया गया। इस दौरान अचानक झमाझम बारिश होने लगी। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो इंद्र भगवान कलश शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर मेहरबान हो गए हों। इसके पूर्व कलश शोभा यात्रा का उद्घाटन ग्रामीण सह भवन निर्माण विभाग रांची में कार्यरत संयुक्त सचिव विधानचंद्र चौधरी व अन्य गणमान्य के द्वारा फीता काटकर किया गया। ग्रामीण विभीषण यादव ने बताया कि वाराणसी के यज्ञाचार्य रामभरोसे त्रिपाठी के सानिध्य में यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है। सोमवार से प्रत्येक दिन दो पाली में शुबह आठ से 12 तथा संध्या तीन से छह बजे तक यज्ञ कराया जाएगा।जिसकी शुरूआत सोमवार की सुबह अग्नि प्रज्वलित के साथ की जाएगी। वहीं अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक लखन महाराज द्वारा प्रत्येक दिन संध्या श्री शिव महापुराण कथा भी सुनाया जाएगा। इस अवसर पर भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरे ग्रामीण की ओर से अहम भूमिका निभाई जा रही है।

हजारों लोगों ने नम आंखों से दी विनय सिंह को श्रद्धांजलि

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड)04 अप्रैल 2025:- रविवार की शाम डिमना रोड स्थित आस्था स्पेस में विनय सिंह की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । जहाँ देश व प्रदेश से लोग पहुंच कर नम आंखों से अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत ने कहा कि प्रशासन निष्पक्ष रूप से जांच को निर्णय तक लेकर आए, करणी सेना पूरी संयम के साथ जांच में सहयोग कर रही है और 31 मई तक पूरी रिपोर्ट के आधार पर मामले का खुलासा करने को कहा,अगर परिणाम से सहमत नही हुए तो आगे सी बी आई जांच को लेकर संगठन अपना रुख रखेगी और जरूरत पड़े तो एक बड़े आंदोलन को लेकर भी रुख रखेगी। मौके पर मुख्य रूप से मौजूद बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला और किसी तरह की लीपापोती करने की कोशिश की गई तो विधासभा का भी घेराव होगा और ईंट से ईंट बजाने के लिए सक्षम से समाज,किसी भी हाल में अपराधी बक्शा न जाए। मौके पर मौजूद समाज के लोगों ने विनय सिंह के परिवार को आर्थिक सहयोग भी किया और साथ ही आने वाले दिनों में संपूर्ण रूप से परिवार का साथ देना का वचन भी दिया,कार्यक्रम की शुरूवात राष्टगान से किया गया ।मौके पर मुख्य रूप से मौजूद क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुखदेव सिंह गोगामेड़ी,महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता सिंह,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदल सिंह राणा,बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन,गणेश सिंह,चंद्रगुप्त सिंह,अभय सिंह,रिंकू सिंह मुखिया,रणधीर सिंह,प्रेम सिंह,जितेंद्र सिंह ,संजय सिंह,चंद्रेशेखर सिंह ,कमलेश सिंह,हरि सिंह राजपूत ,रंजन सिंह,मोहित सिंह,हिमांशु सिंह, नीतीश सिंह,संदीप सिंह व परिवार के लोग मौजूद थे ।

पहली बार पहाड़ की अंतिम चोटी पर आदिम जनजाति गांव में चार पहिया वाहन से पहुंचे- वित्त मंत्री

बच्चों के शिक्षा के साथ क्षेत्र के विकास के पहली प्राथमिकता- वित्त मंत्री ग्रामीण एवं बच्चों से संवाद करते वित्त मंत्री।

समाज जागरण सत्येंद्र चौरसिया

पलामू (झारखंड) 04मई 2025 :नौडीहा बाजार प्रखंड के पहाड़ के अंतिम चोटी पर बसे आदिम जनजाति लोगो के गांव में पहुचे बीत मंत्री।गांव के लोगो एव बच्चों से संवाद करते हुए कहा की चुनाव से पूर्व हमने संकल्प लिया था कि क्षेत्र के विकास साथ बच्चों की शिक्षा की पहली प्राथमिकता है मैं ऐसे अति आवश्यक मर्ज विद्यालयों को खोलने के लिए संकल्प लिया था जो दो वर्ष के संघर्ष के बाद अब सफलता मिल गई है जो कि मर्ज विद्यालय कर्मा पल्हे, गोरहो,गुवादाग ,बाराखाड़,सीढ़हा विद्यालय खुल गया। संवाद के दौरान ग्रामीणों और बच्चों को चेहरे पर खुशी का मुस्ककन देखने को मिला जहाँ सभी ग्रामीण एवं बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ वित्त मंत्री को फूल माला देकर स्वागत किया।बताते चले कि पल्हे कर्मा गांव प्रखण्ड मुख्याल से महज 20 किलोमीटर की दूर पर जंगल झाड़ी एव तीन हजार फीट पहाड़ो के अंतिम चोटी पर आदिवासी आदिम जनजाति गांव है जहां लोग पैदल चलने में हीच किचाते थे तो आज वित्त मंत्री अपने प्रयास से पहुंच पथ बनाकर चार पहिया वाहन लेकर उस पहाड़ की चोटी पर बसे लोगों के बीच पहुंचे तो लोगों में काफी उत्साह देखा गया। संवाद के दौरान ग्रामीणों ने पीने के पानी बिजली सड़क और सिंचाई के लिए बाघ मानवा नाला पर चेकडैम बनाने का मांग किया तभी मंत्री ने आश्वासन देते हुए तुरंत तालाब निर्माण कराने एवं बाघमानवा नाला पर चेक डैम बनने को लेकर जल प्रमंडल हुसैनाबाद के अधिकारियों से बात किया तो अधिकारियों ने कल सर्वे करने का बात कहा। वापस लौटने के दौरान सरईडीह शाहपुर के ग्रामीणों ने वित्त मंत्री को रुकवा कर राशन कार्ड को दूसरे डीलर पर अपने आप स्थानांतरण हो जाने से आक्रोश के साथ इस बात से अवगत कराया की यहां के लगभग 350 लोगों का राशन कार्ड दूसरे डीलर पर स्थानांतरण हो गया है जिसे पुनः उसी डीलर के पास कार्ड को स्थानांतरण करने का मांग किया। वित्त मंत्री ने आश्वासन देते हुए कहा कि आठ मई तक करने की बात कही। इसी दौरान वित्त मंत्री ने प्रखंड क्षेत्र के अति नक्सल प्रभावित पंचायत खैरादोहर पंचायत के अंतिम छोर पर बसे जंगलों एवं पहाड़ों में आदिवासी बाहुल्य गांव गुवादाग बाराखड़, कहूवाआ खड़ का भ्रमण किया ।जहां वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने लोगों से संवाद करते हुए गांव की समस्या के बारे में जानकारी लिया तो ग्रामीणों ने सड़क बिजली पानी का समस्या को सुनाया वित्तमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बिजली की समस्या को दूर करने के बात कहा और इस दौरान ग्रामीणों ने सिंचाई के लिए कहुवाखाड़ नाला पर चेक डैम बनाने का मांग किया वित्त मंत्री ने आश्वासन देते हुए दूरभाष के माध्यम से तुरंत जल प्रमंडल हुसैनाबाद के एसक्यूटिव इंजीनियर से बात किया तो उन्होंने बताया कि कल जेई को भेज कर इसकी सर्वे कर ली जाएगी।